THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 307 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ अमावस्या 2081 बुधवार, 29 जनवरी-2025

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ❋ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

श्रीलंकाई नौसेना ने भारतीय मछुआरों पर बरसाईं गोलियां

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। भारत ने भारतीय मछुआरों के मुद्दे पर श्रीलंका के सामने नाराजगी जताई है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, श्रीलंकाई नौसेना की ओर से भारतीय मछुआरों को पकड़ने के लिए की गई गोलीबारी पर कोलंबो के सामने कड़ा विरोध दर्ज कराया गया है। मंत्रालय ने बताया कि डेल्फ्ट द्वीप के पास श्रीलंकाई नौसेना की फायरिंग में दो भारतीय मछुआरे गंभीर रूप से घायल हुए हैं। गंभीर रूप से घायल भारतीय मछुआरों का जाफना अस्पताल में इलाज चल रहा है। श्रीलंका के राजदूत को विदेश मंत्रालय में तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया गया है। विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा, आज सुबह डेल्फ्ट द्वीप के नजदीक 13 भारतीय मछुआरों को पकड़ने के दौरान श्रीलंकाई नौसेना की ओर से गोलीबारी की घटना की सूचना मिली।

'भारत में कॉन्सर्ट इकोनॉमी की संभावनाएं'

कोल्ड प्ले कॉन्सर्ट का जिक्र, राज्य इन्फ्रास्ट्रक्चर और स्किल्स पर ध्यान दें : पीएम

भुवनेश्वर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भुवनेश्वर में उत्कर्ष ओडिशा- मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव 2025 में कोल्ड प्ले कॉन्सर्ट का जिक्र किया।

उन्होंने कहा, मुंबई और अहमदाबाद में हुए ब्रिटिश रॉक बैंड कोल्ड प्ले के कॉन्सर्ट की शानदार तस्वीरें आपने देखी होंगी। भारत में ऐसे लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट की अपार संभावनाएं हैं। राज्य सरकारें और प्राइवेट सेक्टर बेसिक इन्फ्रास्ट्रक्चर और स्किल्स पर ध्यान दें तो कॉन्सर्ट इकोनॉमी से हमारी अर्थव्यवस्था बढ़ सकती है। दुनिया भर के बड़े कलाकार भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

मोदी बोले- पूर्वी भारत देश के विकास का इंजन :

मोदी ने मंगलवार को ओडिशा सरकार की बिजनेस समिट 'उत्कर्ष ओडिशा-मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव 2025' का उद्घाटन किया। ये कॉन्क्लेव 28 से 29 जनवरी तक जनता मैदान में आयोजित हो रहा है। मोदी ने कहा कि पूर्वी भारत देश के विकास का इंजन है और ओडिशा इसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भारत का वैश्विक विकास में बहुत बड़ा योगदान हुआ करता था, तो भारत के पूर्वी हिस्से का उसमें बहुत बड़ा योगदान था। ओडिशा दक्षिण पूर्व एशिया के साथ व्यापार का मुख्य केंद्र हुआ करता था।

मुझे बताया गया है कि यह ओडिशा के इतिहास का सबसे बड़ा निवेशक सम्मेलन है। इसमें 5 से 6 गुना अधिक निवेशक भाग ले रहे हैं। मैं इसके लिए ओडिशा सरकार को बधाई देता हूं। कॉन्क्लेव में लगभग 3,000 नेशनल-इंटरनेशनल इंडस्ट्री लीडर्स, इन्वेस्टर्स, स्टार्टअप एंटरप्रेन्योर्स और उद्योग हितधारक शामिल हुए हैं। इसके अलावा 500 विदेशी निवेशकों, 17 देशों के प्रतिनिधियों समेत लगभग 7,500 प्रतिनिधि भाग लिया है। यहां 5 प्रमुख एरिया आईटी, रिन्यूएबल एनर्जी, टेक्सटाइल, केमिकल और फूल प्रोसेसिंग पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। पीएम मोदी की इस महीने में ओडिशा में उनकी दूसरी यात्रा है। इससे पहले 9 जनवरी को उन्होंने इसी जगह पर प्रवासी भारतीय दिवस समारोह में हिस्सा लिया था।

रिसर्च और इनोवेशन पर :

आज के समय में रिसर्च और इनोवेशन की जरूरत है। सरकार रिसर्च के लिए एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए काम कर रही है। इसके लिए एक विशेष कोष भी बनाया गया है। उद्योगों को आगे आना चाहिए और सरकार के साथ मिलकर काम करना चाहिए, यह सभी की अपेक्षा है।

सर्विस सेक्टर और क्वालिटी प्रोडक्ट्स पर :

भारत की अर्थव्यवस्था के दो बड़े स्तंभ हैं। हमारा इनोवेटिव सर्विस सेक्टर और भारत के क्वालिटी प्रोडक्ट्स, देश की तेज प्रगति केवल कच्चा माल के निर्यात से संभव नहीं है। इसलिए हम पूरे इको सिस्टम को बदल रहे हैं। नए विजन के साथ काम कर रहे हैं।

उद्योग जगत के लीडर, निवेशकों और नीति निर्माता एक मंच पर

यह ग्लोबल इन्वेस्टर समिट दो दिन 28 जनवरी से 29 जनवरी तक होगी इस दौरान उद्योग जगत के नेताओं, निवेशकों और नीति निर्माता एक ही मंच पर होंगे। ये सभी ओडिशा में पसंदीदा इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन के रूप में उपलब्ध अवसरों पर चर्चा करेंगे। सम्मेलन में सीईओ और नेताओं की 4 राउंड टेबल मीटिंग, 4 फुल सेशन, 16 रीजनल सेशन, बी2बी मीटिंग और पॉलिसी डिस्कशन होंगे। उत्कर्ष ओडिशा-मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव ओडिशा को भारत में एक प्रमुख निवेश डेस्टिनेशन और इंडस्ट्रियल सेंटर के तौर पर स्थापित करना है। कॉन्क्लेव में लगभग 3,000 नेशनल-इंटरनेशनल इंडस्ट्री लीडर्स, इन्वेस्टर्स, स्टार्टअप एंटरप्रेन्योर्स और उद्योग हितधारक शामिल हुए हैं। समिट में शामिल होने के लिए एलएन मित्तल, कुमार मंगलम बिड़ला, अनिल अग्रवाल, करण अदानी, सज्जन जिंदल, नवीन जिंदल और बाकी उद्योगपतियों और निवेशक पहुंचे हैं। पीएम मोदी के आने से पहले पूरे भुवनेश्वर में ओडिशा पुलिस ने 400 से ज्यादा अधिकारियों के साथ 60 प्लाटून (एक प्लाटून में 30 कर्मी) तैनात किए गए हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष के खिलाफ बिहार में परिवाद दर्ज

> महाकुंभ में स्नान को लेकर दिया था बयान

मुजफ्फरपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ मुजफ्फरपुर कोर्ट में एक परिवाद दर्ज किया गया है। यह मामला वरिष्ठ कांग्रेस नेता खड़गे द्वारा कुंभ स्नान को लेकर मध्य प्रदेश में दिए गए एक कथित विवादित बयान से जुड़ा है।

अधिवक्ता सुधीर ओझा ने दर्ज कराया परिवाद :

यह परिवाद स्थानीय अधिवक्ता सुधीर ओझा द्वारा दर्ज कराया गया है। अधिवक्ता ओझा ने खरगे पर धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया है। वादी सुधीर ओझा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष ने राजनैतिक लाभ के लिए सनातनी हिन्दुओं की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया है। परिवाद में कहा गया है कि मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान से हिंदू धर्मावलंबियों की आस्था को ठेस पहुंची है। इस मामले की सुनवाई मुजफ्फरपुर कोर्ट में चल रही है। अदालत ने अगली सुनवाई की तिथि 3 फरवरी 2025 निर्धारित की है।

मामले का कानूनी पहलू :

अधिवक्ता सुधीर ओझा का दावा है कि खड़गे के बयान ने न केवल धार्मिक भावनाओं को आहत किया है, बल्कि समाज में धार्मिक असंतुलन पैदा करने का प्रयास भी किया है। अदालत में दर्ज परिवाद में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं का उल्लेख किया गया है, जिनमें धार्मिक भावनाएं आहत करने और सार्वजनिक शांति भंग करने के आरोप शामिल हैं।

अब तक मल्लिकार्जुन खड़गे या कांग्रेस पार्टी की ओर से इस परिवाद पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। मामले पर सभी की नजरें अदालत की आगामी सुनवाई पर टिकी हैं। दरअसल, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाने पर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या गंगा में स्नान करने से गरीबी खत्म हो जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने शरीयत और उत्तराधिकार पर केंद्र का रुख पूछा

> याचिकाकर्ता की मांग-पर्सनल लॉ न मानने वालों को भारतीय कानून से उत्तराधिकार का हक मिले

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तराधिकार के लिए शरीयत न मानने वाली मुस्लिम महिला की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। केरल की महिला जन्म से मुस्लिम है। उसका कहना है कि वह शरीयत में विश्वास नहीं करती। साथ ही वह इसे रूढ़िवादी मानती है।

सुप्रीम कोर्ट का मानना है कि यह आस्था के खिलाफ हो सकता है। इस वजह से मंगलवार को कोर्ट ने केंद्र से उसका रुख पूछा है। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच कर रही है। महिला का नाम सफिया और वह केरल के अलपुझा की रहने वाली है। सफिया एक्स मुस्लिम्स ऑफ केरल की महासचिव है। हालांकि उसका कहना है कि उसने आधिकारिक तौर पर इस्लाम धर्म नहीं छोड़ा है। वह नास्तिक है और अनुच्छेद-25 के तहत धर्म का मौलिक अधिकार चाहती है। महिला का कहना है कि इस अधिकार के तहत धर्म में विश्वास न करने का अधिकार भी शामिल होना चाहिए। महिला की मांग है कि जो लोग मुस्लिम पर्सनल लॉ नहीं मानना चाहते उन्हें भारत के उत्तराधिकार कानून के तहत पैतृक संपत्ति पर उत्तराधिकार का हक मिलना चाहिए। कोर्ट ने सफिया को उत्तराधिकार कानून सहित अन्य कानूनों से मुसलमानों को बाहर रखने खिलाफ याचिका लगाने के लिए अपनी दायर की जा चुकी याचिका में जरूरी संशोधन करने की अनुमति दी थी। याचिका में कहा गया है कि अनुच्छेद-25 के तहत धर्म के अधिकार में विश्वास करने और विश्वास न करने दोनों का अधिकार शामिल होना चाहिए।

महाराष्ट्र में अवैध प्रवासियों को जारी किए गए फर्जी जन्म प्रमाण पत्र, भाजपा नेता सोमैया का दावा

जालना, 28 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता किरीट सोमैया ने मंगलवार को कहा कि महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या प्रवासियों को जाली जन्म प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे थे। इन गड़बड़ियों का खुलासा होने के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कड़ी कार्रवाई शुरू की है, जो राज्य के गृह विभाग का जिम्मा भी संभालते हैं। सोमैया ने मीडिया से बातचीत में कहा, पिछले छह महीने में महाराष्ट्र में 2.14 लाख बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं ने जन्म प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया। उन्हें धोखाधड़ी से जाली जन्म प्रमाण पत्र, राशन कार्ड और स्कूल के प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे थे। उन्होंने बताया, कुल मिलाकर 1.13 लाख जन्म प्रमाण पत्र इन विदेशी नागरिकों को संदिग्ध परिस्थितियों में जारी किए गए। मुंबई से भाजपा के पूर्व सांसद सोमैया ने कहा कि मुख्यमंत्री ने इन फर्जी प्रमाण पत्रों को जारी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जालना जिले में 7,957 जाली जन्म प्रमाण पत्र जारी किए गए, जिसमें भोकरडण तहसील सबसे आगे थी।

अपना 100वां मिशन लॉन्च करने के लिए इसरो तैयार

> जीएसएलवी-एफ 15 रॉकेट प्रक्षेपण का काउंटडाउन शुरू

श्रीहरिकोटा, 28 जनवरी (एजेंसियां)। इसरो के 100वें मिशन जीएसएलवी-एफ 15 रॉकेट के साथ सैटेलाइट एनवीएस-02 को लॉन्च करने का काउंटडाउन शुरू हो गया है। स्वदेशी क्रायोजेनिक स्टेज वाले रॉकेट को 29 जनवरी को सुबह 6.23 बजे सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र श्रीहरिकोटा के दूसरे लॉन्च पैड से प्रक्षेपित किया जाएगा। 27 घंटे का काउंटडाउन पूरा करने के बाद रॉकेट सैटेलाइट को लेकर रवाना होगा। इसके साथ ही यह इसरो के नए अध्यक्ष वी नारायणन का पहला मिशन होगा।

इसरो ने बताया कि जीएसएलवी-एफ15, एनवीएस-02 सैटेलाइट को भू-स्थिर स्थानांतरण कक्षा में स्थापित करेगा। इसकी 27.30 घंटे की उल्टी गिनती मंगलवार सुबह 02.53 बजे शुरू हुई। इसरो के अनुसार (नेविगेशन विद इंडियन कंस्टीलेशन) भारत का स्वतंत्र क्षेत्रीय नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम है। इसका उद्देश्य भारत और भारतीय जमीन से 1,500 किमी तक फैले क्षेत्र में उपयोगकर्ताओं को सटीक पोजीशन, वेलोसिटी और टाइमिंग सेवाएं प्रदान करना है।

इसरो ने बताया कि यूआर सैटेलाइट सेंटर द्वारा डिजाइन और विकसित एनवीएस-02 उपग्रह का वजन लगभग 2250 किलोग्राम है। इसमें एल1, एल5 और एस बैंड में नेविगेशन पेलोड के साथ-साथ सी-बैंड में रेंजिंग पेलोड भी लगाया गया है, जैसा कि इसकी पहली पीढ़ी की सैटेलाइट एनवीएस-01 में था। बता दें कि, एनवीएस-01, जो दूसरी पीढ़ी का पहला सैटेलाइट था, 29 मई 2023 को जीएसएलवी-एफ12 के जरिए लॉन्च किया गया था। जबकि, एनवीएस-02, एनवीएस सीरीज का दूसरा सैटेलाइट है। इसमें एल1, एल5 और एस बैंड में नेविगेशन पेलोड के साथ-साथ सी-बैंड में रेंजिंग पेलोड भी लगाया गया है, जैसा कि इसकी पहली पीढ़ी की सैटेलाइट एनवीएस-01 में था।

एनवीएस-01/02/03/04/05 को नेविगेशन सेवाओं की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए बेस लेयर कंस्टीलेशन को और मजबूत बनाने के लिए तैयार किया गया है। इसरो ने कहा कि उपग्रह का उपयोग स्थलीय, हवाई और समुद्री नेविगेशन, सटीक कृषि, मोबाइल उपकरणों में लोकेशन आधारित सेवाएं, उपग्रहों के लिए कक्षा निर्धारण, इंटरनेट-ऑफ-थिंग्स (आईओटी) आधारित अनुप्रयोग, आपातकालीन और समय सेवाएं प्रदान करना है।

ताहिर हुसैन को राहत : सुप्रीम कोर्ट ने दी कस्टडी पैरोल

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। साल 2020 में दिल्ली में हुए दंगों के आरोपी और पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को सुप्रीम कोर्ट ने राहत देते हुए कस्टडी पैरोल की मंजूरी दे दी है। इसके बाद ताहिर हुसैन को पुलिस हिरासत में चुनाव प्रचार करने की छूट मिल गई है। ताहिर हुसैन दिल्ली की मुस्तफाबाद सीट से एआईएमआईएम पार्टी के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। ताहिर हुसैन ने पूर्व में सुप्रीम कोर्ट में चुनाव प्रचार के लिए जमानत देने की याचिका दायर की थी, लेकिन इसकी मंजूरी नहीं मिल पाई थी। अब उन्होंने पुलिस हिरासत में ही चुनाव प्रचार करने देने की इजाजत सुप्रीम कोर्ट से मांगी थी। जिसे सुप्रीम कोर्ट ने मंजूर कर लिया है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने दोपहर दो बजे दिए अपने आदेश में ताहिर हुसैन को कस्टडी पैरोल देने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने ताहिर हुसैन को 29 जनवरी से 3 फरवरी तक कस्टडी पैरोल दी है।

महाकुंभ नगर बना दुनिया का सबसे बड़ा जिला

3.90 करोड़ लोगों ने लगाई डुबकी, संगम से 15 किमी तक जाम

प्रयागराज, 28 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ नगर एक बार फिर विश्व का सबसे बड़ा जिला बन गया। आज प्रयागराज की आबादी साढ़े 4 करोड़ का आंकड़ा पार कर गई। मंगलवार को अभी तक 3.90 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। इसमें अगर जिले की आबादी करीब 70 लाख जोड़ ली जाए, तो प्रयागराज में एक दिन की संख्या 4.60 करोड़ रिकॉर्ड की गई। ऐसे में आबादी के लिहाज से विश्व के सबसे बड़े शहर टोक्यो को भी प्रयागराज ने पीछे छोड़ दिया। इससे पहले मकर संक्रांति पर भी 4.20 करोड़ लोगों के साथ प्रयागराज विश्व का सबसे बड़ा जिला बनने का रिकॉर्ड बना चुका है। वहीं, मौनी अमावस्या से पहले श्रद्धालुओं की जबरदस्त भीड़ को देखते हुए सोमवार को रातभर सभी विभागों के अफसरों ने कई राउंड मीटिंग की। भीड़ को कैसे संभालेंगे? सुरक्षा में क्या चुनौती आ रही? उसका समाधान कैसे होगा? इन्हीं मुद्दों पर मंथन हुआ। आज सुबह फिर एडीजी जोन भानु भास्कर और कमिश्नर ने सभी विभागों के अफसरों की इमरजेंसी मीटिंग बुलाई। डीएम, सीआरपीएफ, आईटीबीपी, पुलिस, रेलवे आदि विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। हाई अलर्ट जारी किया गया है। आज स्थिति ऐसी है कि सड़कें-गलियां सब फुल हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि पार्किंग या स्टेशन से संगम पैदल आना पड़ रहा।

'10-20 दिन अयोध्या ना आएं' : राम जन्मभूमि ट्रस्ट के प्रमुख चंपत राय ने भक्तों से की मांग

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ 2025 मेले को लेकर देश-विदेश से श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में स्नान के लिए पहुंच रहे हैं, जिनमें से भक्तों की भीड़ काशी और अयोध्या में बने भव्य राम मंदिर में रामलला के दर्शन के लिए भी जा रही है। इसके चलते अयोध्या में उम्मीद से ज्यादा भीड़ है। इसी वजह से अब राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के प्रमुख चंपत राय ने भक्तों के मांग की है कि भक्त अभी 10-20 दिन तक अयोध्या न आएं। दरअसल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के प्रमुख चंपत राय के हवाले से कहा गया कि हमारा यह निवेदन है कि आस-पड़ोस के भक्त 15-20 दिन के पश्चात दर्शन करने हेतु अयोध्या आएं, जिससे दूर से आने वाले भक्त अभी सुविधा से प्रभु के दर्शन कर सकें। इससे सभी को सुविधा होगी।

तहव्वुर राणा को भारत लाने की तैयारी शुरू

30 जनवरी को अमेरिका जा सकती है एनआईए टीम

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई हमले की साजिश रचने के आरोपी तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पित करने की राह साफ हो चुकी है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद तहव्वुर राणा का भारत प्रत्यर्पण लगभग तय हो चुका है। अमेरिका के विदेश विभाग ने भी कहा है कि वह अगले कदम की समीक्षा कर रहे हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने एक बयान में कहा है कि 'सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के मद्देनजर, और अमेरिकी कानून के अनुरूप, विदेश विभाग इस मामले में अगले कदमों का मूल्यांकन कर रहा है।'

एनआईए की टीम जल्द जा सकती है अमेरिका

तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण के लिए एनआईए की टीम जल्द ही अमेरिका जा सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, चार सदस्यीय एनआईए टीम 30 जनवरी को तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण के लिए अमेरिका जा सकती है। साथ ही तिहाड़ जेल प्रशासन ने भी

तहव्वुर राणा के लिए उच्च सुरक्षा वाला जेल वार्ड बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। तहव्वुर राणा अमेरिका में विभिन्न कानूनी तरीकों से अपना भारत प्रत्यर्पण रोकने की कोशिश कर चुका है। हालांकि हर जगह से उसे निराशा हाथ लगी है और अब अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने भी तहव्वुर राणा की याचिका खारिज कर दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एनआईए ने अमेरिका जाने वाले अपने अधिकारियों के नाम केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेज दिए हैं। साथ ही विदेश मंत्रालय को भी अधिकारियों की जानकारी दे दी गई है। अमेरिका जाने वाले अधिकारियों में दो अधिकारी आईजी और डीआईजी और दो जूनियर अधिकारी हैं।

कौन है तहव्वुर राणा

तहव्वुर हुसैन राणा (63 वर्षीय) पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक है। राणा, पाकिस्तानी सेना में भी काम कर चुका है और पाकिस्तानी सेना में डॉक्टर रहा।

हालांकि 90 के दशक में राणा कनाडा चला गया और फिर उसने वहीं की नागरिकता ले ली। कनाडा से तहव्वुर राणा अमेरिका पहुंचा और वहां उसने शिकागो में एक इमिग्रेशन कंसल्टेंसी फर्म खोली। मुंबई हमले का दोषी डेविड हेडली, तहव्वुर राणा का सहयोगी था। दावा है कि तहव्वुर राणा ने ही डेविड हेडली को अपराध की दुनिया में धकेला। हेडली ने ही 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के लिए रेकी की। हेडली को बाद में अमेरिका से गिरफ्तार किया गया था। हेडली से पूछताछ में ही तहव्वुर राणा की मुंबई हमले में संलिप्तता का खुलासा हुआ था। राणा को साल 2009 में अमेरिकी जांच एजेंसियों द्वारा गिरफ्तार किया गया था।

आईटीबीपी की पिथौरागढ़ बटालियन में करोड़ों का घोटाला

सीबीआई ने छह अफसरों पर दर्ज किया मुकदमा

देहरादून, 28 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड में आईटीबीपी की पिथौरागढ़ बटालियन में सामान की ढुलाई में बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। रसद और अन्य सामान को लाने ले जाने में पौने दो करोड़ का घोटाला सामने आया है। सीबीआई ने दो मुकदमों में छह अधिकारियों और कांट्रेक्टरों के खिलाफ दो मुकदमे दर्ज किए हैं। जानकारी के अनुसार, वर्ष 2017 से लेकर 2021 के बीच अलग-अलग अधिकारियों के कार्यकाल में घोटाले हुए हैं। एक मुकदमा 22 लाख और दूसरा एक करोड़ से संबंधित है।

आईएसआईएस टेरर मोड्यूल के खिलाफ कार्रवाई एनआईए ने तमिलनाडु में 25 जगहों पर की रेड

चेन्नई, 28 जनवरी (एजेंसियां)। आईएसआईएस टेरर मोड्यूल को लेकर मिले अहम लीड के आधार पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीमें तमिलनाडु में 25 जगहों पर रेड कर रही है। सूत्रों के मुताबिक राजधानी चेन्नई और मयिलाडुथुरई जिले में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। साल 2023 में कोयम्बटूर में हुए ब्लास्ट की जांच की कड़ी के तौर पर इन रेड को देखा जा रहा है।

क्यों हो रही कार्रवाई?

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, एनआईए की जांच में अरेबिक लैंग्वेज सेंटर का नाम प्रमुख तौर पर सामने आया है। और इसी सेंटर से जुड़े लोगों के अलग अलग ठिकानों पर छापे की कार्रवाई की जा रही है ताकि ये पता लगाया जा सके कि विदेशी आतंकवादी संगठनों के साथ उनके क्या संबंध है। दूसरी ओर केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में भी राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीमें आतंकी साजिश मामले में 6 अलग-अलग जगहों पर छापेमारी कर रही है। एनआईए ये छापेमारी श्रीनगर, बडगाम और सोपोर में कर रही है। जानकारी के मुताबिक, आतंकी साजिश का ये मामला बीते साल दर्ज किया गया था। पीटीआई ने अधिकारियों के हवाले से बताया है कि एनआईए ने आतंकवाद से संबंधित मामले में जावेद अहमद शेख, ए आर शल्ला और निसार अहमद नाम के तीन व्यक्तियों के घरों पर छापेमारी की है।

नाबालिग लड़की का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में सुरक्षा गार्ड गिरफ्तार

ठाणे, 28 जनवरी (एजेंसियां)। ठाणे में एक आवासीय परिसर के 38 वर्षीय सुरक्षा गार्ड को एक नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी आठ साल की बच्ची को रविवार शाम मानपाड़ा-चितलसर इलाके में इमारत के पास एक सुनसान जगह पर ले गया और कथित तौर पर उसे गलत तरीके से छुआ। पीड़िता वहां से भाग गई और अपनी मां को घटना के बारे में बताया। इसके बाद उसके माता-पिता शिकायत लेकर पुलिस के पास पहुंचे। सुरक्षा गार्ड को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया और भारतीय न्याय संहिता की धारा 75 (यौन उत्पीड़न) के साथ-साथ यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया।

पत्रकार राणा अयूब के खिलाफ केस दर्ज, क्या है आरोप?

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को एक वकील की शिकायत पर पत्रकार राणा अयूब के खिलाफ मामला दर्ज करने का आदेश दिया है। आरोप लगाया गया कि अय्यूब के सोशल मीडिया पोस्ट ने हिंदू देवताओं का अपमान किया और भारत विरोधी भावना फैलाई। अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया पत्रकार के खिलाफ संज्ञेय अपराध बनता है।

किन धाराओं में केस दर्ज?

मंगलवार को दिल्ली पुलिस ने कोर्ट को बताया कि राणा अयूब के खिलाफ धारा 153ए, 295ए और 505 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। अधिवक्ता अमिता सचदेवा ने अदालत में अयूब के खिलाफ धारा 153 ए, 295 ए और 505 के तहत एफआईआर दर्ज करने का अनुरोध किया था। सचदेवा का प्रतिनिधित्व अदालत में अधिवक्ता मकरंद अडकर, यादवेंद्र सक्सेना और विक्रम कुमार ने किया। उन्होंने एक्स पर अयूब द्वारा पोस्ट की एक सीरीज पेश की। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उन्होंने भगवान राम को अपमानित किया और रावण को महिमामंडित किया। राणा अयूब ने एक्स पर एक पोस्ट को रिपोस्ट किया, जिसमें कहा गया पत्रकार @ राणा अयूब के ट्वीट 2013, 2014, 2015 और 2016 के हैं। 8-9 साल बीत चुके हैं और कोई विवाद नहीं हुआ। न्यायाधीश को इस मामले को खारिज कर देना चाहिए था। राणा अयूब को उनकी किताब गुजरात फाइल्स के लिए जाना जाता है। ये 2002 के दंगों की जांच पर आधारित उनकी रिपोर्ट पर आधारित है। राणा अयूब भारतीय पत्रकार हैं। वह तहलका अखबार समूह के लिए एक रिपोर्टर के रूप में काम कर चुकी हैं। नवंबर 2013 में राणा अय्यूब ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने के बाद तहलका से इस्तीफा दे दिया था।

'एयरपोर्ट पर मोहम्मद साकिब ने एप्पल वॉच चुराई', डॉक्टर के दावे पर सीआईएसएफ ने सिखाया सबक

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली एयरपोर्ट पर एक सर्जन ने दावा किया था कि सिक्योरिटी जांच के दौरान उनकी एप्पल की घड़ी चोरी हो गई थी, लेकिन उनकी सूझबूझ से बच गई। यह मामला खूब सुर्खियों में आया और एयरपोर्ट की सुरक्षा पर सवाल खड़े होने लगे। इसके बाद सीआईएसएफ ने जांच कर डॉक्टर के इस दावे को खारिज कर दिया और बताया कि ऐसा कुछ नहीं हुआ था। सीआईएसएफ का कहना है कि डॉक्टर ने अपने हाथों में ही घड़ी पहनी हुई थी। सीआईएसएफ ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की जांच में डॉक्टर के दावे झूठे पाए गए हैं। डॉक्टर द्वारा बताया गया घटनाओं का क्रम सही नहीं पाया गया है। सीआईएसएफ की ओर से डॉक्टर को बताया गया, सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है

5000 का टिकट 50 हजार में क्यों

महाकुंभ में महंगी उड़ानों पर राघव चड्ढा ने उठाए सवाल सरकार से की ये मांग

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ में फ्लाइट्स के किराए को लेकर आम आदमी पार्टी ने सवाल उठाया है। आप के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा का कहना है कि महाकुंभ को विमान कंपनियों ने फायदे का सौदा बना लिया है। सेवा की बजाय कंपनियां लूटने में लगी है। सरकार इस पर तुरंत रोक लगाए। राघव चड्ढा ने वीडियो जारी कर कहा है कि प्रयागराज जाने वाली जो फ्लाइट्स 5 हजार रुपए का किराया ले रही थी, अब वो 60-70 हजार का किराया वसूल रही है। यह सरेआम लूट है। लोग बढ़े हुए किराए की वजह से प्रयागराज कुंभ में नहीं जा पा रहे हैं। राघव चड्ढा ने केंद्र सरकार से अपील करते हुए कहा कि इसे देखें और समीक्षा कर इस पर तुरंत एक्शन लीजिए। चड्ढा ने सरकार से विमान परिचालन वाली कंपनियों के किराए को लेकर गाइड लाइन बनाने की भी मांग की है। उन्होंने कहा है कि सरकार किराए तय करे, जिससे लोगों को असुविधा भी न हो और उनके ऊपर किराए को लेकर भार भी न पड़े। चड्ढा ने सवाल उठाते हुए कहा कि यह कैसा नियम है, जो 5 हजार का टिकट 50 हजार का हो गया है? यह आस्था के साथ खिलवाड़ है। प्रयागराज महाकुंभ के लिए जो विमान परिचालन में है, उसके किराए को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। हाल ही में दिल्ली से प्रयागराज के लिए विमान का किराया 40 हजार के आसपास पहुंच गया था। सामान्य दिनों में यह किराया 3 हजार के आसपास होता था। वहीं हैदराबाद और भुवनेश्वर जैसे शहरों से प्रयागराज आने के लिए यात्रियों को 55-60 हजार का टिकट लेना पड़ा है।

मॉल में लगी आग में दो दुकानें जलकर खाक

ठाणे, 28 जनवरी (एजेंसियां)। शहर में मंगलवार सुबह एक मॉल में आग लग गई। इसमें दो दुकानें जलकर खाक हो गईं। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि घटना में कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ। घोड़बंदर रोड पर स्थित मॉल की पहली मंजिल पर सुबह करीब आठ बजे आग लग गई। स्थानीय अग्निशमन कर्मी और क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के सदस्य सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग में एक जूते की दुकान और उसके निकट स्थित एक दुकान पूरी तरह नष्ट हो गई। आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

कर्नाटक में आयकर विभाग की टीम की रेड मशहूर बिजनेस फैमिली के घर छापेमारी

बेलगावी, 28 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेलगावी में दो कारोबारियों के आवासों पर आज सुबह-सुबह आयकर विभाग की टीम ने छापेमारी की। बता दें कि विनोद दोड्डनवर और पुष्पदंत दोड्डनवर के घरों और दफ्तरों पर छापेमारी की कार्रवाई की जा रही है। बता दें कि आयकर विभाग की टीम की यह कार्रवाई गोवा और बेंगलुरु दोनों ही स्थानों पर की जा रही है। दोड्डनवर का परिवार बेलगावी की मशहूर बिजनेस फैमिली है। दोनों व्यवसायियों का घर तिलकवाड़ी पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में है। बता दें कि आयकर विभाग की टीम की छापेमारी की कार्रवाई अब भी जारी है। बता दें कि इससे पूर्व तेलंगाना में आयकर विभाग ने मंगलवार को तेलंगाना फिल्म विकास निगम के चेयरमैन व तेलुगु फिल्मों के मशहूर निर्माता दिल राजू और कुछ अन्य लोगों से जुड़े कई ठिकानों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। दिल राजू का वास्तविक नाम वेंकट रमण रेड्डी है और उन्होंने कुछ सबसे बड़ी तेलुगु ब्लॉकबस्टर फिल्में बनाई हैं, जिनमें राम चरण अभिनीत फिल्म 'गेम चेंजर' और 'बोम्मारिलु' शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि कथित तौर पर कर चोरी के आरोपों के सिलसिले में छापेमारी की गई थी। सूत्रों के अनुसार, कुछ अन्य फिल्म निर्माताओं से जुड़े ठिकानों पर भी छापेमारी की की गई। उन्होंने बताया कि शहर में की गई इस छापेमारी के दौरान जुबली हिल्स और बंजारा हिल्स सहित कई परिसरों में छापेमारी की गयी। दिल राजू की पत्नी ने छापेमारी के बारे में पूछे जाने पर समाचार चैनलों को बताया कि यह नियमित छापेमारी थी और इसमें बैंक लॉकर की जांच भी शामिल थी। बता दें कि दिल राजू का वास्तविक नाम वेंकट रमण रेड्डी है और वह फिल्मों के प्रमुख निर्माता होने के साथ ही तेलंगाना फिल्म विकास निगम (एफडीसी) के अध्यक्ष भी हैं।

गुमटाला चौकी पर ग्रेनेड फेंकने के दो आरोपी काबू, एक हैंड ग्रेनेड और दो पिस्टल बरामद

चंडीगढ़, 28 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए पाकिस्तान-आईएसआई समर्थित नशे के आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। यह मॉड्यूल अमेरिका स्थित हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया और सरवन भोला द्वारा संचालित था। इस नेटवर्क के दो संदिग्ध हैंडलरों को गिरफ्तार किया गया है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई पंजाब में आतंकी हमले के लिए बड़े लेवल पर फंडिंग कर रही है। गुमटाला ग्रेनेड हमले में पकड़े गए आरोपियों की पहचान बग्गा सिंह निवासी गुरु तेग बहादुर नगर, पुलिस स्टेशन सिटी सिरसा हरियाणा और पुष्करण सिंह उर्फ सागर निवासी अमरकोट, थाना जंडियाला गुरु अमृतसर ग्रामीण के तौर पर हुई है। ये दोनों नौ जनवरी 2025 को अमृतसर के गुमटाला पुलिस चौकी पर हैंड ग्रेनेड फेंकने की घटना में शामिल थे।

कांग्रेस में शामिल हुए 'माउंटेन मैन' दशरथ मांझी के बेटे भगीरथ मांझी, इन नेताओं ने भी थामा हाथ

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी में आज कई बड़े नेता शामिल हुए, जिनमें भगीरथ मांझी, निशांत आनंद, अली अनवर, डॉ. जगदीश प्रसाद और निगहत अब्बास हैं। इन नेताओं ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बीजेपी पर हमला बोलते हुए कांग्रेस की विचारधारा का समर्थन किया। भगीरथ मांझी, प्रसिद्ध 'माउंटेन मैन' दशरथ मांझी के पुत्र हैं, आज कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। निशांत आनंद जिन्होंने 2024 में गुरुग्राम से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था और पार्टी के प्रवक्ता भी रहे थे, अब कांग्रेस पार्टी का हिस्सा बन गए हैं। वहीं, पूर्व जेडीयू सांसद अली अनवर भी आज कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए। वहीं, कांग्रेस में शामिल होने वाले एक और प्रमुख नेता डॉ. जगदीश प्रसाद हैं, जो भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में पूर्व निदेशक और एक प्रसिद्ध सर्जन रहे हैं। कांग्रेस में शामिल हुईं एक अन्य नेता निगहत अब्बास ने बीजेपी की राजनीति को निशाना बनाते हुए कहा कि अब वक्त आ गया है कि कट्टरता और विभाजन की राजनीति को खत्म किया जाए। निगहत अब्बास ने कट्टरता पर सवाल उठाते हुए कहा, सरकार एक खास समुदाय को चाबी लगाने का काम कर रही है। जहां-जहां सरकार है वहां एक समुदाय के लोगों को दूसरे दर्जे का नागरिक बना दिया गया है। कांग्रेस का मंच सबको समानता का अधिकार देता है।

दिल्ली में 5 फरवरी को मतदान

बता दें कि दिल्ली में 5 फरवरी को विधानसभा की 70 सीटों के लिए वोटिंग होगी। उससे पहले दल-बदल का खेल जारी है। अपने राजनीतिक भविष्य को देखते हुए विभिन्न दलों के नेता पाला बदल रहे हैं। बीते दिनों कांग्रेस को बड़ा झटका लगा था, जब कांग्रेस पूर्वांचल कमेटी के अध्यक्ष शिवाजी सिंह अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ बीजेपी में शामिल हो गए थे।

मध्य प्रदेश में 42 आईएएस अधिकारियों का ट्रांसफर, बदले गए 12 जिलाधिकारी

भोपाल, 28 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में डॉक्टर मोहन यादव सरकार ने बड़ी प्रशासनिक सर्जरी की है, जिसमें 42 आईएएस अधिकारियों को हटाया गया है। इनमें 12 जिले के कलेक्टर भी शामिल है। इस सूची में साल 2014-2015 बेच के अफसर कलेक्टर के रूप में कई महत्वपूर्ण जिलों की जिम्मेदारी दी गई है। मध्य प्रदेश सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने आईएएस अधिकारियों की तबादला सूची जारी की है जिसमें शिवपुरी कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल को गुना कलेक्टर बनाया गया है, जबकि अरुण कुमार विश्वकर्मा को रायसेन कलेक्टर, ऋषव गुप्ता को देवास से खंडवा कलेक्टर, भव्या मित्तल को बुरहानपुर से खरगोन कलेक्टर, हर्ष सिंह को डिंडोरी से बुरहानपुर, कलेक्टर ऋतुराज सिंह को देवास कलेक्टर, अर्पित वर्मा को शिवपुरी कलेक्टर, बाला गुरु के. को सीहोर कलेक्टर, गुंचा सनोबर को बड़वानी कलेक्टर, नेहा मारव्या सिंह को डिंडोरी कलेक्टर, विवेक क्षोत्रीय को कलेक्टर टीकमगढ़, सतीश कुमार एस को कलेक्टर सतना की जिम्मेदारी दी गई है।

बाबा सिद्दीकी की डायरी में मोहित कंबोज का जिक्र, संजय राउत बोले- 'फडणवीस को कंधे पर लेकर नाच रहे थे'

मुंबई, 28 जनवरी (एजेंसियां)। शिवसेना-यूबीटी के सांसद संजय राउत ने महायुति के घटक दलों के बीच गैंगवार चलने का दावा किया है। संजय राउत ने कहा कि 'बीजेपी, अजित पवार और एकनाथ शिंदे की पार्टी में एक खूंखार गैंगवार चल रहा है, जिसमें एक-दूसरे को धमकी, मारने की धमकी सब चल रहा है, वीडियो से धमकी दी जा रही है।' संजय राउत ने कहा, " अगर गृह मंत्री के पास अपना आत्मसम्मान है तो उनको इसपर सोचना चाहिए। बाबा सिद्दीकी मामले पर, मोहित कंबोज वही व्यक्ति हैं जो चुनाव परिणाम के बाद देवेंद्र फडणवीस को कंधे पर लेकर नाच रहे थे।"दरअसल बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में मुंबई पुलिस ने जो चार्जशीट पेश की, उसमें सीधे तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग को वारदात का जिम्मेदार ठहराया गया है। मुंबई पुलिस ने चार्जशीट में कहा है कि सलमान खान के उनके करीबी होने के कारण बाबा सिद्दीकी की हत्या अनमोल बिश्नोई ने कराई। बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी इस चार्जशीट पर पहले ही सवाल उठा चुके हैं। जीशान सिद्दीकी ने बताया कि उनके पिता की एक निजी डायरी थी, जिसमें वह अपने बारे लिखते थे। 12 अक्टूबर 2024 को उन्होंने अपनी डायरी में बीजेपी नेता मोहित कंबोज का जिक्र किया था। 12 अक्तूबर को ही बाबा सिद्दीकी को गोली मारी गई थी। मोहित कंबोज ने वारदात से पहले शाम 5130 से 6100 बजे के बीच व्हाट्सएप कॉल के जरिए बाबा सिद्दीकी से बात की थी। बीजेपी नेता कंबोज बांद्रा ईस्ट में मुंद्रा बिल्डर्स प्रोजेक्ट के संबंध में उनके पिता से मिलना चाहता था। साथ ही शिवसेना-यूबीटी के नेता संजय राउत जस्टिस मदन लोकुर के बयान पर प्रतिक्रिया दी है। साथ ही पूर्व सीजेआई जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ पर भी तंज कसा है। संजय राउत ने कहा, "एक जस्टिस लोकुर है, उन्होंने बयान दिया कि जजों पर राजनीतिक दबाव रहता है तो आप क्या उनसे न्याय की उम्मीद करेंगे।" संजय राउत ने आगे कहा, "हमारे विधायकों का केस चल रहा था तो क्या हम चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ से न्याय की उम्मीद लगा सकते थे?" संजय राउत महायुति को लेकर कोई न कोई नया दावा करते रहते हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने कहा था कि महाराष्ट्र को तीसरा डिप्टी सीएम मिलेगा। यह भी कहा था कि यह एकनाथ शिंदे गुट का नेता होगा। जबसे शिवसेना का विभाजन हुआ है, संजय राउत एकनाथ शिंदे पर हमलावर रहते हैं। उन्होंने हाल में शिंदे पर हमला करते हुए कहा था कि वे लाचार और डरपोक लोग हैं। ये केंद्रीय जांच एजेंसियों के डर से भाग गए थे। पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह इनको भी नहीं छोड़ेंगे। 2022 में शिवसेना के विभाजन के बाद अगले साल 2023 में एनसीपी के भी दो हिस्से हो गए थे और अजित पवार महायुति में शामिल हो गए थे। तब से संजय राउत अजित पवार को भी निशाने पर लेते रहे हैं।

दिल्ली चुनाव के मद्देनजर कानून व्यवस्था की समीक्षा, उम्मीदवारों के खर्चे पर भी होगी निगरानी

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर अधिकारियों ने एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की। इस बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ), डीसीपी, नगर निगम क्षेत्र के डीसी, रिटर्निंग अधिकारी (आरओ), पुलिस पर्यवेक्षक, व्यय पर्यवेक्षक, सामान्य पर्यवेक्षक, पुलिस विभाग, एमसीडी, एनडीएमसी, कैंटोनमेंट बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के अधिकारी शामिल हुए। दिल्ली की मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) आर. एलिस वाज और निर्वाचन आयोग (ईसीओ) के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में रहे। जानकारी के अनुसार, बैठक में कानून व्यवस्था की समीक्षा की गई। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की तैनाती और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा प्रबंधन पर चर्चा हुई। यह सुनिश्चित किया गया कि संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सुरक्षा उपाय किए जाएं। चुनाव अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों को इस बैठक में चुनाव में अनावश्यक खर्च को रोकने और दिशानिर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए व्यय पर्यवेक्षकों ने सुझाव दिए। मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट (एमसीसी) उल्लंघन की स्थिति पर चर्चा की गई। उल्लंघन से जुड़े मामलों के समाधान की दिशा में प्रयास जारी हैं। इस बैठक में सिस्टमेटिक वोटर्स एजुकेशन एंड इलेक्टोरल पार्टिसिपेशन कार्यक्रम की समीक्षा की गई। रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत योजनाओं की सराहना की गई और इन्हें प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया गया। बैठक में 85 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजन (पी डब्ल्यूडी) के लिए घर से मतदान प्रक्रिया को सरल बनाने पर काम हो रहा है। सभी मतदाताओं को 31 जनवरी तक वोटर सूचना पर्चियां (वीआईएस) वितरित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जेल में बैठे प्रणव सिंह चैंपियन की उमेश कुमार को ललकार आज महापंचायत का ऐलान

खानपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड में खानपुर के विधायक उमेश कुमार को कोर्ट से जमानत मिल गई है। भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच उमेश कुमार को रोशनाबाद कोर्ट में पेश किया गया था। सीजेएम अविनाश कुमार श्रीवास्तव ने सुनवाई के बाद जमानत दी है। वहीं, पूर्व विधायक कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन की गिरफ्तारी पर गुर्जर समाज में आक्रोश पैदा हो गया है। रोशनाबाद कोर्ट के बाहर एकत्रित हुए गुर्जर समाज के लोगों ने महापंचायत का ऐलान कर दिया है। चैंपियन की गिरफ्तारी के बाद गुर्जर समाज में गहरी नाराजगी देखी जा रही है।

एसटीएफ ने उत्तर प्रदेश के पांच लोगों को किया गिरफ्तार, हथियार और गोलाबारूद बरामद

कोलकाता, 28 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता से बड़ी खबर सामने आ रही है। कोलकाता के सियालदह इलाके में उत्तर प्रदेश के 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के मुताबिक, ये कार्रवाई कोलकाता पुलिस के विशेष कार्यबल यानी एसटीएफ ने की है। पुलिस ने बताया है कि एसटीएफ ने सियालदह इलाके से उत्तर प्रदेश के जिन 5 लोगों को गिरफ्तार किया है उनके पास से हथियार और गोलाबारूद बरामद किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को इस पूरे मामले के बारे में जानकारी दी है। पुलिस के मुताबिक, एक गुप्त सूचना के आधार पर कोलकाता पुलिस के एसटीएफ ने सोमवार को सियालदह इलाके के मुचिपारा थाना क्षेत्र में सुरेंद्रनाथ महिला कॉलेज के पास से आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

अतिक्रमण मामले में सुनने वाले अफसरों में न्यायिक प्रक्रिया की समझ कम, पांच दिन का प्रशिक्षण दें

शिमला, 28 जनवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट की न्यायाधीश विवेक सिंह ठाकुर और न्यायाधीश विपिन चंद्र नेगी की खंडपीठ ने अतिक्रमण मामले में जनहित याचिका में महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। खंडपीठ ने मुख्य सचिव को निर्देश दिए कि 28 फरवरी से पहले ट्रेनिंग से संबंधित उपयुक्त निर्देश दिए जाएं। 15 मार्च तक हलफनामा दायर करें कि नए अतिक्रमण न हों। जो अधिकारी भूमि अतिक्रमण मामलों की सुनवाई कर रहे हैं उन्हें न्यायिक अकादमी में पांच दिनों का विशेष प्रशिक्षण दिया जाए। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को कानूनी बारीकियों को सिखाया जाए। अदालत ने पाया कि अधिकारियों में न्यायिक प्रक्रिया की समझ न होने की वजह से आम लोग को न्याय नहीं मिल रहा है। अधिकारियों ने कोर्ट के समक्ष तथ्यों को सही तरीके से अवगत नहीं कराया। हाईकोर्ट ने पाया कि बड़ी संख्या में मामलों की सुनवाई के दौरान 163 औ सार्वजनिक परिसर भूमि बेदखली एवं किराया वसूली अधिनियम 1971 (पीपी एक्ट) के अधिनियम की धारा 4 के नियमों की अनदेखी की जा रही है। बेदखली और अतिक्रमण की कार्रवाही और आदेश पारित करते वक्त कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं की जा रही है। आदेश देते वक्त कौशल और विशेषज्ञता का अभाव देखा गया है। इसकी वजह से न केवल न्याय में गड़बड़ी पैदा हो रही है बल्कि सरकारी खजाने, राज्य और न्यायालय के संसाधनों और गरिमा को भी नुकसान पहुंच रहा है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद

सु वि चा र: गुस्से के वक्त थोड़ा रुक जाने से और गलती के वक्त थोड़ा झुक जाने से, जिंदगी और आसान हो जाती है।

कांग्रेस हैदराबाद को विश्वस्तरीय शहर बनाएगी : उत्तम

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने हैदराबाद को विश्वस्तरीय शहर और शीर्ष वैश्विक निवेश गंतव्य बनाने के लिए कांग्रेस सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। मंगलवार को माधापुर में एचआईसीसी में हैदराबाद रियल एस्टेट शिखर सम्मेलन 2025 को संबोधित करते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने शहर के भविष्य के लिए एक दृष्टिकोण की रूपरेखा तैयार की, जिसमें मजबूत बुनियादी ढांचे के विकास, आर्थिक विकास और रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए सक्रिय समर्थन पर ध्यान केंद्रित किया गया। शिखर सम्मेलन में प्रभावशाली उपस्थिति की सराहना करते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा, आज यहां की उपस्थिति स्पष्ट रूप से संकेत देती है कि हैदराबाद का रियल एस्टेट बाजार ठीक हो गया है और एक बड़ी उछाल की ओर बढ़ रहा है। यह हाल ही में मेरे द्वारा भाग लिए गए सबसे अधिक उपस्थित कार्यक्रमों में से एक है, और यह इस क्षेत्र के आत्मविश्वास और क्षमता को दर्शाता है। मंत्री ने हैदराबाद के विकास की नींव रखने के लिए पिछली कांग्रेस सरकार की पहलों को श्रेय दिया। उन्होंने आउटर रिंग रोड, शमशाबाद हवाई अड्डा, मेट्रो रेल और कृष्णा तथा गोदावरी नदियों से पेयजल की आपूर्ति जैसी उपलब्धियों को मील के पत्थर के रूप में उजागर किया, जिन्होंने हैदराबाद को भारत के अग्रणी शहरों में से एक के रूप में उभरने में योगदान दिया। उन्होंने कहा, हैदराबाद लगातार मजबूत हुआ है और मुझे विश्वास है कि इसे जल्द ही निवेश के लिए वैश्विक गंतव्य के रूप में मान्यता मिलेगी। उत्तम कुमार रेड्डी ने हाल ही में दावोस में विश्व आर्थिक मंच शिखर सम्मेलन में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू द्वारा प्राप्त 1.78 लाख करोड़ रुपये के निवेश को हैदराबाद की क्षमता का प्रमाण बताया। उन्होंने रियल एस्टेट क्षेत्र को आश्वासन दिया कि कांग्रेस सरकार व्यापार के अनुकूल माहौल बनाने और चुनौतियों का सक्रियता से समाधान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उत्तम ने दर्शकों को आश्वासन दिया कि सरकार हैदराबाद को वैश्विक मानकों पर लाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध उन्होंने महत्वाकांक्षी मुसी कायाकल्प परियोजना पर प्रकाश डाला, जिसका उद्देश्य नदी को सियोल के समान एक प्रतिष्ठित तटबंध में बदलना है, जिससे यह हैदराबाद के शहरी विकास का केंद्रबिंदु बन सके। इस परियोजना में नदी के पारिस्थितिक संतुलन को बहाल करना, इसके किनारों पर मनोरंजक स्थान बनाना और नदी के किनारे को शहर के व्यापक शहरी ताने-बाने में एकीकृत करना, इसे सांस्कृतिक और आर्थिक गतिविधि दोनों का केंद्र बनाना शामिल है।

संस्कृति फाउंडेशन को मिला राज्यपाल पुरस्कार

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित संस्कृति फाउंडेशन को कॉलेजों में सांस्कृतिक नेतृत्व केंद्रों के लिए राज्यपाल पुरस्कार मिला है, जो कॉलेज स्तर के सांस्कृतिक नेतृत्व केंद्रों के माध्यम से 'अच्छा बनो, अच्छा करो' गतिविधियों को बढ़ावा देता है और सार्वजनिक नीति और संस्कृति संबंधों पर अनुसंधान करता है, एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है। संस्कृती फाउंडेशन, जिसकी स्थापना 2009 में हुई थी, एक पंजीकृत ट्रस्ट है जो भारतीय संस्कृति और परंपराओं को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से पुरस्कार प्राप्त करने वाले संस्कृत फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ.सी. उमामहेश्वर राव ने कहा कि इसका विजन संस्कृति के लिए राष्ट्रीय संसाधन केंद्र बनना है, जबकि इसका मिशन अनुसंधान, शिक्षा और संवाद के माध्यम से भारतीय संस्कृति को संरक्षित और बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

सूर्यापेट में प्रेम विवाह का दुखद अंत

मूसी नहर के किनारे मिला पति का शव

सूर्यापेट, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सूर्यापेट जिले में एक व्यक्ति ने अपने परिवार की मर्जी के खिलाफ जाकर एक लड़की से शादी कर ली थी, जिसकी अज्ञात हमलावरों ने बेरहमी से हत्या कर दी। शव मूसी नहर के किनारे मिला। ममिलगड्डा के निवासी वडलकोंडा कृष्णा ने छह महीने पहले अपनी जाति से बाहर शादी की थी। कृष्णा को एक ग्रामीण ने फोन करके बाहर आने को कहा। वह अपने घर से निकल गया और बाद में पिल्ललामरी के पास मूसी नहर के किनारे मृत पाया गया। कृष्णा की पत्नी और परिवार के सदस्य घटनास्थल पर पहुंचे। उसकी पत्नी उसके शव को देखकर बेसुध हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया। कृष्णा की पत्नी ने पुलिस को शिकायत दी कि उसके पति तल्लागड्डा के महेश नामक व्यक्ति का फोन आने के बाद घर से चले गए थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उन्होंने पूछताछ के लिए मृतक के कुछ रिश्तेदारों को हिरासत में लिया है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I Army No: 15439126W, HAV Munna Kumar Giri Unit- 354 Field Hospital, C/o. 56 APO Mehdipatnam. Want Change my Wife name From SONI BHARTI to KUMARI SONI BHARTI, Service document Vide Affidavit Dated 15/01/2025

LOST OF PASSPORT

I, Suhasini Myneni W/o Sunil Kumar Jasthi R/o:414, Athena B, Lodha Casa Paradiso, Sanath Nagar, Lost my Original Passport No. G0773962, while shifting from Home on 07/10/24. Anyone find 9885795250

क्लिनिकल

हमारे क्लिनिकल जैव उपलब्धता/जैव-समतुल्यता अध्ययन में भाग लेने के लिए 18 से 45 वर्ष के बीच के स्वस्थ साक्षर पुरुष/महिला स्वयंसेवकों की तलाश करना।

निःशुल्क चिकित्सा परीक्षण और नैतिकता समिति ने आपके समय, प्रयास और कठिनाई को कम करने के लिए मुआवजे को मंजूरी दी। यह एक स्वैच्छिक सेवा है, कोई नौकरी नहीं

हेल्प डेस्क से संपर्क करें:

एक्सिस क्लिनिकल्स लिमिटेड, 1-121/1, सर्वेक्षण. संख्या. 66 (भाग) और 67 (भाग), मियापुर, सेरिलिंगमपल्ली, हैदराबाद-500049, तेलंगाना, भारत।

फोन नंबर .:9642990036, 9290639110, 040-40408194.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

निवेदक : कार्य समिति
ॐ शिव मंदिर गौशाला, पालमाकुल, शमशाबाद — OM SHIV MANDIR GOSHALA, MAHAVEER CO.OP URBAN BANK LTD. Shamshergunj Branch, C/A No. 003103000000072, IFSC CODE: HDFCOCMCUBL
शिव मंदिर गौशाला, शमशेरगंज, हैदराबाद — SHIV MANDIR GOSHALA, AP MAHESH BANK CO.OP URBAN BANK LTD. Begum Bazar Branch, C/A No. 002001200018617, IFSC CODE: APMC00002
गौमाता को हरी घास की सेवा कर पुण्य के भागी बनें
आज बुधवार, 29 जनवरी 2025 को मौनी अमावस्या है।
जो पुरुष गौओं की सेवा करता है और सब प्रकार से उनका अनुगमन करता है, उस पर संतुष्ट होकर गौएँ उसे अत्यंत दुर्लभ वर प्रदान करती है। गौओंके साथ मन से भी कभी द्वेष न करें, उन्हें सदा सुख पहुँचाये, उनका यथोचित सत्कार करें और नमस्कार आदि के द्वारा उनका पूजन करते रहे। जो मनुष्य जितेन्द्रिय और प्रसन्नचित होकर नित्य गौओंकी सेवा करता है, वह समृद्धि का भागी होता है।
Digital Donation are accepted on G Pay Google Pay/ PhonePe Phone Pay 9959271866
FOR MORE DETAILS CONTACTS 9849710223, 9848097776, 9247888983, 7989734546
गाय का दूध गौशाला में उपलब्ध है। Home Delivery Available | गाय के गोबर से निर्मित उपली गौशाला में उपलब्ध है।
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

जय श्री राम : श्री गणेशाय नमः : (स्थापना: दि. 13.01.2010) जय श्री राम
आज बुधवार दिनांक 29-01-2025
मौनी दर्श अमावस्या
यादेवी श्री आईजी गौशाला
शुभस्थल : एन एच 44, मेडचल रोड, कल्लाकल।
गौशाला प्रांगण में भोजन प्रसादी एवं भजनों का कार्यक्रम रहेगा
गौशाला प्रांगण में पधार कर दान पुण्य कर दर्शन, पूजा, सेवा का लाभ लेवे।
सम्पर्क : नारायणलाल :8712311785, सिरवि वी ताराराम पंवार :9246368842
Gpay / phone pay : 9246368842
CHOUDHARY BROTHERS
HNo : 1-307, NH 44, OPP BUS DEPOT, MEDCHAL
SOHANLAL : 9032160794
BEAUTIFUL HOMES

श्री धर्मसाई गौशाला
धर्मगिरी, शमशाबाद, आरआर डिस्ट्रीक तेलंगाना-501218
सस्नेह निमंत्रण
माघ अमावस्या
आज बुधवार, 29 जनवरी 2025 को मौनी अमावस्या है।
गौ माता पूजन : सभी से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधार कर गौ सेवा, दान पुण्य के भागीदार बने
C/o Sree Dharmasai Temple, Dharmagiri, Shashabad
SRI DHARMASAI GOW RAKSHA TRUST
A/c no-922020006836112
AXIS BANK, Shamshabad branch
IFSC code-UTIB0000867
Paytm,GOOGLE PAY, Phone pe:-
9440828585
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा

जय गौमाता की श्री महावीराय नमः
चलिए प्रशांत वातावरण में पल रहे 260 गौवंश को रोटी और हराचारा खिलाकर इस पुनीत कार्य में सहभागी बनें।
Sri Jain Goshala
अहिंसा परमोधर्म, जीव दया उत्तम कार्य
आज बुधवार, 29-1-2025 को मौनी अमावस्या है। "गौ सेवा" कर पुण्य के भागी बनें
प्रति अमावस्या को प्रसादी की व्यवस्था रहेगी
निवेदक : श्री जैन गौशाला
6-150, यादगिरीपल्ली रोड, किसरा विलेज, मेड्चल जिला (तेलंगाना)
सहयोग एवं जानकारी हेतु सम्पर्क करें : अनिल गांधी, दीपक प्रजापत : 9010128515, 9030660045
BANK DETAILS — BANK : Agrasen Co - operative Urban Bank Limited. Name : Dileep Kumar Gandhi Jain Goshala Trust
BRANCH : Ranigunj, Secunderabad A/c. No .: 004400300000009 IFSC : YESB0ACUB04
ऑनलाईन गौ ग्रास सेवा के लिए गुगल पे/फोन पे करें : 9010128515 G Pay PhonePe
शुभकामनाओं सहित : नवकार ज्वेलर्स, जनरल बाजार, सिकन्दराबाद

विश्व मंगल गौशाला
सोमारम ग्राम, मेड्चल, हैदराबाद (तेलंगाना)
सस्नेह निमंत्रण
आज बुधवार 29 जनवरी 2025 प्रातः 11 बजे से
मौनी दर्श अमावस्या
शुभ स्थल : विश्व मंगल गौशाला, सोमारम ग्राम, मेड्चल, हैदराबाद
गौ-माता पूजन * भजन * भोजन प्रसादी
सभी से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर गौसेवा, दान, पुण्य के भागीदार बनें। सभी धर्मप्रेमियों, गौ-भक्तों से विनती है कि वे दान-पुण्य का कार्य गूगल-पे/फोन-पे द्वारा भी कर सकते हैं। समय निकालकर सपरिवार अवश्य पधारें।
दूरभाष : 6305431734, 9346917593
Bank Details : GOU GRAM VIKAS SEVA SAMITHI
A/c No. 50200063938688 | IFSC : HDFC0009429
HDFC Bank, Kanajiguda Branch

आज बुधवार 29 जनवरी 2025 मौनी अमावस्या है
चलिये सत्यम शिवम् सुन्दरम् गौनिवास, गगनपहाड
अपने कर कमलों से गौ अभिषेक कर हजारों गौवंश एवं कबूतरों को चारा-दाना अर्पण कर पुण्य अर्जित कीजिये।
(गौनिवास में अभिषेक करने के लिये पूर्ण व्यवस्था है, कृपया अवश्य लाभ लेवें)
सत्यम् शिवम् सुंदरम् गौ निवास
SATYAM SHIVAM SUNDARAM GAUNIVAS
Bankers : BANK OF BARODA, Nallakunta Branch, Hyd.
A/c. : 75450200001071 IFSC CODE : BARB0VJNAKU
To Avail 80G Kindly Donate - AKSHYA PASHU PAKSHI TRUST
Canara Bank - Basheerbagh Branch, Hyd. A/c : 0878132000033
IFSC CODE : CNRB0000878

आज बुधवार, 29 जनवरी 2025 को मौनी अमावस्या के अवसर पर गौशाला अवश्य पधारें
नारायणी गो सेवा सदन
रोड नं. 17, शालीवाहन नगर, मूसारामबाग, हैदराबाद
सम्पर्क सूत्र : 9581348889, 9246522435, 9490929321
आज पितृ मोक्ष अमावस्याहै अपने पितरों के मोक्ष के लिए गौशाला अवश्य पधारें।
गो ग्रास का अनुदान कर पुण्य के भागीदार बनें। अनुदान भेजने हेतु गौशाला एकाउंट विवरण Bank account detail:
NARAYANI GOW SEVA SADAN,
A/C No. 50200065063209,
for RTGS/ NEFT IFSC CODE HDFC 0001996,
TYPE OF ACCOUNT: CURRENT ACCOUNT, HYDERGUDA BRANCH, HYD. Gpay and Phonepe No. 9581348889
JAI GOMATA Address: Narayani gow seva sadan, street No 17, shalivahana nagar, dilsukh nagar Hyd.
गौ माता के दर्शन एवं प्रसाद ग्रहण कर पुण्य के भागीदार बनें।
सभी गौभक्त सपरिवार पधारकर, दान-पुण्यकर गौसेवा का लाभ लेवें।
निवेदक : नारायणी गो सेवा सदन
शालीवाहन नगर, मूसारामबाग, मलकपेट, हैदराबाद
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

।। जय गौ माता।। जय जय रघुवीर समर्थ ।। श्री श्री सद्गुरु ।।
श्री समर्थ कामधेनु गौशाला
श्री सद्गुरु समर्थ नारायण आश्रम, शिवबाग, जियागुडा, हैदराबाद. फोन : 9296358630, 7013711317
आज बुधवार, 29 जनवरी 2025 को मौनी अमावस्या है।
"गौ माता की सेवा से आयु, स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। पापों का नाश होता है।" गौ-ग्रास सेवा से सुख-शांति, मंगलमय जीवन, सर्व दोष निवारण का लाभ उठाएँ। गौशाला में गौ दान की सुविधा उपलब्ध है।
Online गौ सेवा के लिये (For Income Tax Exemptions u/s 80g)
SHREE KALPAVRUKSHA KAMDHENU WELFARE TRUST
SBI Bank King koti Branch A/c No. 10015542319 IFSC: SBIN0007054
SHRI SADGURU SAMRATH NARAYAN ASHRAM
SBI PPB, Red Hills A/c No. 20100020864 IFSC: SBIN0002790
PAYTM - 9296358630/GOOGLE PAY/PHONE PAY/7013711317
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

गावो विश्वस्य मातर ।। जय श्री कृष्ण ।। जय गो माता
श्री गोपाल गौशाला
संत विनोबानगर, रामदास पल्ली के पास, सागर रोड, इब्राहिमपटनम
आज बुधवार, 29 जनवरी 2025 को मौनी अमावस्या है।
अमावस्या के उपलक्ष्य में सभी गौ प्रेमियों से विनम्र अनुरोध है कि गौसेवा कर पुण्य के भागी बने और हमें सहयोग राशी इन बैंक खातें में जमा करा सकते है।
प्रसाद की व्यवस्था रहेगी।
विशेष सेवा : गौभक्त अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, अपने पूज्य एवं प्रियजनों की याद में गौशाला में संपूर्ण एक दिन की सेवा हेतु 21,000/- देकर पुण्य एवं शांति का लाभ लेवें।
SRI GOPAL GOSHALA TRUST MAHESH BANK, VANASTHLIPURAM BRANCH, S/A NO. 025001100001224 IFSC CODE : APMC0000025
निवेदक : श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट (रजि.)

बहराइच में 5 एसडीएम और 3 तहसीलदार बदले

बहराइच, 28 जनवरी (एजेंसियां)। बहराइच की जिलाधिकारी मोनिका रानी ने जिले में एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। इस फेरबदल में पांच उप जिलाधिकारी (एसडीएम), तीन तहसीलदार और आठ नायब तहसीलदारों के कार्यक्षेत्रों में परिवर्तन किया गया है। प्रमुख बदलावों में एसडीएम सदर बहराइच राकेश कुमार मौर्या को एसडीएम (न्यायिक) महसी, एसडीएम नानपारा अश्वनी कुमार पाण्डेय को एसडीएम मिहींपुरवा और एसडीएम मिहींपुरवा संजय कुमार को एसडीएम (न्यायिक) नानपारा बनाया गया है। श्रीमती पूजा चौधरी को एसडीएम बहराइच के साथ-साथ एसडीएम (न्यायिक) बहराइच का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। प्रशिक्षु अधिकारी अंजनी यादव को एसडीएम नानपारा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। तहसीलदारों में अम्बिका प्रसाद चौधरी को मिहींपुरवा से नानपारा, धर्मेन्द्र कुमार को पयागपुर से मिहींपुरवा और अजय कुमार यादव को नानपारा से पयागपुर स्थानांतरित किया गया है। नायब तहसीलदारों में भी व्यापक फेरबदल किया गया है, जिसमें ब्रम्हादीन यादव, अक्षय पाण्डेय, राजदीप यादव, सुरेन्द्र वर्मा, हर्षित पाण्डेय, बृजेश कुमार, पी.पी. गिरी और सचिन श्रीवास्तव को नए कार्यक्षेत्र आवंटित किए गए हैं।

खा जाता है लोहा, मिट्टी और बाल इस युवक को कैसी दुर्लभ बीमारी? डॉक्टर भी हैरान

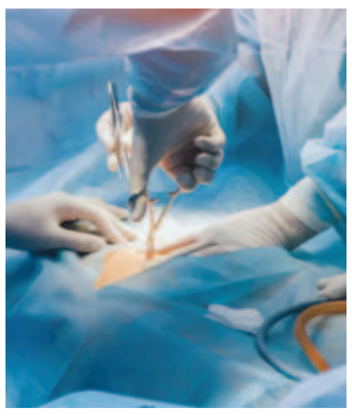

अम्बेडकर नगर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अम्बेडकर नगर जिला अस्पताल से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां इलाज के लिए अस्पताल आए मरीज के पेट से लोहे का सामान निकला। डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर सामान निकाला। सामान देखकर लोगों के होश उड़ गए। मरीज के परिजन उसे पेट दर्द की शिकायत पर अस्पताल लेकर पहुंचे थे, जहां मरीज की बीमारी का पता चला। डॉक्टरों ने मरीज के पेट का सीटी स्कैन कराया, जिसकी रिपोर्ट देखकर सब हैरान रह गए। मरीज के पेट में लोहे का रिंच और बोल्ट था। रिपोर्ट देखकर मरीज के परिजनों में हड़कंप मच गया। वह जिला अस्पताल के डॉ विपिन वर्मा के पास गए और उन्हें रिपोर्ट दिखाई। फिर मरीज का ऑपरेशन किया गया और लोहे के सामान को बाहर निकाला गया।

पेड़ से बांधा, डंडे से पीटा कौशांबी में दलित लड़के को दी तालिबानी सजा; वजह क्या?

कौशांबी, 28 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के कौशांबी जिले में एक हैरतअंगेज मामला सामने आया है. जिले में चोरी का आरोप लगाकर अनुसूचित समुदाय के एक किशोर को पेड़ से बांधकर प्रताड़ित किया गया. घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है मामला करारी थाना क्षेत्र के गुवारा तैयबपुर गांव का है. गांव के निवासी फूल चंद्र ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी. फूल चंद्र के अनुसार, उनका बेटा अंकित कुमार 9 जनवरी 10 बजे अपने साथियों के साथ पड़ोसी गांव खरगू का पूरा में खेलने गया था. इस दौरान गांव के नन्हू यादव ने अंकित पर पाइप तोड़ने का आरोप लगाकर उसे पकड़ लिया और पेड़ से बांध कर प्रताड़ित किया. फूल चंद्र का बताया कि उनका बेटा अंकित जब बहुत देर तक घर नहीं लौटा तो उन्होंने पता किया तब उन्हें मामले के बारे में पता चला. घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसके बाद पुलिस सक्रिय हुई. पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया और मामले की जांच शुरू कर दी है. क्षेत्राधिकारी मंझनपुर शिवांक सिंह ने बताया कि तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया

इलाहाबाद हाईकोर्ट में अवकाश घोषित

मौनी अमावस्या पर भारी भीड़ के चलते फैसला

प्रयागराज, 28 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ में भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। योगी सरकार ने मौनी अमावस्या पर दस करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद जताई है जिसे देखते हुए केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण कैट की प्रयागराज पीठ में भी अवकाश घोषित किया गया है वहीं इलाहाबाद हाईकोर्ट की प्रधान पीठ प्रयागराज में 30 जनवरी को अवकाश घोषित किया गया है। महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर आ रही भारी भीड़ के चलते ये फैसला लिया गया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की प्रधान पीठ प्रयागराज में 30 जनवरी को बंद रहेगा। इसके बदले में शनिवार 17 मई व शनिवार 23 अगस्त को हाईकोर्ट खुला रहेगा। महा निबंधक राजीव भारती ने जारी की इस आशय की अधिसूचना जारी कर दी है।

भीड़ को देखते हुए हाईकोर्ट में छुट्टी

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने चीफ जस्टिस से छुट्टी करने की मांग की थी। प्रयागराज महाकुंभ की अपार भीड़ व यातायात प्रतिबंधित होने के चलते ये मांग की गई थी। हालांकि सोमवार को हाई कोर्ट खुला था लेकिन आवागमन में परेशानी की वजह से नो एडवर्स ऑर्डर का प्रस्ताव भी रहा। मौनी अमावस्या की भीड़ को देखते हुए, केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण कैट की प्रयागराज पीठ में भी अवकाश घोषित किया गया है। कैट बार एसोसिएशन के महासचिव जितेंद्र नायक ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि प्रधान पीठ की डिप्टी रजिस्ट्रार कंचन शर्मा ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। जिसके तहत 30 जनवरी तक पीठ में अवकाश रहेगा। इन छुट्टियों के बदले 5 अप्रैल, 26 अप्रैल और तीन मई कार्य दिवस रहेगा। यूपी सरकार ने मौनी अमावस्या पर दस करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद जताई है, जिसे देखते हुए मेला प्रशासन और प्रदेश सरकार की ओर से युद्ध स्तर पर तैयारियां की जा रही है। कई रास्तों को बंद किया गया है तो वहीं पूरे मेला क्षेत्र को नो व्हीकल जोन भी घोषित किया गया है। इस दौरान वाहनों के पास को भी निष्प्रभावी किया गया है। भीड़ को देखते हुए नगर क्षेत्र में 12वीं तक के सभी स्कूल भी 30 जनवरी तक बंद कर दिए गए हैं।

ट्रैक्टर और बोलेरो के बीच टक्कर चार लोगों की मौत

रायबरेली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। ट्रैक्टर और बोलेरो के बीच भीषण टक्कर हो गई। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। जबकि दो घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। लखनऊ-प्रयागराज हाईवे पर भीषण सड़क हादसा हुआ है। यहां मौनी अमावस्या स्नान के लिए जा रहे एक परिवार की महिला समेत चार सदस्यों की मौत हो गई। वहीं दो अन्य घायल हो गए हैं जिनका इलाज चल रहा है। मामला भदोखर थाना इलाके में लखनऊ प्रयागराज मार्ग पर मुंशीगंज बाईपास के पास का है।

प्रयागराज महाकुंभ जा रही श्रद्धालुओं से भरी बस क्रेन से टकराई, मची चीख- पुकार 22 घायल 8 रेफर

कौशाम्बी, 28 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में हिमाचल प्रदेश से प्रयागराज महाकुंभ जा रही श्रद्धालुओं की बस क्रेन से टकरा गई। यह हादसा देर शाम हुआ। यात्रियों ने बताया कि भजन कीर्तन चल रहा था की तेज धमाका हुआ उसके बाद पीछे के यात्री आगे आकर गिरे। और चीख- पुकार मच गई। राहगीरों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने तत्काल पहुंचकर राहत बचाव कार्य शुरू किया। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां पर आठ की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है।

यूपी में आज से बारिश की चेतावनी, घना कोहरा रहेगा

सीतापुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से साफ और तेज धूप का आनंद ले रहे लोगों को अब एक बार फिर से ठंड और घने कोहरे का सामना करना पड़ सकता है। मौसम विभाग ने प्रदेश में अगले कुछ दिनों के लिए कोहरे और बारिश को लेकर चेतावनी जारी की है। 29 जनवरी से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मौसम में बदलाव की संभावना है, जब एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा और जिससे कुछ जिलों में बूंदाबांदी हो सकती है। वहीं, उत्तर प्रदेश के पूर्वी और अवध क्षेत्र में इसका असर कम रहेगा।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, 29 जनवरी से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम में बदलाव आने की संभावना है। इससे पश्चिमी यूपी के कुछ जिलों में हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है, जबकि पूर्वी यूपी और अवध क्षेत्र में इसका कोई खास असर देखने को नहीं मिलेगा। इस दौरान कई इलाकों में घना कोहरा और धुंध भी देखने को मिलेगा, जिससे यातायात में परेशानी हो सकती है।

मौसम में बदलाव की चेतावनी

कई इलाकों में पिछले कुछ दिनों से तेज धूप और ठंड से राहत मिल रही थी, लेकिन अब कोहरे और धुंध की स्थिति से लोगों को परेशानी हो सकती है। खासकर पूर्वी और तराई के इलाकों में लगातार घना कोहरा पड़ रहा है, जो लोगों के लिए एक चुनौती बन सकता है। इस दौरान रात में ठंड बढ़ सकती है, जबकि दिन में धूप से थोड़ी राहत मिल सकती है।

मिल्कीपुर में बढ़ेगी सियासी तपिश

पहले डिंपल व इकरा हसन करेंगे रोड शो, फिर अखिलेश की बड़ी जनसभा

अयोध्या, 28 जनवरी (एजेंसियां)। मिल्कीपुर उपचुनाव की तपिश बढ़ाने के लिए सांसद डिंपल यादव का रोड शो 30 जनवरी को है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव भी तीन फरवरी को आएंगे। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का कार्यक्रम प्रचार के अंतिम दिन लगा है। चुनाव प्रचार तीन फरवरी को ठप हो जाएगा। सपा ने इसीलिए तीन फरवरी को चुना है, जिससे वह अब तक की सबसे बड़ी जनसभा पांच नंबर ट्यूबवेल-इनायतनगर के पास करा सके। पार्टी यह भी जानती है कि प्रशासनिक अवरोधों के बीच उसे यह भीड़ जुटाने की चुनौती है। मतदान पांच फरवरी व मतगणना आठ फरवरी को राजकीय इंटर कॉलेज में है। समाजवादी पार्टी के लिए यह दोनों कार्यक्रम बहुत ही महत्वपूर्ण है।

अखिलेश की जनसभा की तैयारी में जुटी पार्टी

जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव के अनुसार, पार्टी रोड-शो व अखिलेश यादव की चुनावी जनसभा सफल बनाने की तैयारी में लग गई है। पार्टी के सामने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की हरिंग्टनगंज के पलिया की जनसभा व 31 जनवरी को मिल्कीपुर के रामगंज में प्रस्तावित सभा से ज्यादा भीड़ जुटानी है।

डिंपल के साथ इकरा हसन भी रहेंगी साथ

सांसद डिपंल यादव का रोड शो कुमारगंज महर्षि वामदेव आश्रम से कुमारगंज से खंडासा रोड के संत भीखादास के आश्रम तक है। साथ में सांसद इकरा हसन, सांसद प्रिया सरोज व विधायक रागिनी सोनकर भी शामिल होंगी। पार्टी में डिंपल के साथ इकरा हसन का कार्यक्रम लगभग तय माना जा रहा है। सांसद प्रिया सरोज व विधायक रागिनी सोनकर को लेकर असमंजस है। पार्टी में 30 जनवरी से विधासभा सत्र शुरू होने की चर्चा तो रोड शो से दो दिन पहले 29 जनवरी को प्रिया का मिल्कीपुर उपचुनाव क्षेत्र में पहले से ही कार्यक्रम लगा है। मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव में 10 उम्मीदवार चुनाव मैदान में है। मुख्य मुकाबला सपा के उम्मीदवार अजीत प्रसाद व भाजपा के प्रत्याशी चंद्रभानु पासवान के बीच है।

उत्तर भारत का पहला जू बना कानपुर, गुजरात से कंगारुओं का लाया गया जोड़ा

कानपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। आपने कंगारुओं के बारे में बहुत सुना होगा और टीवी में देखा भी होगा। अगर आप रियल लाइफ में कंगारू देखना चाहते हैं और कानपुर में रहते हैं, तो अब ये मुमकिन है। आप कानपुर जू आकर कंगारू प्रजाति के छोटे कंगारू (वालाबी) देख सकते हैं। कानपुर जू में दो जोड़ों को लाया गया है। जू में कंगारुओं के आने से लोगों में काफी उत्साह है। इन कंगारू को गुजरात के जामनगर से कानपुर जू लाया गया है।

कंगारू एक दिलचस्प प्राणी है। खासकर मार्सुपियम यानी अपनी थैली की वजह से इस जानवर को देखना काफी दिलचस्प होता है। ज्यादातर कंगारू ऑस्ट्रेलिया में पाए जाते हैं और यह वहीं की प्रजाति भी है, लेकिन अगर अब आपको कंगारुओं को टीवी से बाहर आमने-सामने देखना है, तो आप कानपुर जू आकर देख सकते हैं। कानपुर जू के रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर नावेद इकराम ने बताया कि इन कंगारुओं को बाटर डील के चलते जामनगर से लाया गया है।

कानपुर उत्तर भारत का पहला जू

रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर नावेद इकराम ने बताया कि कानपुर उत्तर भारत का पहला जू है, जहां पर कंगारू की प्रजाति अब मौजूद है। यहां पर कंगारुओं के दो जोड़ों को लाया गया, जिसमें से एक जोड़ा सफेद है और दूसरा जोड़ा ग्रे रंग का है। आरएफओ ने बताया कि इनके लिए जामनगर की तरह मौसम अनुकूल बनाकर रखा जाएगा। यह कंगारू शाकाहारी होते हैं और पेड़ों की पत्ती इनका मुख्य आहार होता है।

डाकघर घोटाले में चार लोगों को पांच साल की सजा, फर्जीवाड़े को दिया था अंजाम

गाजियाबाद, 28 जनवरी (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर में वर्ष 1996-97 में चोरी हुए नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट और किसान विकास पत्र को फर्जीवाड़ा कर भुनाने के मामले में कोर्ट ने चार लोगों को पांच-पांच साल कैद की सजा सुनाई है। आरोपितों में तीन डाककर्मी भी शामिल हैं। वर्ष 1996-97 में इंडियन सिक्योरिटी प्रेस नासिक से देश के विभिन्न शहरों के लिए भेजे गए किसान विकास पत्र और नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट चोरी कर लिए गए थे। इस संबंध में सभी पोस्ट ऑफिसों को सूचित कर दिया गया। खतौली पोस्ट ऑफिस में सब पोस्ट मास्टर के पद पर तैनात श्यामदास और वेदप्रकाश, पोस्टल असिस्टेंट सुभाषचंद त्यागी और टीका सिंह, सब पोस्टमास्टर जनसठ कृष्ण कुमार, पोस्टल असिस्टेंट धर्मपाल ने अंबाला कैंट और बरेली कैंट पोस्ट ऑफिसों से खरीदा जाना दिखाकर फर्जी लोगों के नाम दिखाकर रुपये निकाल लिए। सवा-सवा लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया डाककर्मियों ने बाहरी लोगों के साथ मिलकर पूरे फर्जीवाड़े को अंजाम दिया। सीबीआइ ने शिकायत के आधार पर वर्ष 2000 में देहरादून में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की और 25 लाख 82 हजार 850 रुपये फर्जीवाड़ा कर निकाला जाना पाया। जांच के बाद आरोपितों पर वर्ष 2003 में चार्जशीट दाखिल की गई। वर्ष 2005 से केस का ट्रायल चल रहा था। इस मामले में विशेष सीबीआइ कोर्ट-तीन न्यायाधीश अंजनी कुमार ने डाककर्मी श्यामदास, टीका सिंह, धर्मपाल और बाहरी व्यक्ति विनोद कुमार को पांच-पांच साल कैद की सजा सुनाई है।

'ये गांधी और अंबेडकर के विचारों पर हमला कर रहे हैं'

यूसीसी पर बोले सांसद पप्पू यादव

पूर्णिया, 28 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने पर बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि उन्हें (बीजेपी) किसान, रोजगार, पर्यटक, स्वास्थ्य का अधिकार, शिक्षा का अधिकार याद नहीं है। हमेशा एक नए विवादों के बीच नया प्रयास करते हैं। ये गांधी और अंबेडकर के विचारों पर हमला कर रहे हैं। बीजेपी संविधान को मानती ही नहीं है मजबूत लोकतंत्र के लिए बीजेपी नहीं जानी जाती है।

'हमेशा विवाद वाले बिंदु को चुनते हैं'

पप्पू यादव ने आगे कहा कि जैसे अरविंद केजरीवाल पंजाब और दिल्ली के लिए खतरा बन चुके हैं। वैसे बीजेपी 44 भाषाओं, संविधान और वसुधैव कुटुंबकम के लिए खतरा बन गई है। इनका (बीजेपी) कोई भी निर्णय देश के विकास और विचारों के आधार पर नहीं होता। इनके फैसले सत्ता और कुर्सी के आधार पर होते हैं। जब-जब कोई चुनाव आता है तो ये हमेशा विवाद वाले बिंदु को चुनते हैं।

'बीजेपी से लोग ऊब चुके हैं'

पूर्णिया सांसद ने आगे कहा कि लोग अब इनसे (बीजेपी) ऊब चुके हैं। वे जान चुके हैं कि इनसे कोई उम्मीद नहीं है। उनसे युवाओं, महिलाओं, किसानों, विकास, मजदूरों, संविधान, जातीय जनगणना, आरक्षण के बारे में बात न करें। वे उतनी ही बात करेंगे जितने में उनकी सत्ता बनी रही, नफरत चलती रहे और सियासत के लिए कोई भी पाप करेंगे।

आरजेडी सांसद की भी आई प्रतिक्रिया

यूसीसी पर आरजेडी सांसद मनोज झा की भी प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि यूसीसी पर लोग बड़ी-बड़ी बात कर रहे हैं, मैं कहूंगा कि संविधान सभा की बैठक पर जाएं। विभाजन के बाद जो हालात थे उसमें भरोसे का सूचकांक न्यूनतम स्तर पर था। एक बार विमर्श करके देखें कि क्या आज भरोसे का सूचकांक बढ़ा हैं? मैं नहीं मानता हूं। विविधता भरे इसे देश में प्राथमिकता असमानता खत्म करने की होनी चाहिए ना कि एकरूपता को एक 'डॉग व्हिसल पॉलिटिक्स' की तरह इस्तेमाल किया जाए।

महाकुंभ जा रही ट्रेन में खचाखच भीड़, गुस्साए यात्रियों ने पत्थर मारकर तोड़े शीशे; जमकर मचाया उत्पात

छतरपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज महाकुंभ के लिए जाने वाली ट्रेनों में इस समय काफी ज्यादा भीड़ देखी जा रही है। वहीं महाकुंभ जाने के लिए रेलवे स्टेशनों पर भी लोगों की भीड़ देखी जा रही है। इस बीच छतरपुर रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ जाने वाले यात्रियों ने हंगामा किया है। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। महाकुंभ के लिए जाने वाले यात्रियों ने ट्रेन पर पथराव भी किया है और ट्रेन के शीशे भी तोड़ने की कोशिश की है। अंबेडकर नगर से चलने वाली ट्रेन के सभी दरवाजे और खिड़कियां बंद होने से प्लेटफार्म पर खड़े यात्रियों में नाराजगी देखी गई, जिसके बाद उन्होंने पथराव किया।

इस दौरान छतरपुर स्टेशन पर करीब एक घंटे तक ट्रेन खड़ी रही। इसके बाद जीआरएफ स्टाफ ने ट्रेन के गेट खुलवाए। बताया जा रहा है कि भारी भीड़ के कारण पहले से अंदर बैठे सवारियों ने ट्रेन के दरवाजे बंद कर दिए थे। पूरा मामला छतरपुर रेलवे स्टेशन पर रात करीब 12 बजे का बताया जा रहा है। ये ट्रेन महू से चलकर प्रयागराज होते हुए अम्बेडकर नगर तक जाती है। स्टेशन पर भारी भीड़ के कारण एसी कोच के यात्रियों ने अपने कोच के गेट अंदर से लॉक कर लिए थे। इससे आक्रोशित भीड़ ने गेट खुलवाने के लिए दरवाजों के कांच तोड़ दिए।

15 करोड़ से अधिक लोग कर चुके हैं स्नान

वहीं भारी हंगामे को देखते हुए जीआरपी ने अंदर बैठे यात्रियों को काफी देर तक समझाया। इसके बाद किसी तरह से ट्रेन के दरवाजे खुलवाए। इस दौरान कुंभ जाने वालों में बहुत से यात्रियों के पास टिकट भी नहीं था। बता दें कि महाकुंभ में इस समय देशभर से श्रद्धालु स्नान के लिए पहुंच रहे हैं। यहां महाकुंभ में डुबकी लगाने वालों का आंकड़ा 15 करोड़ के पार हो गया है। पिछले 17 दिनों में महाकुंभ में 15 करोड़ से ज्यादा लोग स्नान कर चुके हैं। वहीं आगामी मौनी अमावस्या पर 8 से 10 करोड़ लोगों के महाकुंभ में आने की संभावना जताई जा रही है।

नीट पेपर लीक कांड के मास्टरमांइड संजीव मुखिया की बढ़ेंगी मुश्किलें, अरेस्ट वारंट जारी

पटना, 28 जनवरी (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक मामले में बड़ी अपडेट सामने आई है। नीट पेपर लीक के मास्टरमांइड संजीव मुखिया की मुश्किलें अब बढ़ने वाली है। आर्थिक अपराध ईकाई (ईओयू) को संजीव मुखिया के खिलाफ वारंट जारी कर दिया है। पटना सिविल कोर्ट की तरफ से ये वारंट जारी किया है। संजीव मुखिया पर सिपाही बहाली, बीपीएससी शिक्षक बहाली, नीट परीक्षा समेत अन्य कई पेपर लीक करने का आरोप है। एक महीने के अंदर अगर संजीव मुखिया की गिरफ्तारी नहीं हुई या वो कोर्ट में हाजिर नहीं हुआ तो इश्तेहार तामिला करते हुए उसके घर की कुर्की जब्ती का कोर्ट ने आदेश दिया है। बता दें कि ईओयू को कुछ दिन पहले तक संजीव मुखिया के नेपाल में छिपे होने की सूचना मिली थी। लेकिन अब अब उसके किसी दूसरे स्थान पर छिपे होने की सूचना मिल रही है। ईओयू ने अपने स्तर से फिलहाल उसकी गिरफ्तारी की कोशिशें तेज कर दी है।

प्रयागराज की फ्लाइट्स के बढ़े किराए के बीच सरकार ने उठाए ये कदम, राजा भैया ने की ये अपील

प्रयागराज, 28 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज में आयोजित हो रहे महाकुंभ में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। जिसमें देश-विदेश से श्रद्धालु संगम में डुबकी लगाने आ रहे हैं। प्रयागराज तक आने के लिए विमानन कंपनियों के किराए आसमान छूने लगे हैं। अमृत स्नान के अवसर पर एक तरफ के टिकट की कीमतें 50 हजार रुपये तक पहुंच गईं हैं। इस बीच प्रतापगढ़ की कुंडा सीट से विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने सवाल उठाए और कहा कि सरकार को हवाई किराये पर स्थाई नियंत्रण रखना चाहिए। राजा भैया ने जहां महाकुंभ के लिए प्रयागराज आने वाले विमानों की संख्या बढ़ाने पर

खुशी जताई तो वहीं हवाई कंपनियों द्वारा ज्यादा किराये लिए जाने को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि 'प्रयागराज में महाकुम्भ में श्रद्धालुओं के लिये विमानन सेवाओं में वृद्धि का समाचार सुखद रहा किन्तु इतना महँगा किराया देखकर लग रहा है कि कम्पनियों का लक्ष्य अवसर का लाभ उठाते हुये अपनी जेबें भरना है, यात्रियों की सुविधा नहीं। कुंडा विधायक ने डीजीसीए इंडिया और भारत सरकार को टैग करते हुए सरकार से अपील की कि कृपया इस ओर ध्यान दें, समाधान करें, सामान्यतः भी हवाई किराये पर स्थाई नियंत्रण रहना चाहिये। उधर, नागर विमानन मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि प्रयागराज की उड़ानों के किराये को युक्तिसंगत बनाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि महाकुंभ के मद्देनजर बढ़ी हुई यातायात मांग को पूरा करने के लिए उड़ानों की संख्या बढ़ा दी गई है। प्रयागराज में 26 फरवरी तक महाकुंभ चलेगा। प्रयागराज के लिए हवाई किराये में बढ़ोतरी को लेकर चिंताओं के बीच, विमानन नियामक डीजीसीए के अधिकारियों ने पिछले हफ्ते एयरलाइन प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस दौरान उनसे उड़ानें बढ़ाने और टिकट की कीमतों को युक्तिसंगत बनाने का आग्रह किया गया। इस समय विभिन्न भारतीय शहरों से प्रयागराज के लिए लगभग 80,000 मासिक सीटों के साथ 132 उड़ानें संचालित हो रही हैं। शहर दिसंबर, 2024 में आठ शहरों से सीधे जुड़ा था, जबकि अब इस संख्या बढ़कर 17 हो गई है। मंत्रालय ने बयान में कहा कि श्रीनगर और विशाखापत्तनम सहित 26 शहर सीधी और ठहराव के साथ उड़ानों के जरिये प्रयागराज से जुड़े हैं। बयान के मुताबिक, नागर विमानन मंत्री के राम मोहन नायडू ने एयरलाइन कंपनियों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि खासतौर से स्नान पर्वों के दौरान हवाई किराये नियंत्रण में रहें।

मल्लिकार्जुन खरगे पर बरसे हिमंत बिस्वा सरमा

बोले- सोनिया गांधी ने खुद कुंभ में किया स्नान

गुवाहाटी, 28 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने महाकुंभ को लेकर बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि डुबकी लगाने से क्या गरीबी दूर होगी या किसी का पेट भरेगा। इसपर अब असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने ट्वीट मल्लिकार्जुन खरगे पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, महाकुंभ पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का बयान अभूतपूर्व है और सनातन धर्म के खिलाफ गहरी चिंताजनक मानसिकता को दर्शाता है। मेरा मानना है कि यह राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस पार्टी का आधिकारिक रुख है। लेकिन मैं उनसे पूछना चाहता हूं 2001 में, सोनिया गांधी ने खुद कुंभ के दौरान पवित्र स्नान किया था।

मल्लिकार्जुन खरगे पर बरसे हिमंत बिस्वा सरमा

उन्होंने लिखा, 'क्या वह यह कहने की हिम्मत करेंगे कि हज पर जाने से भूख और गरीबी जैसे मुद्दे हल नहीं होंगे? कांग्रेस से जुड़े सभी हिंदू नेताओं के लिए यह समय है कि वे इस पर विचार करें और अपना रुख तय करें।' उन्होंने आगे लिखा, 'कांग्रेस से जुड़े सभी हिंदू नेताओं के लिए यह समय है कि वे इस पर विचार करें और अपना रुख तय करें। अपनी आस्था, अपने धर्म या इस देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से केवल सत्ता और पद के लिए समझौता न करें। किसी भी नेता, किसी भी विचारधारा और किसी भी पार्टी को अपने धर्म और विश्वासों से ऊपर नहीं रखना चाहिए। सनातन धर्म सदियों से समय की कसौटी पर खरा उतरा है, राजनीतिक स्वार्थ के लिए इसके सार को कमतर न आंकें। अपने विवेक को अपना मार्गदर्शक बनने दें।'

मल्लिकार्जुन खरगे ने दिया था ये बयान

मल्लिकार्जुन खरगे ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, गंगा में डुबकी लेने से गरीबी दूर होती है क्या, आपके पेट को क्या इससे खाना मिलता है। मैं किसी के आस्था के ऊपर दोष नहीं लगाना चाहता हूं। अगर किसी को दुख हुआ तो मैं माफी चाहता हूं। जब बच्चा भूखा मर रहा है, बच्चा स्कूल नहीं जा रहा है, मजदूरों को मजदूरी नहीं मिल रही है, तो ये लोग हजारों रुपये खर्च करके कॉम्पटिशन पर डुबकियां मार रहे हैं। जबतक टीवी में अच्छा नहीं आता, तब तक ये लोग डुबकी मारते रहते हैं।

धनकुबेर पूर्व कांस्टेबल सौरभ गिरफ्तार

भोपाल कोर्ट परिसर के बाहर से लोकायुक्त टीम ने पकड़ा

भोपाल, 28 जनवरी (एजेंसियां)। भोपाल में आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा को आज (28 जनवरी) लोकायुक्त की टीम ने कोर्ट परिसर के बाहर से गिरफ्तार कर लिया। इसकी पुष्टि लोकायुक्त डीजी जयदेव प्रसाद ने की है। हालांकि लोकायुक्त का दावा है कि सौरभ को कल ही हिरासत में ले लिया गया था। वहीं, सौरभ के वकील राकेश पाराशर ने बताया कि सौरभ कोर्ट के आदेश पर आज 11 बजे हाजिर होने वाला था। लेकिन लोकायुक्त पुलिस ने उसे अरेस्ट कर लिया। जबकि सौरभ ने सोमवार को कोर्ट में खुद उपस्थित होकर सरेंडर करने का आवेदन दिया था। एडीजे रामप्रसाद मिश्रा ने लोकायुक्त को केस डायरी के साथ उपस्थित होने के आदेश दिए थे। कोर्ट सूत्रों के मुताबिक सौरभ शर्मा सोमवार दोपहर 12:30 बजे के करीब सरेंडर करने एडीजे आरपी मिश्रा की कोर्ट पहुंचा था। यहां सौरभ के वकील ने सरेंडर के लिए आवेदन दिया। वकील ने कोर्ट को बताया कि उन्हें जानकारी मिली है कि सौरभ लोकायुक्त के आय से अधिक संपत्ति के एक प्रकरण में फरार चल रहा है। केस अंडर इंवेस्टिगेशन है। वकील ने कोर्ट को बताया कि केस से जुड़े तमाम डॉक्यूमेंट्स लोकायुक्त टीम के पास है। तब कोर्ट ने रिपोर्ट के साथ डायरी कॉल की। कोर्ट ने लोकायुक्त संगठन के विशेष लोक अभियोजक विवेक गौड़ को बुलाया गया। उनसे बातचीत के बाद मंगलवार सुबह डायरी सहित कोर्ट में हाजिर होने के आदेश दिए हैं। इसी के साथ सौरभ के वकील को भी मंगलवार सुबह केस की सुनवाई के संबंध में दोबारा कोर्ट में पेश होने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बाद दोपहर करीब 1:20 बजे सौरभ कोर्ट रूम से बाहर निकल गया। लोकायुक्त पुलिस की टीम भी कोर्ट पहुंची थी।

अंकिता राठौर और हसनैन अंसारी की लव स्टोरी रह गई अधूरी: शादी पर इस वजह से लगी रोक

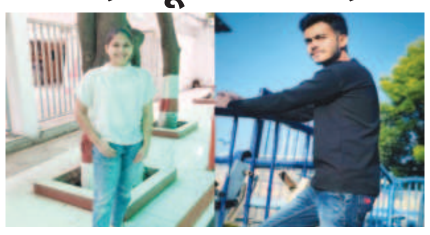

जबलपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में बहुचर्चित अंकिता राठौर और हसनैन अंसारी के लव जिहाद मामले में बड़ा फैसला आया है। अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी नाथू राम गौड़ की कोर्ट ने स्पेशल मैरिज एक्ट 1954 की धारा 5 के तहत उनकी शादी के आवेदन को खारिज कर दिया है। आवेदन खारिज किए जाने का मुख्य कारण यह था कि हसनैन अंसारी आवेदन में दिए गए पते पर नहीं रह रहे थे। जांच में पता चला कि हसनैन पिछले 10 साल से बताए गए पते पर नहीं रह रहे थे, जिसके चलते आवेदन निरस्त किया गया। इस फैसले का विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने स्वागत किया है। संगठनों ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से लव जिहाद जैसे मामलों की रोकथाम के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की है। इन संगठनों ने यह भी कहा कि इस तरह की शादियों के आवेदन से पहले बड़े अखबारों में नोटिफिकेशन देना अनिवार्य किया जाए, ताकि समय रहते स्थिति स्पष्ट हो सके वही पूरे मामले में हिंदू संगठनों की ओर से आपत्ति भी जताई थी। इंदौर की अंकिता राठौर और जबलपुर के सिहोरा के रहने वाले हसनैन अंसारी ने 7 अक्टूबर 2024 को विवाह आवेदन दिया था।

दिसंबर 2024 में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने स्पेशल हिंदू मैरिज एक्ट के तहत शादी की अनुमति दी थी, लेकिन हिंदूवादी संगठनों और लड़की के माता-पिता ने इस शादी का विरोध किया। लड़की के माता-पिता ने अपहरण की रिपोर्ट भी दर्ज करवाई थी और प्रशासन से मांग की थी कि लड़की को उनके सुपुर्द किया जाए। वहीं, हिंदूवादी संगठनों ने विरोध करते हुए दावा किया कि मुस्लिम लड़के और हिंदू लड़की के बीच विवाह मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत वैध नहीं है। उन्होंने मई 2024 में जस्टिस अहलूवालिया के फैसले का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि इस तरह के विवाह धर्म परिवर्तन की संभावना को जन्म देते हैं।

बेंगलुरु में कार ने बैरिकेडिंग को मारी टक्कर फिर बाइक को ठोंका

बेंगलुरु, 28 जनवरी (एजेंसियां)। शहर में एक कार सवार की दबंगई का मामला सामने आया है। यहां कार सवार ने पुलिस की बैरिकेडिंग को टक्कर मार दी। वह इतने पर भी नहीं रुका और सामने जा रहे एक बाइक सवार को भी टक्कर मा दिया और वहां से फरार हो गया। घटना में बाइक सवार को चोटें भी आईं। हालांकि इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया और आरोपी कार चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। फिलहाल पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। वहीं घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। दरअसल, पूरा मामला 21 जनवरी, 2025 की रात का बताया जा रहा है। यहां लगभग 11:45 बजे एक सफेद रंग की टाटा अल्ट्रोज कार जालाहल्ली ट्रैफिक पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में बीईएल सर्कल से गंगम्मा सर्कल की ओर तेजी से गुजर रही थी। इसी दौरान साहित्य कुटा जंक्शन पर ड्रंक एन्ड ड्राइव के लिए वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था। तभी पुलिस ने इस गाड़ी को रोकना चाहा, लेकिन गाड़ी में बैठे ड्राइवर ने निरीक्षण के लिए लगाए गए बैरिकेड को टक्कर मार दी और आगे बढ़ गया।

केजरीवाल, सिसोदिया और आतिशी के लिए प्रचार करेंगे शत्रुघ्न सिन्हा, पूर्वांचली वोटर साधने की तैयारी में आप

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान की तारीख नजदीक है। ऐसे में आम आदमी पार्टी हर वोट बैंक को साधने की तैयारी में है। इसी क्रम में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा आम आदमी पार्टी के लिए प्रचार करेंगे। वह दिल्ली में 5 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आम आदमी पार्टी के लिए प्रचार करेंगे। टीएमसी के सूत्रों ने मंगलवार को इस बात की जानकारी दी। टीएमसी सूत्रों ने बताया कि आसनसोल से टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा एक और दो फरवरी को कम से कम तीन निर्वाचन क्षेत्रों में आप के लिए चुनाव प्रचार करेंगे।

तीन सीटों पर करेंगे प्रचार

इनमें पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की नई दिल्ली विधानसभा सीट, मुख्यमंत्री आतिशी की कालकाजी विधानसभा सीट और मनीष सिसोदिया की जंगपुरा विधानसभा सीट शामिल हैं। टीएमसी का मानना है कि एक्टर और सांसद शत्रुघ्न सिन्हा दिल्ली के पूर्वांचली मतदाताओं को आम आदमी पार्टी की ओर आकर्षित कर सकते हैं। 'पूर्वांचली' का तात्पर्य बिहार और उत्तर प्रदेश से आए प्रवासियों से है। दिल्ली में पूर्वांचलियों की खासी संख्या है। सूत्रों ने बताया कि टीएमसी के कुछ और नेता दिल्ली में चुनाव प्रचार में शामिल हो सकते हैं। बता दें कि टीएमसी ने दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए आम आदमी पार्टी को अपना समर्थन देने की घोषणा की है।

आप ने जारी किया घोषणा पत्र

वहीं आम आदमी पार्टी चुनाव से पहले सभी वोटरों को साधने की पूरी तैयारी में है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को अपनी पार्टी का मैनिफेस्टो यानी घोषणा पत्र भी जारी कर दिया है। इस घोषणा पत्र में आम आदमी पार्टी की तरफ से 15 वादे किए गए हैं। इसमें केजरीवाल ने सरकार बनने के बाद कई फ्री सुविधाओं को शुरू करने की गारंटी दी है। इसके अलावा उन्होंने दिल्ली सरकार द्वारा पहले से जारी फ्री बिजली, फ्री पानी, बुजुर्गों के लिए मुफ्त तीर्थ यात्रा, महिलाओं के लिए बस यात्रा को जारी रखने की बात कही। इसके साथ ही केजरीवाल ने मोहल्ला क्लिनिक का विस्तार किए जाने की भी बात कही।

अलीराजपुर में डबल मर्डर! भाई की तीर मारकर की हत्या

अलीराजपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के अलीराजपुर में दो लोगों की हत्या हो गई. दोनों चचेरे भाई थे. इनमें से एक भाई मानसिक रूप से बीमार था. उसने अपने चचेरे भाई पर तीर से वार कर दिया था, जहां तीर लगने से शख्स का बहुत ज्यादा खून निकला और उसकी मौत हो गई. इसके बाद मृतक के परिवार वालों ने मानसिक रूप से बीमार आरोपी को भी ईंट, पत्थर और लाठी से पीट-पीटकर मार डाला. ये मामला अलीराजपुर जिले के सोंडवा विकासखंड से सामने आया है, जहां घोघलपुर गांव सोमवार देर शाम को दो हत्याओं से दहल गया. मानसिक रूप से बीमार चचेरे भाई ने भाई की हत्या कर दी. इसके बाद मृतक के परिजनों ने मिलकर मानसिक रूप से बीमार भाई को भी मार डाला. जानकारी के मुताबिक पुलिस ने मौके पहुंचकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. वहीं दो हत्याओं से गांव में तनाव का माहौल है. एहतियातन यहां पुलिस बल तैनात किया गया है. पुलिस के मुताबिक मानसिक रूप से बीमार युवक ने अपने चाचा के लड़के दूर सिंह पर तीर से वार कर दिया. तीर दूर सिंह के गले पर लगा, जिसके बाद वह लहूलुहान होकर गिर गया.

मानसिक रोगियों पर अत्याचार, आश्रम में बुजुर्ग महिला की पिटाई, घटना सामने आने के बाद हड़कंप

संबलपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के संबलपुर जिले के नेताजी नगर स्थित 'समर्थ' आश्रम में मानसिक रोगियों के साथ दुर्व्यवहार और अत्याचार का मामला सामने आया है। एक वायरल वीडियो में यह देखा गया कि मानसिक रूप से कमजोर और वृद्ध महिला को बेरहमी से मारा-पीटा जा रहा है और उनके साथ अमानवीय व्यवहार किया जा रहा है। वीडियो में आश्रम के स्टाफ द्वारा मानसिक रोगियों को मारने और प्रताड़ित करने की घटनाएं देखी गईं। इस वीडियो के वायरल होने के बाद स्थानीय प्रशासन और पुलिस सकते में आ गए और उन्होंने तुरंत इस मामले की जांच शुरू कर दी। मामले की जानकारी मिलने के बाद संबलपुर पुलिस ने तुरंत आश्रम पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान पुलिस ने वहां रहने वाले मानसिक रोगियों की स्थिति का जायजा लिया। बताया जा रहा है कि वहां कई अनियमितताएं पाई गईं, जो नियमों का उल्लंघन करती हैं। वीडियो वायरल होने के बाद यह मामला सामने आया। इस घटना से स्थानीय लोग बेहद आक्रोशित हैं। उनका कहना है कि मानसिक रोगियों और वृद्धों के लिए ऐसे संस्थानों में उचित देखभाल और सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए, न कि उनके साथ इस तरह का अमानवीय व्यवहार किया जाए। स्थानीय जनता ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे संस्थानों पर सख्त निगरानी रखी जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। संबलपुर पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, समर्थ आश्रम में मानसिक रूप से कमजोर लोगों के साथ गलत व्यवहार होने की खबर मिली थी। हम तुरंत आश्रम पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। वीडियो के आधार पर हम दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करेंगे। बहरहाल पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है। वीडियो और अन्य सबूतों के आधार पर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अतुल सुभाष जैसा एक और मामला, सुसाइड से पहले शख्स ने बताई अंतिम इच्छा- कब्र पर लगे पत्थर में लिखा जाए

बेंगलूरू, 28 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक से एआई इंजीनियर अतुल सुभाष आहत्महत्या जैसा एक और मामला सामने आया है। राज्य के हुबली में एक शख्स ने अपनी पत्नी से परेशान होकर खुदकुशी कर ली। फांसी लगाकर आत्महत्या करने से पहले लिखे गए एक सुसाइड नोट में 40 साल के पेटुरु गोलापल्ली ने लिखा है कि उनकी कब्र पर लगे पत्थर में लिखा जाए, मेरी पत्नी की प्रताड़ना की वजह से मेरी मौत हुई है। हुबली के चामुंडेश्वरी नगर में हुई इस वारदात से इलाके को लोग सन्न रह गए। 40 वर्षीय पेटुरू गोलापल्ली ने रविवार को अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह वारदात उस वक्त हुई जब परिवार के सदस्य चर्च गए हुए थे। मामले में सनसनीखेज मोड़ तब आया, जब पेटुरू के परिवार ने उसकी अंतिम इच्छा को सार्वजनिक किया। सुसाइड नोट में पेटुरू ने अपनी पत्नी पिंकी पर उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगाया। उसने लिखा, मेरी पत्नी की प्रताड़ना की वजह से मेरी मौत हुई है। यही नहीं, उसने अपनी अंतिम इच्छा जाहिर की कि ताबूत और उसकी कब्र के पत्थर पर भी यही लिखा जाए। पेटुरू के परिवार ने उसकी आखिरी ख्वाहिश का पालन करते हुए ताबूत पर वह नोट चिपकाया और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। अशोक नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बता दें कि कर्नाटक के बेंगलुरु सुसाइड में एआई इंजीनियर अतुल सुभाष ने 9 दिसंबर 2020 को बेंगलुरु में अपने अपार्टमेंट में सुसाइड किया था। अतुल ने 24 पेज का सुसाइड नोट छोड़ गया था। 90 मिनट का वीडियो भी बनाया था। इसमें पत्नी, सास, साला, चाचा ससुर और महिला जज पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया था।

रामदास अठावले ने बिहार में एनडीए की जीत का दावा किया, सीएम नीतीश कुमार लेकर क्या कहा

पटना, 28 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने मंगलवार (28 जनवरी) को पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत का दावा किया है। उन्होंने कहा कि बिहार में हमारा एनडीए मजबूत है, बीजेपी यहां जीतेगी और नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू भी हमारे साथ रहेगी। मेरी पार्टी भी उनका भरपूर समर्थन करेगी। बिहार में भी हमारी (एनडीए) सरकार सत्ता में आएगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार की राजनीति में एंट्री के कयासों पर भी केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले से सवाल किया गया। इस पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार अगर राजनीति में आते हैं तो उनका स्वागत किया जाएगा। क्योंकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। वे एनडीए के साथ जुड़े हुए हैं। उनके बेटे अगर राजनीति में आते हैं तो उनका स्वागत है। रामदास अठावले ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी कहते हैं कि संविधान खतरे में है, लेकिन पूरा देश जानता है कि भारत का संविधान बिल्कुल भी खतरे में नहीं है। खतरे में सिर्फ राहुल गांधी हैं। कांग्रेस पार्टी और विपक्ष खतरे में है। बाबा साहेब का संविधान कभी खतरे में नहीं हो सकता। बाबा साहेब अंबेडकर ने देश के लिए बहुत बड़ा काम किया है, लेकिन इसके बावजूद अमृतसर में जो घटना घटी है वो बहुत निंदनिय और गंभीर है। वहां बाबा साहेब अंबेडकर की मूर्ति को तोड़ने का पर्यत्न किया गया है।

राम रहीम को फिर मिली पैरोल, हनीप्रीत खुद गाड़ी लेकर जेल से लेने पहुंचीं

रोहतक, 28 जनवरी (एजेंसियां)। सिरसा डेरा प्रमुख राम रहीम को फिर पैरोल मिल गई है। वह आज सुबह जेल से बाहर आ गया। हनीप्रीत खुद डेरे की दो गाड़ी लेकर राम रहीम को जेल से लेने पहुंचीं। मिली जानकारी के मुताबिक, सिरसा डेरा प्रमुख राम रहीम को 30 दिन की पैरोल मिली है। उसके सिरसा डेरा सच्चा सौदा में पहुंचने की उम्मीद है। डेरे की तरफ से उसके आने की तैयारियां की जा रही हैं।

अक्टूबर में भी मिली थी पैरोल

राम रहीम को अक्टूबर 2024 में भी पैरोल मिली थी। राम रहीम को इस दौरान 20 दिन की पैरोल पर रिहाई मिली थी, जिसके बाद वह जेल से यूपी के बरनावा आश्रम गया था। पैरोल की अवधि के दौरान राम रहीम पर चुनाव संबंधी गतिविधियों में भाग लेने और हरियाणा में दाखिल होने पर रोक लगाई गई थी। राम रहीम सिंह ने 5 अक्टूबर को होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले 20 दिन की पैरोल देने की अर्जी दी थी। इस अर्जी के आधार पर उसे पैरोल दी गई। पैरोल की शर्तों के अनुसार, डेरा प्रमुख किसी भी चुनाव से जुड़ी गतिविधि में भाग नहीं लेगा और इस अवधि के दौरान हरियाणा से बाहर रहेगा। इस दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा था कि पैरोल की शर्तें होंगी कि वह हरियाणा नहीं जाएगा, कोई सार्वजनिक भाषण नहीं देगा और इस दौरान किसी राजनीतिक गतिविधि में शामिल नहीं होगा। चिट्ठी में चेतावनी दी गई थी कि इसके अलावा, राम रहीम की आवाजाही पर कड़ी नजर रखी जानी चाहिए और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि वह चुनाव से जुड़ी किसी गतिविधि में शामिल न हो। साथ ही अगर राम रहीम किसी आपत्तिजनक गतिविधि में लिप्त पाया जाता है, तो उसकी पैरोल तुरंत रद्द कर दी जानी चाहिए।

राम रहीम को हुई है 20 साल की सजा

आचार संहिता लागू होने के कारण राम रहीम की पैरोल अर्जी को चुनाव आयोग को भेजा गया था। डेरा प्रमुख ने कहा था कि पैरोल मिलने की स्थिति में वह उत्तर प्रदेश के बागपत में रहने का इच्छुक है। अदालत ने राम रहीम को 2017 में अपनी दो शिष्याओं के साथ रेप का दोषी करार देते हुए 20 साल कैद की सजा सुनाई थी। राम रहीम और तीन अन्य को 16 साल पहले एक पत्रकार की हत्या के लिए भी 2019 में दोषी ठहराया गया था।

'मौत के बाद क्या होता है?' जानने के लिए छात्रा ने काट ली हाथ की नस; हुई मौत

नागपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। जिले के धंतोली थाना क्षेत्र में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। आपने सुसाइड करने की कई वजहें सुनी होगी, लेकिन आत्महत्या की इस वजह को जानकर आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे। यहां एक 17 साल की छात्रा ने अपने ही हाथ की नस काट कर आत्महत्या कर ली। उसके सुसाइड के पीछे की वजह के बारे में बताया जा रहा है कि वह जानना चाहती थी कि मृत्यु के बाद क्या होता है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नागपुर के रिंग रोड निवासी 17 साल की लड़की ने आत्महत्या कर दी। वह अपने माता-पिता की इकलौती संतान थी। छात्रा ने एक चाकू से अपनी कलाई काट कर आत्महत्या कर ली। पुलिस का दावा है कि छात्रा के कमरे से जब्त विशेष प्रकार का चाकू नागपुर में नहीं मिलता है। संभावना जताई जा रही है कि इसे ऑनलाइन मंगवाया होगा। वहीं साइबर विशेषज्ञ छात्रा के मोबाइल की जांच कर रहे हैं।

पुणे के बाद नागपुर में मिल रहे 'गुइलेन-बैरे सिंड्रोम' के मामले, दो मरीज वेंटिलेटर पर

नागपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में गुइलेन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) बीमारी की दहशत बढ़ती चली जा रही है। पहले राज्य के पुणे से ही गुइलेन-बैरे सिंड्रोम के मामले सामने आ रहे थे। हालांकि, पुणे के बाद अब नागपुर में भी इस बीमारी के मरीज बढ़ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, दो मरीजों को वेंटिलेटर पर रखा गया है। गुइलेन-बैरे सिंड्रोम के मामले के सामने आने के बाद नागपुर सहित विदर्भ के सरकारी अस्पताल अलर्ट मोड पर आ गए हैं। लोगों को डॉक्टर की सलाह बिना दवाई ना लेने की सलाह दी गई है। पुणे के बाद नागपुर में भी गुइलेन बैरे सिंड्रोम के मरीज मिलने के चलते सरकारी अस्पतालों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। वहीं, दूसरी ओर प्रशासन ने भी आवश्यक उपाय योजना के निर्देश दिए हैं। नागपुर के मेडिकल कॉलेज और इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में गंभीर अवस्था में दो मरीज पहुंचे हैं जिन्हें उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है। बता दें कि जीबीएस इम्यून से जुड़ी एक दुर्लभ बीमारी है।

अस्पतालों को अलर्ट मोड पर रखा गया

गुइलेन-बैरे सिंड्रोम के मरीज के मिलने के बाद नागपुर सहित विदर्भ के सरकारी अस्पतालों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। नागपुर मेडिकल कॉलेज के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर अविनाश गावंडे ने बताया कि प्रशासन ने इस बीमारी के मरीजों के इलाज के व्यापक के इंतजाम किए हैं। सरकारी अस्पतालों को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

चार मरीज भर्ती हुए

जानकारी के मुताबिक, अब तक मेडिकल में चार मरीज भर्ती हुए हैं जिनकी आयु 40 ,19 ,14 ,8 साल है। इनमें 8 वर्षीय मरीज को गंभीर अवस्था में आईसीयू में भर्ती किया गया है। उसे वेंटिलेटर पर रखा गया है और उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। इसी तरह अस्पताल में एक 40 वर्ष के मरीज को आईसीयू में वेंटिलेटर पर रखा गया है।

पुणे में 110 के पार हुए केस

महाराष्ट्र के पुणे में 'गुइलेन-बैरे सिंड्रोम के मामलों की संख्या 110 के पार पहुंच गई है। सोलापुर में संदिग्ध रूप से संक्रमित एक व्यक्ति की मौत हो गई है। आपको बता दें कि गुइलेन-बैरे सिंड्रोम एक रोग प्रतिरोधी क्षमता संबंधित रेयर बीमारी है। इसके कारण शरीर के हिस्से अचानक सुन्न पड़ जाते हैं और मांसपेशियां कमजोर पड़ जाती हैं। इस बीमारी के कारण हाथ और पैरों में भी गंभीर कमजोरी जैसे लक्षण दिखने लगते हैं। डॉक्टरों के मुताबिक, गुइलेन-बैरे सिंड्रोम का कारण आम तौर पर जीवाणु और वायरल संक्रमण हैं। ये मरीजों की प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर देते हैं।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 29 जनवरी - 2025

कौन लागू कराएगा दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में आचार संहिता?

कमलेश पांडेय

दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में चीनी दबदबे को नियंत्रित करने के लिए एक आदर्श आचार संहिता लागू करने की मांग सही है लेकिन वहां पर इसे लागू कौन करवाएगा, इस बात का उत्तर भारत समेत विभिन्न आसियान देशों के पास नहीं है। ये तो सिर्फ वकालत कर रहे हैं कि दक्षिण चीन सागर ऐसा होना चाहिए जबकि चीन अपनी हठधर्मिता के चलते सैन्य कार्रवाई करने पर उतारू है। इसी दृष्टि से वह लगातार अपनी तैयारी पुख्ता करता जा रहा है लेकिन उसे रोकने में संयुक्त राष्ट्र संघ भी यहां असहाय प्रतीत हो रहा है।

देखा जाए तो चाहे चीन विरोधी अमेरिका हो या चीन समर्थक रूस या फिर इनके-इनके समर्थक विभिन्न विकसित और विकासशील देश, सबकी नीति इस मामले में अभी तक ढुलमुल ही रही है। इसलिए भारत की भूमिका इस मामले में भी अहम और निर्णायक बताई जा रही है क्योंकि भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के विभिन्न देशों के बहुत पुराने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक सम्बन्ध भी हैं। वहीं, वैश्विक दुनियादारी में चीन को संतुलित रखने के लिए भी भारत और आसियान देशों को एक-दूसरे की जरूरत है। इसलिए आसियान देशों के साथ भारत की निकटता जगजाहिर है।

समझा जाता है कि भारत ही अमेरिका और रूस दोनों देशों पर दबाव डालकर आसियान देशों के दक्षिण चीन सागर सम्बन्धी दूरगामी हितों की रक्षा कर सकता है। जानकारों की मानें तो चीन की विस्तारवादी नीति से न केवल भारत बल्कि आशियान देशों के विभिन्न हित प्रभावित हो रहे हैं। उधर, जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका की चिंता भी किसी से छिपी हुई नहीं है हालांकि, इन देशों में अमेरिका के बाद भारत ही एक ऐसा मुल्क है जो चीन की बढ़ती महत्वाकांक्षा को नियंत्रित कर सकता है। इसी नजरिए से क्वाड देशों में भी भारत की भागीदारी प्रमुख है।

इधर भारत-चीन सम्बन्धों में भी 'तू डाल-डाल, मैं पात-पात' वाली कहावत चरितार्थ होती है। यही वजह है कि गत 25-26 जनवरी 2025 को भारत ने चीन के खिलाफ एक और बड़ी चाल चलते हुए, दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में आचार संहिता लागू करने का आह्वान किया है। वहीं, इसके दूरगामी वैश्विक मायने को समझते हुए इंडोनेशिया जैसे प्रभावशाली देश ने भी भारत का साथ दिया है। उल्लेखनीय है कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति भारत के 76वें गणतंत्र समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए थे। इसी दौरान हुई विभिन्न बैठकों के क्रम में उपर्युक्त आशय की सहमति बनी है। दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती सैन्य ताकत के बीच भारत और इंडोनेशिया ने प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार इस क्षेत्र में "पूर्ण और प्रभावी" आचार संहिता लागू करने की वकालत की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो के बीच गत शनिवार को हुई व्यापक बातचीत में दक्षिण चीन सागर की मौजूदा स्थिति पर भी चर्चा हुई। इस बैठक में दोनों पक्षों ने भारत के हिंद महासागर क्षेत्र स्थित सूचना संलयन केंद्र (इन्फार्मेशन फ्यूजन सेंटर) में इंडोनेशिया से एक संपर्क अधिकारी तैनात करने पर सहमति व्यक्त की। बता दें कि भारतीय नौसेना ने समान विचारधारा वाले देशों के साथ सहयोगात्मक ढांचे के तहत जहाजों की आवाजाही के साथ-साथ क्षेत्र में अन्य महत्वपूर्ण विकास पर नजर रखने के लिए वर्ष 2018 में गुरुग्राम में इन्फार्मेशन फ्यूजन सेंटर की स्थापना की थी। चूंकि आसियान देश भी दक्षिण चीन सागर पर एक बाध्यकारी आचार संहिता पर जोर दे रहे हैं क्योंकि चीन द्वारा इस क्षेत्र पर अपने व्यापक दावों को स्थापित करने के लगातार प्रयास जारी हैं। वहीं, इस मुद्दे पर भारत की अगुवाई में चल रहे कीप एंड बैलेंस की नीति पर चीन का बौखलाना स्वाभाविक है। बीजिंग इस प्रस्तावित आचार संहिता का कड़ा विरोध करता रहा है। वह पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपनी संप्रभुता का दावा करता है जो हाइड्रोकार्बन का एक बड़ा स्त्रोत है जबकि, वियतनाम, फिलीपींस और ब्रुनेई सहित कई आसियान सदस्य देशों ने चीन के इस दावे पर आपत्ति जताई है।

गौरतलब है कि एक ओर दक्षिण चीन सागर में जहां चीन अपनी सैन्य ताकत में निरंतर इजाफा करने में जुटा हुआ है जिससे आसपास के छोटे देश भयभीत हैं। वहीं अब भारत ने चीन के खिलाफ अपनी चाल चलते हुए दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में आचार संहिता लागू करने का आह्वान किया है। सुकून की बात यह है कि भारत को इस मुद्दे पर इंडोनेशिया जैसे महत्वपूर्ण देश का भी साथ मिल गया है जबकि दूसरी तरफ चीन इस क्षेत्र में आचार संहिता का खुलकर विरोध करता है। इसलिए दक्षिण चीन सागर से जुड़े हुए विभिन्न प्रभावित देशों के साथ-साथ भारत और अमेरिका की चिंताएं स्वाभाविक हैं।

बता दें कि अक्टूबर 2024 में भी जब पीएम मोदी ने ईस्ट एशिया सम्मेलन में हिस्सा लिया तो उन्होंने चीन पर इस बाबत निशाना साधा था। इससे एक दिन पहले आसियान-भारत सालाना सम्मेलन में भी उन्होंने चीन की तरफ इशारा करते हुए हिंद प्रशांत क्षेत्र और साउथ चाईना सी को लेकर जो सारी बातें कहीं, वह इस क्षेत्र में आक्रामक रवैया अपना रहे चीन को नागवार गुजर सकती है।तब पीएम मोदी ने आसियान-भारत सालाना सम्मेलन में दक्षिण पूर्वी एशियाई क्षेत्र के देशों के भौगोलिक संप्रभुता को समर्थन देकर चीन की तरफ इशारा किया था। वहीं, ईस्ट एशिया सम्मेलन में भी उन्होंने हिंद प्रशांत क्षेत्र और साउथ चाईना सी को लेकर दो टूक चिताएं जताई। मोदी ने समूचे हिंद प्रशांत क्षेत्र को कानून सम्मत बनाते हुए यहां की समुद्री गतिविधियों को संयुक्त राष्ट्र के संबंधित कानून (अनक्लोस) से तय होने की मांग की और साउथ चाईना सी के संदर्भ में एक ठोस व प्रभावी आचार संहिता बनाने की भी बात कही। बता दें कि आसियान के सभी दस सदस्य देश भी इसकी मांग कर रहे हैं। वहीं, एक दिन पहले चीन के प्रधानमंत्री ली शियांग के साथ बैठक में आसियान नेताओं ने इन मुद्दों को जोरदार तरीके से उठाया था। इसके साथ ही भारतीय प्रधानमंत्री ने दुनिया के दूसरे क्षेत्रों में चल रहे तनाव के संदर्भ में कहा, 'विश्व के अलग-अलग क्षेत्रों में चल रहे संघर्षों का सबसे नकारात्मक प्रभाव ग्लोबल साउथ के देशों पर हो रहा है। सभी चाहते हैं कि चाहे यूरेशिया हो या पश्चिम एशिया, जल्द से जल्द शांति और स्थिरता की बहाली हो।'

तब पीएम मोदी ने यहां तक कहा था, 'मैं बुद्ध की धरती से आता हूं और मैंने बार-बार कहा है कि यह युद्ध का युग नहीं है। समस्याओं का समाधान रणभूमि से नहीं बल्कि सकारात्मक रणनीति से निकल सकता है। संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और अन्तर्राष्ट्रीय कानूनों का आदर करना आवश्यक है। वहीं, मानवीय दृष्टिकोण रखते हुए, डायलॉग और कूटनीति को भी प्रमुखता देनी होगी। विश्वबंधु के दायित्व को निभाते हुए, भारत इस दिशा में हर संभव योगदान करता रहेगा।'

तब मोदी ने आतंकवाद को भी वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती बताते हुए मानवता में विश्वास रखने वाली ताकतों को एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया। बता दें कि इस सालाना आसियान सम्मेलन में शामिल सभी नेताओं में सबसे ज्यादा बार (नौ बार) पीएम मोदी ने ही हिस्सा लिया है। यह आसियान के मामलों में भारत की बढ़ती भूमिका को भी बताता है। वहीं, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गत रविवार की शाम इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के सम्मान में डिनर आयोजित किया। इस दौरान इंडोनेशियाई राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने कुछ ऐसा कहा जिसे सुनकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत सभी गणमान्य लोग खिलखिलाकर हंस पड़े। दरअसल, इंडोनेशियाई राष्ट्रपति ने भारत और इंडोनेशिया के बीच प्राचीन संबंधों की बात कहते हुए कहा कि हमारी भाषा के कई अहम शब्द संस्कृत भाषा से आते हैं।

बकौल इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो, 'भारत और इंडोनेशिया के आपसी संबंधों का इतिहास बेहद पुराना है। दोनों देशों की सभ्यताओं में भी गहरा जुड़ाव रहा है, यहां तक कि हमारी भाषा के कई अहम शब्द संस्कृत भाषा के हैं। हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में भी प्राचीन भारतीय सभ्यता का प्रभाव है। यहां तक कि हमारे जीन्स यानी डीएनए में भी समानता है।' इंडोनेशियाई राष्ट्रपति ने यहां तक कहा कि 'कुछ हफ्ते पहले ही मैंने अपनी जेनेटिक्स सीक्वेंसिंग और डीएनए टेस्ट कराया। मुझे बताया गया कि मेरा डीएनए भारतीय है। सभी जानते हैं कि जैसे ही मैं भारतीय संगीत सुनता हूं, तभी मैं थिरकना शुरू कर देता हूं।' वहीं, मासूमियत पूर्वक सुबियांतो ने आगे कहा कि मुझे यहां (भारत) आने पर गर्व है। मैं कोई खांटी राजनेता नहीं हूं, न ही अच्छा कूटनीतिकार हूं. मैं जो भी कहता हूं, दिल से कहता हूं।

क्यों डिमांड में हैं भारतीय छोरे?

प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में अलग-अलग नजारा देखने को मिल रहा है। विदेशी सैलानियों में भी आस्था का गजब ही रंग दिख रहा है। ऐसे में भला भारतीय लड़के भी कहां पीछे रहने वाले हैं। विदेशी गोरियों में भारतीय लडकों को लेकर जबर्दस्त विश्वास झलकता है। तभी, तो एक विदेशी लड़की ने भारत के लड़के से महाकुंभ में ही सात फेरे लेकर शादी रचा ली। जिससे यह भी पता चलता है कि विदेश में भारत के लड़कों की खूब डिमांड है। महाकुंभ में गंगा में आस्था की डुबकी लगाना सौभाग्य की बात है तो इसी पावन जगह पर एक जोड़े ने अपनी जिंदगी की नई शुरुआत की है। एक विदेशी गोरी ने भारत के लड़के का हाथ पकड़कर अग्नि के सात फेरे ले लिए हैं। देसी छोरे के नाम का चूड़ा पहनने वाली इस विदेशी लड़की की हर तरफ चर्चा हो रही है। ग्रीस से प्रयागराज आई पेनेलोप ने अपने बॉयफ्रेंड और योगा इंसट्रक्टर सिद्धार्थ शिव खन्ना से 26 जनवरी को शादी कर ली है। इस खास शादी के साक्षी प्रयागराज के साधु-संत बने और हिंदू रीति-रिवाज से उन्हें वैवाहिक बंधन को बांधा गया है। जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यतींद्रानंद गिरि ने पेनेलोप का कन्यादान किया। ऐसे में हर कोई जानना चाहेगा कि भारतीय लड़कों की इतनी डिमांड क्यों है, उससे पहले आप इस कपल की लव स्टोरी भी जान लीजिए। पेनेलोप ने एथेंस की एक यूनिवर्सिटी से टूरिज्म मैनेजमेंट में ग्रेजुएशन किया है। टूरिज्म मैनेजमेंट की डिग्री लेने के बाद उनकी दिलचस्पी योग की तरफ बढ़ी। जिसके लिए जिम में ही योग की ट्रेनिंग लेने लगीं। और,सिद्धार्थ शिव खन्ना एक अंतर्राष्ट्रीय योगा इंस्ट्रक्टर हैं। 9 साल पहले पेनेलोप योग सीखने के लिए थाईलैंड गई हुईं थी तो वहां उनकी मुलाकात सिद्धार्थ से हुई थी। जहां दोस्ती प्यार में बदली, धीरे-धीरे दोनों इतने करीब आ गए कि शादी करने का फैसला ले लिया। पेनेलोप बताती हैं कि सिद्धार्थ ने उनसे पूछा था कि शादी कहां करनी है, तब उन्होंने भारत में शादी करने के लिए कहा था। वे तामझाम से दूर बिना दिखावे के शादी करना चाहती थीं, इसलिए महाकुंभ को चुना। पेनेलोप कहती हैं कि वह कभी भारतीय शादी में शामिल नहीं हुईं थी। और, अब एक इंडियन ब्राइड बनना यादगार पलों में से एक बन गया है। इस बात से तो कोई भी इनकार नहीं कर सकता कि भारतीय लड़के, पश्चिमी देशों के लड़कों के मुकाबले ज्यादा जिम्मेदार व वफादार होते हैं। परिवार से उनका जुड़ाव बहुत ही गहरे तक रहता है। जाहिर है शादी को सफल बनाने के लिए इमोशनल जुड़ाव बहुत जरूरी है। जब पति-पत्नी इमोशनली कनेक्ट रहते हैं तो उनके बच्चे अच्छे, स्वस्थ और मानसिक रूप से मजबूत होते हैं। जिम्मेदार होने की वजह से लंबे समय का साथ मिलने का भरोसा रहता है। अपना भारत ऐसा है जहां के हर कोने-कोने में अलग-अलग तरह के लोग, उनकी खास संस्कृति और रीति रिवाज देखने को मिलते हैं। जिन्हें निभाना उन्हें घुट्टी में पिलाया जाता है। इसलिए वे रिश्ते निभाना बखूबी जानते हैं। ऐसे में अपने कल्चर से इतना गहते तक कनेक्ट होना विदेशी लड़कियों को पसंद आता है। फैमिली के साथ खुश रहना और त्योहार मनाना अच्छा लगता है। फैमिली में यूनिटी और बॉन्डिंग फ्यूचर को लेकर भी एक विश्वास बनाने में मदद करती है। शायद इसीलिए विदेशी गोरियां भारतीय छोरों पर जान लुटाने को भी तैयार रहती हैं।

कांग्रेस के 140 साल

वेदव्यास

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अब 140 साल की हो गई है। 28 दिसंबर 1885 से लेकर आज तक इसका आधुनिक भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। मुझे याद है कि अंग्रेजी शासन की गुलामी से मुक्ति का आंदोलन कांग्रेस ने ही लड़ा था और महात्मा गांधी के नेतृत्व में ही 1947 की आजादी, लोकतंत्र और संविधान भी हम भारत के लोगों को सौंपा था। कांग्रेस देश और दुनिया की सबसे पुरानी पार्टी है और तीसरी दुनिया के अनेक देशों में आजादी और लोकतंत्र की प्रेरणा रही है।

कांग्रेस की लोकप्रियता का ही ये प्रमाण है कि आजादी के बाद 1952 का पहला लोकसभा चुनाव कांग्रेस ने प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की अगुवाई में 364 सीटों पर जीता था। दूसरा 1957 का आम चुनाव भी कांग्रेस ने 371 सीटों पर जीता तो तीसरा लोकसभा चुनाव 361 सीटों से और चौथा चुनाव 1967 में 283 सीटों पर तो 1971 का पांचवां चुनाव 352 सीटों पर जीता था। फिर इंदिरा गांधी ने 1977 में 153 सीटों पर तो 1980 में 351 और राजीव गांधी ने 1984 में 415 सीटों से जीता। 2004 और 2009 में भी फिर कांग्रेस ने ही सोनिया गांधी के साथ केंद्र सरकार बनाई।

राजनीति में क्योंकि जीतने वाला ही सिकंदर और सर्वगुण सम्पन्न माना जाता है। इसलिए 2014 में भारतीय जनता पार्टी के 287 और फिर 2019 के लोकसभा चुनाव 303 सीटों से जीतने के बाद कुछ लोग मानने लगे हैं कि अब हम कांग्रेस मुक्त भारत बनाएंगे। क्योंकि मैं भी 1942 से ही कांग्रेस को सुनता-समझता आया हूं। इसलिए मेरा मानना है कि कांग्रेस एक विचारधारा है, तो समय के साथ हल्की भारी तो हो सकती है, लेकिन आजादी, लोकतंत्र और समता मूलक धर्मनिरपेक्ष भारत की कल्पना से अलग नहीं हो सकती।

आज भारत में सैकड़ों राजनैतिक दल हैं लेकिन इनमें तीन पार्टियां ही ऐसी है। कांग्रेस, कम्युनिस्ट और हिंदू राष्ट्रवादी भाजपा। जो आने वाले समय में प्रासंगिक और राष्ट्रीय आधार का मुख्य कारण रहेंगी। कांग्रेस ने आजादी के बाद भारत में सबसे अधिक समय तक राज किया है। समझने की बात ये है कि भारत में 1947 के बाद जैसे-जैसे लोकतंत्र का विकास हुआ है वैसे-वैसे धर्म, जाति और क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं का भी उदय हुआ है और सेवा की राजनीति भी सत्ता व्यवस्था की भूख में बदली है। जिस तरह संघ परिवार (राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ) से जन संघ और फिर भाजपा निकली है, उसका 1925 से ही एक उद्देश्य और एजेंडा है उसे भारत को हिंदू बहुमत के राष्ट्रवाद में बदलना है। उसी तरह कम्युनिस्टों की भी एक ही विचारधारा रही है कि वो सर्वहारा का समाजवाद लाएगी। लेकिन अब भारत ही क्या पूरी दुनिया में विचारधारा और लोकतंत्र की परिभाषाएं बदल रही हैं जिसे हम ऐसे समझ सकते है कि अब 2024 में लोकतंत्र की गोद से तानाशाह पैदा हो रहे हैं और टैक्नोलौजी और पूंजी के अत्यधिक चुनावी इस्तेमाल से केवल बहुमत के आधार पर एकाधिकारवादी शासन व्यवस्थाएं उभर रही है।

भारत में भाजपा और संघ परिवार ने धर्म और जाति की रथयात्राओं तथा हिंदू बहुसंख्यकों के ध्रुवीकरण से ही 2014 का चुनाव जीता है। इसके पीछे प्रचार की आधुनिक टैक्नोलौजी और उद्योगपतियों की अपार ताकत जुड़ी है। ये पूंजीवादी साम्राज्यवाद का नया रूप है और इसीलिए भाजपा एक नया भारत, हिंदू भारत, आत्मनिर्भर भारत बनाने का अभियान चला रही है। ये छल-बल की राजनीति ही आज भारत में आजादी, लोकतंत्र और संविधान की सबसे अधिक मखौल उड़ा रही है। क्योंकि बहुमत की संसद के आगे न्यायपालिका और कार्यपालिका को लगातार विकलांग बनाया जा रहा है।

दिल्ली चुनाव में कांग्रेस की दुविधा

राजेश कुमार पासी

इस बार दिल्ली के विधानसभा चुनाव कुछ अलग दिखाई दे रहे हैं क्योंकि केजरीवाल कुछ घबराये हुए लग रहे हैं । उनका एक बयान उनकी घबराहट दिखा रहा है कि उन्हें हार का डर सता रहा है। उन्होंने कहा है कि हरियाणा सरकार ने जानबूझकर यमुना के पानी में जहर मिला दिया है जिससे दिल्लीवासियों की मौत हो सकती है। देखा जाए तो ये देश की एक राज्य सरकार पर दूसरे प्रदेश की जनता का सामूहिक नरसंहार करने की साजिश का आरोप है। अगर इसमें थोड़ा सा भी सच होता तो केजरीवाल सरकार सबूत के साथ सुप्रीम कोर्ट में खड़ी दिखाई देती । ये घिनौना और बेतुका आरोप केजरीवाल की घबराहट दिखा रहा है। लोकतंत्र में जनता के मन में क्या है, यह पूरी तरह से किसी को पता नहीं होता है । चुनाव परिणाम आने पर ही पता चलता है कि जनता के मन में क्या है । 2015 और 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में केजरीवाल ने जबरदस्त जीत हासिल करके सरकार बनाई थी लेकिन इस बार आम आदमी पार्टी के लिए चुनाव फंसे हुए दिखाई दे रहे हैं । यह सच है कि इस चुनाव में केजरीवाल मुश्किल में दिखाई दे रहे हैं लेकिन ज्यादा संभावना यही है कि एक बार फिर आम आदमी पार्टी सत्ता में वापिसी कर सकती है। दूसरी बात यह है कि चुनाव जिस तरफ जा रहे हैं इससे लगता है कि जनता भाजपा को भी दिल्ली की सत्ता सौंप सकती है। वैसे तो भाजपा हर चुनाव गंभीरता से लड़ती है, फिर चाहे उसके जीतने की संभावना कितनी भी कम क्यों न हो लेकिन इस बार भाजपा पूरी रणनीति बनाकर केजरीवाल को पटकनी देने की तैयारी कर रही है। 2015 और 2020 के चुनाव परिणामों का विश्लेषण करें तो पता चलता है कि उन चुनावों में भी भाजपा अपना वोट बैंक बचाने में कामयाब रही थी लेकिन कांग्रेस के बड़े वोट बैंक का केजरीवाल के खेमे में चले जाना उसकी बड़ी हार की वजह बना था । दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के वोट छीनकर अपनी जगह बनाई है । कांग्रेस ने जिस तरह से चुनाव में उतरने की तैयारी की थी उससे भाजपा में उत्साह पैदा हो गया था । भाजपा को लगता है कि अगर कांग्रेस अपने वोट बैंक का कुछ हिस्सा आम आदमी पार्टी से वापिस ले लेती है तो दिल्ली में भाजपा की सरकार बन सकती है। भाजपा की समस्या यह है कि कांग्रेस दो कदम आगे बढ़ाती है और फिर तीन कदम पीछे हट जाती है। वास्तव में कांग्रेस की यह समस्या सिर्फ दिल्ली तक सीमित नहीं है बल्कि कांग्रेस का यह हाल पूरे देश में है। अजीब बात यह है कि कांग्रेस की यह समस्या दिल्ली में भाजपा की समस्या बन गई है। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी भाजपा के विरोध में इतना आगे चले गए हैं कि उन्हें कांग्रेस की बर्बादी दिखाई नहीं दे रही है। राहुल गांधी यह समझने को तैयार नहीं हैं कि उनकी लड़ाई सिर्फ भाजपा से नहीं है बल्कि दूसरे विपक्षी दलों से भी है। जहां भाजपा से लड़ने के लिए विपक्षी दलों को साथ लाने की जरूरत है, वहां तो ठीक है लेकिन जहां विपक्षी दल कांग्रेस को नुकसान पहुंचा रहे हैं वहां तो कांग्रेस को सोच समझ कर आगे बढ़ने की जरूरत है। कांग्रेस ने नारा दिया है, 'हाथ बदलेगा हालात' लेकिन सवाल यह है कि जिसके अपने हालात खराब हैं, वो क्या हालात बदलेगा । जिस आम आदमी पार्टी के साथ मिलकर कांग्रेस ने अभी सात महीने पहले लोकसभा चुनाव लड़ा था, उसी पार्टी के सर्वोच्च नेता को कांग्रेस नेता अजय माकन ने एन्टी नेशनल, भ्रष्ट और धोखेबाज कहा है। अजय माकन ने केजरीवाल को एन्टी नेशनल बोलते समय आम आदमी पार्टी के साथ कांग्रेस की दोस्ती को बड़ी गलती माना है। इसके बाद आप और कांग्रेस के बीच तकरार बहुत बढ़ गई है। राहुल गांधी ने केजरीवाल को मोदी की तरह झूठे वादे करने वाला बता दिया है तो केजरीवाल ने राहुल गांधी को कोसना शुरू कर दिया है। केजरीवाल कह रहे हैं कि राहुल गांधी कांग्रेस को बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं लेकिन वो देश बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। हैरानी की बात है कि अचानक राहुल गांधी दिल्ली चुनाव में प्रचार छोड़कर गायब हो गए हैं। इसके अलावा प्रियंका गांधी भी दिल्ली में प्रचार करती दिखाई नहीं दे रही हैं। ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस आलाकमान ने दिल्ली चुनाव को अपनी दिल्ली शाखा के ऊपर छोड़ दिया है। आप और कांग्रेस का आपस में कोई मेल नहीं है लेकिन कांग्रेस ने आप के साथ मिलकर दिल्ली का लोकसभा चुनाव लड़ा था। वास्तव में आप और कांग्रेस के मिलकर चुनाव लड़ने का एकमात्र आधार मोदी विरोध था । जब कांग्रेस मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने से रोक नहीं पाई है तो उसे दिल्ली में अपनी बदहाली की चिंता सताने लगी है। लगातार पंद्रह वर्ष तक दिल्ली में शासन करने वाली कांग्रेस अब विपक्ष से भी गायब हो चुकी है। आज दिल्ली में कांग्रेस का एक भी विधायक नहीं है। दिल्ली के कांग्रेस नेताओं को लगता है कि अब वो केजरीवाल के खिलाफ लड़ते दिखाई नहीं दिये तो दिल्ली से कांग्रेस बिल्कुल साफ हो जाएगी । दूसरी तरफ राहुल गांधी अभी भी दुविधा में दिखाई दे रहे हैं। उन्हें लग रहा है कि अगर कांग्रेस केजरीवाल के खिलाफ गंभीरता से लड़ती है तो इसका फायदा भाजपा को मिल सकता है। राहुल गांधी को कांग्रेस का आगे बढ़ना तो अच्छा लगता है लेकिन इससे भाजपा को थोड़ा सा भी फायदा नहीं होना चाहिए। राहुल गांधी की यह समस्या दिल्ली तक सीमित नहीं है बल्कि कई प्रदेशों में यही हालात हैं। बंगाल में ममता बनर्जी ने कांग्रेस का सफाया कर दिया है और गठबंधन में होने के बावजूद बंगाल में कांग्रेस को कोई जगह देने को तैयार नहीं हैं। कहने को तो बंगाल में कांग्रेस ने तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ चुनाव लड़ा था लेकिन ममता बनर्जी के खिलाफ राहुल गांधी ने बोलते दिखाई नहीं दिये। राहुल गांधी यह समझने को तैयार नहीं हैं कि विपक्षी दलों ने राज्यों की राजनीति से कांग्रेस को बाहर किया है । जहां भाजपा से कांग्रेस से सत्ता छीनी है, वहां कांग्रेस विपक्ष में बनी हुई है लेकिन जहां विपक्षी दलों ने कांग्रेस से सत्ता छीनी है, वहां तो कांग्रेस विपक्ष से भी बाहर हो गई है। विपक्षी दलों के पास जो जनाधार है, वो उन्होंने कांग्रेस से ही छीना है । कांग्रेस को अपना जनाधार वापिस लेने के लिए भाजपा के साथ-साथ विपक्षी दलों से भी लड़ना है। अब कांग्रेस के लिए जरूरी हो गया है कि अगर उसे अपनी राजनीति बचानी है तो विपक्षी दलों के खिलाफ भी उसी गंभीरता से लड़ना होगा जितनी गंभीरता से भाजपा से लड़ रही है। दिल्ली में अगर आम आदमी पार्टी चुनाव हार जाती है तो उसके लिए पंजाब और दूसरे प्रदेशों में मुश्किल खड़ी हो जाएगी । पंजाब में भाजपा ने नहीं बल्कि आप ने कांग्रेस से सत्ता छीनी है। अगर आप दिल्ली में हारती है तो इसका फायदा पंजाब में कांग्रेस को मिलेगा। राहुल गांधी को समझना होगा कि केजरीवाल ने कांग्रेस को सिर्फ दिल्ली और पंजाब में ही नहीं बल्कि गुजरात, हिमाचल प्रदेश, गोआ और हरियाणा में भी नुकसान पहुंचाया है ।

किस विधान से बनते है महामंडलेश्वर ममता कुलकर्णी की दीक्षा पर विवाद क्यों?

रामस्वरूप रावतसरे

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में जारी महाकुंभ में बॉलीवुड अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने 24 जनवरी 2025 को गृहस्थ जीवन का त्याग करते हुए संन्यास ले लिया था। इसके बाद किन्नर अखाड़े में उन्हें महामंडलेश्वर बनाया गया है। संन्यास के बाद ममता कुलकर्णी ने अपना नया नाम श्री यमाई ममतानंद गिरि रखा लिया है। वहीं ममता कुलकर्णी के महामंडलेश्वर बनाने पर विवाद खड़ा हो गया है। इससे कई संत नाराज बताए जा रहे हैं। वहीं कई संत इससे कोई इत्तेफाक नहीं रखते। ममता कुलकर्णी के अनुसार यह कदम उन्होंने दो साल की तपस्या के बाद और महादेव एवं महाकाली के आदेश पर उठाया है। साल 2013 में स्थापित किन्नर अखाड़े से जुड़ीं महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरि ने कहा था कि ममता कुलकर्णी ने आध्यात्मिक मार्ग अपनाया है और अब अपना जीवन धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यों में समर्पित करेंगी। जानकारी के अनुसार नाराज संतों में से एक शांभवी पीठ के पीठाधीश्वर स्वामी आनंद स्वरूप का कहना है कि ममता कुलकर्णी का बहुत बड़ा नाम है और किन्नर अखाड़े के लोग उनके नाम पर व्यापार करेंगे। उन्होंने कहा कि ममता का विषय बहुत घातक और धर्म के खिलाफ है। किन्नर अखाड़े को मान्यता देकर पिछले कुंभ में महापाप हुआ था। अब कुंभ का मजाक बनाने का प्रयास किया जा रहा है। स्वामी आनंद स्वरूप के अनुसार जिस प्रकार की अनुशासनहीनता हो रही है, वो बहुत घातक है। उन्होंने इसे सनातन धर्म के साथ छल बताया। उन्होंने कहा, "मैंने ममता से कहा कि इन लोगों (किन्नर अखाड़ा) के जाल में मत पड़ो। स्त्री के लिए संन्यास नहीं है। ऐसी तमाम परंपरा है जिसमें तुम विरक्त होकर रह सकती हो। ऐसी जगह (किन्नर अखाड़ा में) ना गिरो कि लोग तुम्हारे ऊपर थूकें।' स्वामी आनंद स्वरूप ने आगे कहा, 'इस अखाड़े को लोग मजाक में ले रहे हैं। वहाँ ज्ञान-भक्ति की बात नहीं हो रही।'हालाँकि, कुछ संत ममता कुलकर्णी और किन्नर अखाड़े के पक्ष में खड़े हो गए हैं। इनमें अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्र पुरी और भैरव अखाड़ा कहलाने वाला श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि भी शामिल हैं। अखाड़ा परिषद के रवींद्र पुरी के अनुसार 'वैराग्य कभी भी आ सकता है। मैं चाहूँगा कि सही मायने में महामंडलेश्वर का जो अर्थ है, अगर ममता जी उसके अनुसार चलेंगी तो पूरे देश में हमारी अध्यात्म परंपरा उच्च शिखर पर पहुँचेगी। वैराग्य किस पर आए, यह कोई नहीं कह सकता। हमारी परंपरा में कई बड़े-बड़े ऋषि रहे, जो डाकू थे, वो बहुत बड़े संत हो गए। ममता जी को आध्यात्मिक जगत में प्रवेश बहुत अच्छी बात है।' उन्होंने कहा कि महामंडलेश्वर का अर्थ है 'मंडल का ईश्वर'... एक मंडल लेकर उनको चलना है। उनके साथ सैकड़ों संत होने चाहिए। वो धर्म का प्रचार-प्रसार करें। ममता पर ड्रग्स के आरोपों को लेकर रवींद्र पुरी ने कहा, "इससे पूर्व में वो क्या थीं, वो जानने की आवश्यकता नहीं है। उन पर पूर्व में जो भी आरोप लगे, वो सिद्ध नहीं हो पाए। देश में जितनी बड़ी हस्तियां हैं, उन पर आरोप लगते रहते हैं।' वहीं, जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि के अनुसार ''संन्यास लेने का अधिकार सबको है। अपनी मोह-माया और हर प्रकार की सांसारिकता त्याग कर कोई व्यक्ति श्रेष्ठ कार्यों के लिए, लोक कल्याण के लिए, परमार्थ के कार्य करने के लिए आना चाहता है तो उसका स्वागत है।'जूना अखाड़े के प्रवक्ता नारायण गिरी ने कहा, "फिल्म अभिनेत्री बनना कोई दोष नहीं है। हमारे यहाँ एक वेश्या को भी गुरु बनाया गया था। योग्यता से किसी को भी महामंडलेश्वर बनाया जा सकता है। इसमें कोई भी पुरुष, महिला या किन्नर कोई भी पदवी प्राप्त कर सकते हैं।' उन्होंने कहा कि देश के विद्वान, राष्ट्रहित में कार्य करने वाले, आध्यात्मिक या सामाजिक कार्यकर्ता को महामंडलेश्वर की उपाधि देते हैं। किन्नर अखाड़ा 2019 में रजिस्टर्ड हुआ था। वो जूना अखाड़े की एक शाखा है। किन्नरों को हिंदू परंपरा से जोड़ने के लिए श्री महंत जी महाराज ने अखाड़े में शामिल किया था। जब कोई अखाड़ा पूर्ण रूप से बन जाता है तो उसे अधिकार है कि वो किसी को महंत, साध्वी या महामंडलेश्वर बनाएँ। हर अखाड़े के अपने मापदंड होते हैं और वे फैसले लेने के लिए स्वतंत्र होते हैं।' जानकारी के अनुसार अखाड़ों में महामंडलेश्वर का पद प्रभावशाली माना जाता है। हर अखाड़े में महामंडलेश्वर बनाने की प्रक्रिया अलग-अलग है। महामंडलेश्वर छत्र-चंवर लगाने और चाँदी के सिंहासन पर बैठने का अधिकारी होता है। महामंडलेश्वर की इस सिंहासन पर बैठाकर छत्र-चंवर के साथ सवारी निकाली जाती है।

पेंडिंग फाइलों का दर्द

डॉ. सुरेश मिश्रा

शहर का नाम था दफ्तरपुर। यह शहर अपने सरकारी दफ्तरों की सुस्ती और पेंडिंग फाइलों के अम्बार के लिए प्रसिद्ध था। दफ्तरपुर के केंद्रीय कार्यालय में कार्यरत थे श्री पुरुषोत्तम बाबू, जिन्हें सहकर्मी प्यार से पेंडिंग महाराज कहते थे। पुरुषोत्तम बाबू का जीवन एक अजीब संघर्ष था। वे सुबह चाय की सुड़कियों के साथ फाइलों को देख कर गहरी सांस भरते और सोचते, आज ये फाइल खत्म कर दूँगा। लेकिन जैसे ही दफ्तर पहुँचते, उनकी सारी योजनाएँ कल के लिए स्थगित हो जातीं। दफ्तर में उनका छोटा-सा कक्ष था, जिसमें फाइलों का ढेर उनकी कुर्सी से ऊँचा था। हर सुबह वे एक नई फाइल पर हस्ताक्षर करने का प्रण लेते, लेकिन चपरासी रामलाल आकर तुरंत उनका ध्यान भटका देता, साहब, चाय ले आऊँ या समोसे भी चाहिए? फिर साहब सोचते, समोसे खाकर ताकत मिलेगी, ताकत से फाइलें जल्द निपटेंगी। और इसी विचार के साथ सुबह का समय बीत जाता। लंच के बाद का समय दफ्तरपुर के दफ्तरों में विशेष रूप से आराम काल माना जाता था। साहब के लिए यह समय गहन चिंतन और फाइलों पर भविष्यवाणी का होता। वे फाइलों को देखते और कहते, यह फाइल तो अगले हफ्ते ही खत्म होगी। एक दिन की बात है। मुख्य सचिवालय से आदेश आया कि दफ्तरपुर का हर लंबित मामला सात दिन के भीतर निपटाया जाए। यह सुनते ही दफ्तरपुर में खलबली मच गई। पुरुषोत्तम बाबू के चेहरे पर चिंता की गहरी रेखाएँ उभर आईं। चपरासी रामलाल ने साहब से पूछा, साहब, अब क्या करेंगे? साहब बोले, पहले चाय पियेंगे। बड़ी समस्याओं का हल चाय के बिना नहीं निकलता। रामलाल चाय ले आया। चाय की चुस्की लेते हुए साहब ने निर्णय लिया, आज से फाइलों पर रात-दिन काम होगा। लेकिन अगले ही पल उनके सामने कुर्सी की चटकती आवाज़ आई। उनकी कुर्सी, जो वर्षों से उनके वजन और सुस्ती का बोझ झेल रही थी, अचानक टूट गई। यह तो अशुभ संकेत है! साहब बोले। रामलाल ने तुरंत नई कुर्सी लाने का वादा किया, लेकिन साहब बोले, नई कुर्सी पर बैठने से पुराने काम कैसे पूरे होंगे? फिर भी, साहब ने टूटे हुए फर्नीचर को नजरअंदाज कर एक फाइल खोली। यह फाइल गाँव के तालाब के पुनर्निर्माण की थी। यह फाइल पिछले पाँच साल से उनकी मेज पर थी। साहब ने सोचा, तालाब के पानी को सूखने में पाँच साल लगे, फाइल का सूखना तो स्वाभाविक है। जब साहब ने फाइल पर हस्ताक्षर करने का प्रयास किया, तो उन्हें पता चला कि उनकी पेन में स्याही खत्म हो गई है। रामलाल को पेन लाने भेजा गया। लेकिन रामलाल ने पेन के बदले समोसे लाकर दे दिए। साहब ने सोचा, चलो, पहले समोसे खा लें, फिर काम करेंगे। इस प्रकार सात दिन बीत गए, लेकिन फाइलें जस की तस रहीं।

तिब्बती रामायण में रावण की बेटी हैं सीता तो राम दशरथ के बड़े नहीं बल्कि छोटे बेटे हैं

हम जिस रामायण की बात कर रहे हैं। उसमें राम और रावण का युद्ध भी होता है। राम विजयी भी होते हैं लेकिन इसमें बहुत कुछ डिफरेंट है। ये कहती है कि सीता तो रावण की बेटी थीं, जिसे बचपन में बहा दिया गया। इसमें ये भी लिखा गया कि रावण पूरी की पूरी जमीन उखाड़कर ही सीता का हरण करता है।

रामायण के तिब्बती संस्करण की खोज 1929 में एफडब्ल्यू थॉमस द्वारा की गई थी। एक शाही रामायण है, दरअसल ये रामायण दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया के राजाओं के बीच लोकप्रिय थी। तिब्बत में इस रामायण की पांडुलिपियां एक गुफा में मिलीं। उसके आधार पर पता लगा कि तिब्बती रामायण में राम - सीता की कहानी कुछ अलग सी है। मसलन सीता का असल पिता रावण था। उसे पहले ही बता दिया गया था कि इस बेटी के कारण उसे जान से हाथ धोना होगा।

रामायण एक हिंदू महाकाव्य है जो लगभग 300 वर्ष पुराना है। पूर्वी एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया, दक्षिण एशिया और पश्चिम एशिया में रामायण के 30 से ज्यादा संस्करण हैं। खुद भारत में जैन रामायण और बौद्ध रामायण अलग तरह की कहानियां कहती हैं। रामायण का सबसे पुराना संस्करण संस्कृत में है, जिसका श्रेय ऋषि नारद को दिया जाता है। नारद ने ये कहानी बाल्मीकि को बताई, जिन्होंने फिर बाल्मीकि रामायण लिखी, जो रामायण का सबसे पुराना संस्करण है।

20वीं सदी की शुरुआत में चीन के शिनजियांग प्रांत में सिल्क रोड के पूर्वी छोर पर एक पुरातात्विक स्थल दुनहुआंग की मोगाओ गुफाओं में रामायण के अंशों वाली 06 अधूरी पांडुलिपियां मिलीं। ये तिब्बती भाषा में लिखी गईं थी, जो 8वीं शताब्दी की मानी गईं। ये शाही रामायण की प्रारंभिक शैली से संबंधित है, जो भारत के बाद के भक्ति रामायणों के विपरीत, दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया के राजाओं के बीच लोकप्रिय थी।

यहां दशरथ अर्हतों (बौद्ध संतों) की पूजा करते हैं। उन्हें बच्चे नहीं हो रहे होते हैं तो देवताओं द्वारा एक फूल दिया जाता है। ये फूल ये कहकर दिया जाता है कि ये तुम अपनी प्रिय रानी को दे देना, उससे संतान पैदा होगी। ये फूल दशरथ प्रमुख छोटी रानी को देते हैं। छोटी रानी पुत्र राम को जन्म देती है लेकिन उससे कुछ दिन पहले ही बड़ी रानी लक्ष्मण को जन्म देती है। इस तरह ये रामायण ये कहती है कि लक्ष्मण बड़े भाई होते हैं और राम छोटे। ये रामायण भरत और शत्रुघ्न के बारे में कोई चर्चा नहीं करती। राजा दशरथ ये तय करने में असमर्थ रहते हैं कि राजा किसको बनाया जाए। छोटी रानी के बेटे राम को राजा चुना जाता है, लेकिन वह लक्ष्मण के लिए राजगद्दी छोड़ देते हैं। हालांकि लक्ष्मण भी इसको स्वीकार नहीं करते। बदले में राम की पादुकाएं सिंहासन पर रखते हैं और खुद मंत्री बनना चुनते हैं। ये रामायण राम के वनवास के बारे में कुछ नहीं कहती।

यहां सीता रावण की बेटी हैं (जैसा कि जैन रामायण में है)। उसे चेतावनी मिलती है ये बेटी उसकी मृत्यु का कारण बनेगी।लिहाजा रावण अपनी इस बेटी के त्याग करने का फैसला करता है। उसे एक तांबे के बक्से में रखकर समुद्र में फेंक देता है। ये बक्सा एक एक किसान को मिलता है, जो सीता को पालता और बड़ा करता है। वह सीता का नाम रोलर्नेडमा रखता है।

ये कन्या राम से विवाह कर लेती है। विवाह के बाद राम उसका नाम सीता रखते हैं। रावण की बहन फुरपाला चाहती है कि राम उससे शादी कर लें लेकिन जब उसे वह अस्वीकार कर देते हैं तो वह नाराज होकर रावण से शिकायत करती है।

तिब्बती रामायण में राम को रमण के तौर पर उद्धृत किया जाता है। जब राम हिरन के शिकार पर जाते हैं तो लक्ष्मण भी उनके पीछे जाते हैं। तब रावण को मौका मिलता है और वह सीता का हरण के लिए एक सुंदर हाथी का रूप धरकर आता है। उन्हें अपने ऊपर बैठने के लिए ललचाता है। फिर वह घोड़े का रूप धारण कर लेता है। सीता दोनों ही बार जब मना कर देती है तो वह सीता को जमीन समेत उखाड़कर अपहरण कर लेता है। वह सीता को इसलिए नहीं छूता क्योंकि उसको डर है कि सहमति के बगैर छूने पर वह आग की लपटों में घिर जाएगा।

सीता की तलाश करते समय राम जब काली नदी के पास पहुंचते हैं तो उनकी मुलाकात सुग्रीव से होती है, जिसकी आंखों, कानों और नाक से खून बह रहा है, क्योंकि उसके बड़े भाई बाली ने उसे बुरी तरह पीटा है। राम की मदद से सुग्रीव बड़े भाई बाली को मार देता है। इसके बदले वह सीता को खोजने में मदद का वादा करता है।

तिब्बती रामायण की एक अनूठी विशेषता पत्रलेखन है। इसमें ये कहा जाता है कि सुग्रीव राज संभालते हैं लेकिन जल्दी ही उनकी मृत्यु हो जाती है तो हनुमान को सुग्रीव के बाद राजा बनाया जाता है। जब वह राम के सीता को खोजने के काम को लेकर उदासीन हो जाते हैं तब राम उन्हें पत्र लिखकर संपर्क में नहीं रहने के लिए डांटते हैं।

जब राम और रावण का युद्ध होता है तो रावण अदृश्य हो जाता है। तब राम ने उसको क्षत्रिय धर्म का पालन करते हुए अपने शरीर का कम से कम एक हिस्सा दिखाने की चुनौती देते हैं। तब रावण केवल अपने दाहिने पैर का अंगूठा प्रकट करता है। इसको राम ये पता लगाने में सक्षम हो जाते हैं कि उनके दसों सिर कहां होंगे। वह सारे सिरों को खत्म कर देते हैं।

तिब्बती रामायण में राम सीता की पवित्रता पर संदेह करते हैं। उन्हें महल से बाहर भेज देते हैं। तब हनुमान सीता की बेगुनाही को लेकर बहस करते हैं। राम इससे सहमत होते हैं और सीता को वापस बच्चों के साथ महल में लेकर आते हैं। फिर वो खुशी से एक साथ रहने लगते हैं।

बेहद शक्तिशाली है बिना सिर वाली माता रानी का मंदिर

शादीशुदा जोड़ों के लिए दर्शन शुभ

झारखंड स्थित माता मंदिर की की खास बात यह है कि यह माता रानी का शक्तिपीठ है। यहां पर कपल्स को माता रानी खुद आशीर्वाद देती हैं और वैवाहिक जीवन के मंगल कामना के लिए लोग आते हैं।

ऐसे कई सारे पति-पत्नी है जो शादी के बाद तुरंत बाद जाते हैं और बच्चे की कामना भी करते हैं और उनकी कामना पूरी भी होती है और अगली बार वह बच्चे के साथ आते हैं।

कहा जाता है, माता के सामने आप जो मांगे वह मिलेगा, यह एक बहुत ही प्रभावशाली व शक्तिशाली शक्तिपीठ है। जहां पर कई सारे लोग साधना करने भी आते हैं।इसलिए इस जगह का वाइब्रेशन और चैतन्य अद्भुत है।

मंदिर के ठीक बगल में दामोदर और भैरवी नदी बहती है।इन दोनों के संगम में ही यह मंदिर है।इसीलिए यह मंदिर और भी पवित्र माना जाता है।दामोदर नदी को तो झारखंड का गंगा भी कहा जाता है।क्योंकि, यहां साक्षात श्री राम भगवान ने अपने आशीर्वाद से पेड़ के जड़ से इसे निकाला था।

माता सीता दामोदर नदी के पानी से ही खाना बनाया करती थी और स्नान और दिनचर्या का काम किया करती थी।यही कारण है कि इस नदी को काफी पवित्र माना जाता है और कपल इस नदी में डुबकी लगाते हैं और मंगल जीवन की कामना करते हैं।

कहा जाता है यहां जो भी कपल साथ में आते हैं उनका वैवाहिक जीवन बहुत ही मजबूत होता है, रिश्ते में प्यार होती है सम्मान होता है व मर्यादा होता है और शादी जन्म जन्म तक चलती है।

तो ऐसे में अगर आपकी शादी अभी हाल फिलहाल होने वाली है या हो गई है तो एक बार आशीर्वाद लेने आपको इस माता रानी के मंदिर में जरूर जाना चाहिए।

यहां पर पूजा पाठ करने के लिए झारखंड ही नहीं बल्कि, बिहार, छत्तीसगढ़, उड़ीसा जैसे राज्यों से भी लोग दौड़े चले आते हैं।

मौनी अमावस्या पर 5 डुबकी लगाना क्यों है जरूरी?

मौनी अमावस्या का पावन पर्व 29 जनवरी बुधवार को है। इस अवसर पर प्रयागराज के महाकुंभ में करोड़ों लोग गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम में आस्था की डुबकी लगाने के लिए पहुंच रहे हैं। मौनी अमावस्या के दिन पवित्र संगम, गंगा, यमुना नदी में स्नान और उसके बाद दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। मौनी अमावस्या पर महाकुंभ का दूसरा अमृत स्नान है, जो काफी महत्वपूर्ण है। यदि आप महाकुंभ में मौनी अमावस्या का स्नान करने गए हैं तो आपको 5 डुबकी जरूर लगानी चाहिए। कृष्णगिरि पीठाधीश्वर वसंत विजय जी महराज ने श्रद्धालुओं को मौनी अमावस्या पर स्नान के समय 5 डुबकी लगाने के महत्व और उसके फायदे को बताया है।

पहली डुबकी

आपको पहली डुबकी पूर्वमुखी होकर लगानी है यानि जब आप स्नान करने जाएं तो सबसे पहले आप अपना मुख पूर्व दिशा में कर लें और फिर आस्था की पहली डुबकी लगाएं। डुबकी से पूर्व आपको गंगा, यमुना, सरस्वती और जल देवता को प्रणाम करना है।

दूसरी डुबकी

फिर उसी अवस्था में यानि पूर्वमुखी रहकर ही दूसरी डुबकी लगानी है। दूसरी डुबकी लगाने से आपको अपने कुल देवता और इष्ट देवता की कृपा प्राप्त होगी।

तीसरी डुबकी

अब आपको तीसरी डुबकी उत्तर दिशा में मुख करके लगानी है। उत्तरमुखी तीसरी डुबकी लगाने से आपको भगवान शिव, माता पार्वती, समस्त सप्त ऋषियों, मुनि, गुरुओं की कृपा आपको प्राप्त होगी। उनका आशीर्वाद आपको मिलेगा।

चौथी डुबकी

इसके बाद आपको चौथी डुबकी पश्चिम मुखी यानि पश्चिम दिशा में मुख करके लगानी है। इस डुबकी को लगाने से आपको किन्नर, यक्ष, गुरुड़ आदि समस्त आदि वर्गों का, 33 कोटि देवी और देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होगा।

पांचवी डुबकी

सबसे अंत में पांचवी डुबकी दक्षिण दिशा में मुख करके लगानी है। यह डुबकी अपने समस्त पितरों की सदगति, अपने पितरों के कल्याण के लिए लगानी है। मौनी अमावस्या के दिन इन पांच डुबकी से आपके सब कार्य सफल सिद्ध होंगे। आपको सभी देवी, देवताओं, पितरों आदि का आशीर्वाद प्राप्त होगा। आपकी उन्नति होगी।

अनमोल वचन

जीवन मैं संकोच ना करे जो आपके हाथ में था आपने कर दिया ।

सफलता वही प्राप्त करता है जो विचारों के साथ उसपे कार्य भी करता है ।

महान विचार होने अच्छी बात है पर बिना मेहनत आप उन विचारों पर कार्य कैसे करोगे ।

अपने दुष्प्रभावों से जो व्यक्ति लड़ जाता है उसे फिर कोई नहीं हरा सकता है ।

एक बात हमेशा याद रखो आज भले सौ दुख हो पर कभी सच्चाई के रास्ते से ना हटे क्योकि वो कल आपको आज से अधिक पीड़ा देगा ।

जिस तरह चिड़िया एक -एक तिनका इकट्ठा कर अपना घर बनाती है उसी तरह जीवन में एक – एक कदम से व्यक्ति अपनी मंज़िल तक पहुँच सकता है ।

जीवन मैं दुख और परिश्रम कितना ही क्यों ना आ जाये अगर आप को ख़ुद पर अटूट विश्वास है तो आप हर जगह से निकल सकते हो ।

चाहे आज कोई बेईमान व्यक्ति आगे क्यों न हो पर जीवन में सच्चाई की बिना वो ज़्यादा समय तक खुश नहीं रह सकता ।

किसी को छोटा या बड़ा ना समझे रात में एक दीपक ही अंधकार में रोशनी देता है ।

जब एक पत्ता डाली से गिरता है तो वो कहता है बोझ बढ़ने पर सबको गिरना ही है ।

प्रकृति हमे अक्सर सिखाती है की आप कितने भी बड़े हो जाओ एक हवा का झोंका सब कुछ उजाड़ सकता है ।

नसीब के भरोसे ना रहो क्योकि जिस तरह आपका परिश्रम होगा नसीब भी उसी तरह बदलता जाएगा ।

इस योग में किए गए काम जरूर होते हैं सफल नहीं पड़ता कोई विघ्न!

सर्वार्थ सिद्धि योग में किए गए काम सफल होते हैं।

इस योग में धार्मिक अनुष्ठान, पूजा पाठ करने से लाभ मिलता है।

सर्वार्थ सिद्धि योग में शुरू किए गए काम निर्विघ्न पूरे होते हैं।

ज्योतिष शास्त्र और वैदिक पंचांग में व्यक्ति की सभी समस्याओं के समाधान का वर्णन किया गया हैं। व्यक्ति के सभी कार्य, निवेश और जीवन को सुखी करने के लिए उपयोगी और महत्वपूर्ण बातें बताई गई हैं। ज्योतिष शास्त्र के जानकार ग्रहों, नक्षत्र, योग आदि से होने वाले सभी अच्छे बुरे प्रभाव की जानकारी देते हैं। योग, नक्षत्र, ग्रहों आदि सभी का विस्तार पूर्वक वर्णन वैदिक पंचांग में मिल जाता है। वैदिक पंचांग के मुताबिक हर रोज अलग-अलग नक्षत्र, योग का आगमन होता है।

इस योग का है खास महत्व

ज्योतिष शास्त्र में कुल 27 योगों का वर्णन आता है। सभी योग अलग-अलग कार्यों के लिए बताए गए हैं जो व्यक्ति के जीवन को स्वास्थ्य संबंधी, धन संबंधी, करियर संबंधी प्रभावित करते हैं। इन सभी योगों को दो भागों शुभ और अशुभ में बांटा गया है। कुछ योग शुभ परिणाम देते हैं तो कुछ योग व्यक्ति के जीवन पर नकारात्मक रूप से प्रभाव डालते हैं। इन सभी योगी में सर्वार्थ सिद्धि योग का अपना अलग महत्व बताया गया है।

शुभ योग माना जाता है

सर्वार्थ सिद्धि योग का सभी योगों में अपना अलग महत्व होता है। ज्योतिष शास्त्र में इस योग को सभी शुभ योग में विशेष महत्व दिया गया है। अगर आप कोई शुभ कार्य करना चाहते हैं तो सर्वार्थ सिद्धि योग में करने पर उसका सकारात्मक फल कई गुना प्राप्त होता है।

इस खास योग में धार्मिक अनुष्ठान, पूजा पाठ, व्रत आदि करने से लाख गुना फल मिलता है। सर्वार्थ सिद्धि योग अनुबंध करने, नौकरी के लिए आवेदन करने, गाड़ी खरीदने, घर बनवाने की शुरुआत करने, सरकारी परीक्षा की तैयारी शुरू करने, चुनाव लड़ने की प्रक्रिया शुरू करने, वस्त्र-आभूषण खरीदने, वाद विवाद से छुटकारा पाने के उपाय की शुरुआत करने आदि के लिए विशेष महत्वपूर्ण होता है। उपरोक्त इन सभी कार्यों की शुरुआत यदि सर्वार्थ सिद्धि योग में की जाए तो व्यक्ति के सभी कार्य निर्विघ्न रूप से संपन्न हो जाते हैं।

इस अंक वालों के घर धन आने के योग

अंक 1 (किसी भी माह की 1, 10, 19 और 28 तारीख को जन्मे लोग)

गणेशजी कहते हैं कि मूलांक 1 वालों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आप अपनी बुद्धि और समझदारी का प्रयोग करके अपने सभी कार्यों को अच्छे से पूरा करेंगे। अपने पिता से सलाह लेकर कोई काम करेंगे तो आपको अपार लाभ मिलेगा। आपको पारिवारिक सुख मिलेगा। आप परिवार के साथ मिलकर नया घर खरीदने के बारे में भी सोच सकते हैं।

अंक 2 (किसी भी माह की 2, 11, 20 या 29 तारीख को जन्मे लोग)

गणेशजी कहते हैं कि मूलांक 2 वालों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है। आपको अपना काफी समय से रुका हुआ पैसा मिल जाएगा। आज आप मानसिक रूप से बहुत खुश और प्रसन्न महसूस करेंगे। अपनी सभी बाधाओं का समाधान मिलेगा। सभी रुके हुए काम पूरे होंगे। परिवार की बात करें तो पारिवारिक खुशियां भी बनी रहेंगी। आज आप अपने जीवनसाथी और परिवार के सदस्यों के साथ अच्छा और खुशनुमा दिन बिताएंगे।

अंक 3 (किसी भी माह की 3, 12, 21, 30 तारीख को जन्मे लोग)

गणेशजी कहते हैं कि आज मूलांक 3 वालों के लिए समय अनुकूल है। आज आप अपनी बुद्धि और समझदारी का उपयोग करके अपने सभी कार्यों को पूरा करेंगे। आज आपके मन में बहुत गहरे और आध्यात्मिक विचार आएंगे जो भविष्य में आपको किसी अच्छे निष्कर्ष पर पहुंचाएंगे। पारिवारिक जीवन की बात करें तो आज आप परिवार के सदस्यों के साथ किसी पूजा-पाठ, हवन या किसी भी तरह के अनुष्ठान पर चर्चा कर सकते हैं।

अंक 4 (किसी भी माह की 4, 13, 22 या 31 तारीख को जन्मे लोग)

गणेशजी कहते हैं कि अंक 4 वालों का दिन आज मुश्किलों से भरा रहेगा। आज धर्म के विरुद्ध, किसी गुरु या भिखारी के विरुद्ध कटु वचन न बोलें अन्यथा भविष्य में आपको कोई शारीरिक कष्ट हो सकता है। आज आपके ज्ञान और चतुराई में बहुत आंतरिक मतभेद रहेंगे। अपने व्यवहार में थोड़ी शांति बनाए रखें और अगर आप नरमी से बात करेंगे तो यह अधिक प्रभावी रहेगा। घर की समस्याओं को लेकर आप अपने जीवनसाथी से कुछ बहस भी कर सकते हैं। कुल मिलाकर आज आपको घर में शांति बनाए रखनी होगी और घर के बड़ों का खास ख्याल रखना होगा। आपको कोई नया काम शुरू करने से बचना चाहिए।

अंक 5 (किसी भी माह की 5, 14, 23 तारीख को जन्मे लोग)

गणेशजी कहते हैं कि मूलांक 5 वालों का दिन आज कुछ खास नहीं रहेगा। आज आपके कार्यों के बारे में सोचने और उन्हें पूरा करने में बहुत अंतर रहेगा, जिसके कारण आप किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पाएंगे। बहुत शांत रहना होगा। कोई भी काम करने से पहले अपनी बुद्धि और विवेक का खूब इस्तेमाल करें और बहुत सोच-समझकर आगे बढ़ें। आज आपको अपने व्यापार और नौकरी में आगे बढ़ने के कुछ नए अवसर मिलेंगे। परिवार में भी आज का दिन मिला-जुला रहने वाला है। जीवनसाथी के साथ भी आज का दिन सामान्य रहेगा।

अंक 6 (किसी भी माह की 6, 15 या 24 तारीख को जन्मे लोग)

गणेशजी कहते हैं कि मूलांक 6 वालों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आज कुछ बाधाएं आपको परेशान करेंगी। बस आज थोड़ा धैर्य से काम लें, क्योंकि आपके सोचे हुए काम आज पूरे नहीं हो पाएंगे।

आज आप अपनी संतान के स्वास्थ्य को लेकर भी चिंतित रहेंगे, लेकिन अगर आप धैर्य से काम लेंगे तो आपको उसका समाधान भी मिल जाएगा। आज कामकाज को लेकर भागदौड़ ज्यादा रहेगी, लेकिन अगर आप जीवनसाथी से विचार-विमर्श करके कोई फैसला लेंगे तो वह आपके लिए काफी फायदेमंद साबित होगा।

राजामौली की फिल्म में अभिनेता जॉन अब्राहम की एंट्री

साउथ अभिनेता महेश बाबू और एसएस राजामौली की आगामी फिल्म एसएसएमबी29 को लेकर कई जानकारी लगातार सामने आ रही है। फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर जो जानकारी सामने आई है उसके अनुसार, इस फिल्म में अब प्रियंका चोपड़ा के बाद एक और बॉलीवुड अभिनेता का नाम शामिल हो गया है, जिन्होंने फिल्म में पृथ्वीराज को रिप्लेस दिया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जॉन अब्राहम की वजह से पृथ्वीराज सुकुमारन एसएस राजामौली की फिल्म एसएसएमबी 29 का हिस्सा नहीं होंगे। फिल्म एसएसएमबी29 में कथति तौर पर अब पृथ्वीराज की जगह जॉन अब्राहम को ले लिया गया है। वहीं, प्रियंका कुछ दिन पहले ही शूटिंग के लिए महेश बाबू के साथ हैदराबाद पहुंची थीं।

दरअसल, मीडियो रिपोर्ट्स के अनुसार, जॉन अब्राहम को प्रियंका चोपड़ा और महेश बाबू की SSMB29 में लिया गया है। अभिनेता ने पृथ्वीराज सुकुमारन की जगह ली है, जो मूल पसंद थे, लेकिन बात नहीं बन पाई। जॉन के साथ प्रियंका चोपड़ा के भी कई सीन हैं, जिनकी शूटिंग हैदराबाद में ही होगी।

प्रियंका और महेश बाबू ने अपनी भूमिकाओं के लिए शूटिंग शुरू कर दी है और जॉन जल्द ही उनके साथ जुड़ने की संभावना है। वहीं दूसरी ओर जॉन अपनी फिल्म 'द डिप्लोमैट' की रिलीज का भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म एक पाकिस्तान में फंसी एक भारतीय लड़की को बचाने के मिशन पर है, जहां उसे जबरन शादी के लिए मजबूर किया गया था। कुमुद मिश्रा, शारिब हाशमी और अश्वथ भट्ट जैसे कलाकारों से सजी यह फिल्म 7 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

प्रियंका की आखिरी बॉलीवुड फिल्म राजकुमार राव के साथ द व्हाइट टाइगर थी। यह फिल्म 2021 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रियंका, आलिया भट्ट और कैटरीना कैफ के साथ फिल्म जी ले जरा में नजर आएंगी। इसके अलावा प्रियंका सिटाडेल सीजन 2 में नजर आएंगी।

अल्लू अर्जुन की अगली फिल्म पौराणिक कथा पर आधारित होगी?

अल्लू अर्जुन हाल ही में 'पुष्पा 2 द रूल' में नजर आए थे। इस फिल्म में उन्होंने अपने दमदार अभिनय से लोगों का दिल जीत लिया। अब उनकी आगामी फिल्मों को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगनी शुरू हो गई हैं। कुछ रिपोर्ट्स से यह संकेत मिल रहे हैं कि अल्लू अर्जुन और निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास फिर से एक साथ काम कर सकते हैं।

कहा जा रहा है कि इस बार उनकी फिल्म हिंदू पुराणों पर आधारित हो सकती है। हालांकि, इसको लेकर कोई भी आधिकारिक एलान अब तक नहीं किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अल्लू अर्जुन को इस फिल्म में भगवान कार्तिकेय पर आधारित किरदार निभाने का मौका मिल सकता है। इस फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाया जाएगा और यह एक सामाजिक-पुराणिक फैंटेसी फिल्म हो सकती है।

त्रिविक्रम से साथ सुपरहिट रही है जोड़ी

अगर यह फिल्म सचमुच बनती है तो यह त्रिविक्रम श्रीनिवास के साथ अल्लू अर्जुन की यह चौथी फिल्म होगी। दोनों ने साल 2012 में 'जुलाई' फिल्म से साथ काम करना शुरू किया था। इसके बाद उन्होंने सन ऑफ सत्यमूर्ति और अला वैकुंठपुरमुलु जैसी हिट फिल्मों में भी साथ काम किया। त्रिविक्रम और अल्लू अर्जुन की जोड़ी हमेशा से ही सुपरहिट रही है। दर्शकों को दोनों की फिल्मों का बेसब्री से इंतजार रहता है।

पुष्पा 2 रच चुकी है इतिहास

अल्लू अर्जुन की हालिया रिलीज फिल्म की बात करें तो पुष्पा 2 बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच चुकी है। इस फिल्म ने 54 दिनों में 1232.44 करोड़ का कलेक्शन किया है। फिल्म अब भी सिनेमाघरों में मजबूती से टिकी हुई है। जल्द ही यह फिल्म ओटीटी पर भी दस्तक देने वाली है। हालांकि, हिंदी भाषी दर्शकों को इसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर देखने के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा।

'देवा' पर चली सेंसर की कैंची, शाहिद कपूर और पूजा हेगड़े के लिपलॉक पर लगा कट

शाहिद कपूर की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'देवा' तीन दिनों में रिलीज होने वाली है, लेकिन इसी बीच इसे लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। रिलीज से कुछ दिन पहले ही सेंसर बोर्ड ने इस पर अपनी कैंची चला दी है। फिल्म में शाहिद कपूर और पूजा हेगड़े की दमदार जोड़ी दिखने वाली है और बताया जा रहा है कि दोनों के इंटीमेट सीन पर कट लगाया गया है। फिल्म में पूजा हेगड़े और शाहिद के इंटीमेट सीन पर सेंसर बोर्ड ने आपत्ति जताई है और इसे हटाने को कहा है। मेकर्स से कहा गया है कि फिल्म का 6 सेकंड का इंटीमेट सीन हटाया जाए।

किस सीन पर लगा कट?

बता दें कि फिल्म में शाहिद और पूजा हेगड़े का छह सेकंड का लिप-लॉक सीन था। इसे हटाने के बाद ही सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने 'देवा' को U/A सर्टिफिकेट दिया है। बताया जा रहा है कि फिल्म में कुछ गाली गलौज वाले डायलॉग भी थे, जिन्हें हटाने को कहा गया है।

शाहिद कपूर की 'देवा' 31 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। ये फिल्म शाहिद कपूर की की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इसका डायरेक्शन रोशन एंड्रयूज ने किया है, इसका निर्माण ज़ी स्टूडियो और रॉय कपूर फिल्म्स ने किया है। इसका रनटाइम 156 मिनट और 59 सेकंड है।

बता दें कि 'देवा' का ट्रेलर 17 जनवरी को रिलीज हुआ था, जिसमें एक बार फिर शाहिद कपूर फुल एक्शन में नजर आए थे। फिल्म का ट्रेलर 2 मिनट 18 सेकंड का है, जिसे काफी पसंद किया गया। ट्रेलर में शाहिद के एक्शन के साथ बैकग्राउंड में डायलॉग भी है, जिसे खूब पसंद किया गया। वो डायलॉग है, "उसने हमारे फंक्शन में घुसकर भाई पर गोली चलाई और उसे मार दिया। अब हमारी बारी है, अब हम घुसेंगे। हर उस गली, उस सिस्टम में, उस गली में जिसे हमने खुला छोड़ा हुआ है।"

शाहिद कपूर इस वक्त अपनी फिल्म को लेकर चर्चा में हैं और इसका जोर-शोर से प्रमोशन कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने प्रमोशन के दौरान बताया कि एक वक्त ऐसा था जब उनके पास कपड़े खरीदने के पैसे नहीं थे।

दर्शकों के सामने नया 'प्रेम' लाना है...सलमान खान के साथ दोबारा काम करने पर बोले सूरज बड़जात्या

फिल्म निर्माता सूरज बड़जात्या ने ही सलमान खान के ऑन-स्क्रीन किरदार को 'प्रेम' की रूप में दर्शकों के बीच मशहूर किया। अब फिल्म निर्माता ने खुलासा किया है कि वह वर्तमान में एक नई स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं जो उन्हें सलमान के साथ फिर से जोड़ेगी। सूरज ने संकेत दिया कि यह आगामी परियोजना उनके पिछले सहयोगों की तुलना में अच्छी होगी। हाल ही में निर्माता ने 'बड़ा नाम करेंगे' के साथ ओटीटी की दुनिया में कदम रखने के अपने फैसले के बारे में बात की।

सूरज-सलमान की जोड़ी

सूरज ने 1989 में 'मैंने प्यार किया' के जरिए सलमान को बॉलीवुड के एक प्रेमी लड़के के रूप में पेश किया। उन्होंने हम आपके हैं कौन, हम साथ-साथ हैं और प्रेम रतन धन पायो जैसी हिट फिल्मों के साथ जादू को फिर से पर्दे पर दोहराया। सलमान के साथ अपने अगले प्रोजेक्ट के बारे में पूछने पर सूरज ने तुरंत कहा, 'यह प्रोजेक्ट विचाराधीन है।'

प्रोजेक्ट के निर्माण में लगेगा समय

उन्होंने कहा, 'लेकिन इसमें थोड़ा और समय लगेगा, क्योंकि हमें यह स्वीकार करना होगा कि अब उम्र हो गई है। मुझे एक नया प्रेम बनाना है। यह उसकी उम्र के हिसाब से होना चाहिए। आप उससे वही सब करने की उम्मीद नहीं कर सकते, जो हम अब तक करते आए हैं, इसलिए उस उम्र के हिसाब से मुझे थोड़ा और समय चाहिए, ताकि मैं उसके लिए एक नया प्रेम बना सकूं, जो उसी मस्ती, उसी मस्ती और उन्हीं पारिवारिक मूल्यों के साथ हो।'

राजश्री प्रोडक्शंस का डिजिटल डेब्यू

सूरज ने आगे कहा, 'यह एक अलग मैच्योरिटी लेवल पर होगा। यह एक ऐसा प्रयोग है, जिसमें थोड़ा ज्यादा समय लग रहा है।' सूरज राजश्री प्रोडक्शंस के साथ डिजिटल दुनिया में प्रवेश करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह प्यार, हंसी और परिवार की कहानी 'बड़ा नाम करेंगे' के साथ बतौर शो रनर अपनी शुरुआत कर रहे हैं। पलाश वासवानी द्वारा निर्देशित इस सीरीज में ऋतिक घनशानी ऋषभ और आयशा कडुस्कर सुरभि की भूमिका में हैं। यह शो 7 फरवरी से सोनी लिव पर स्ट्रीम होना शुरू होगा।

अब पाकिस्तानी दूल्हा लाएंगी राखी सावंत, तीसरी शादी के बाद इस देश में मनाएंगी हनीमून, कौन है डोडी खान

बी-टाउन की ड्रामा क्वीन राखी सावंत एक बार फिर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर हेडलाइंस में छा गई हैं। इस बार वह सिर्फ भारत नहीं बल्कि पाकिस्तान में भी चर्चा का विषय बन गई हैं। रितेश सिंह और आदिल खान दुर्रानी के बाद राखी तीसरी शादी करने जा रही हैं, वो भी पाकिस्तानी एक्टर के साथ।

हाल ही में, राखी सावंत पाकिस्तान गई थीं, जहां उन्होंने एक इवेंट में हिस्सा लिया था। पाकिस्तान से राखी की तस्वीरें और वीडियोज खूब वायरल हुई थीं। यूं तो राखी पाकिस्तान में एक इवेंट के लिए गई थीं, लेकिन अब उन्हें एक दूल्हा भी मिल गया है। जी हां, अभिनेत्री तीसरी शादी करने जा रही हैं। इसका खुलासा उन्होंने एक हालिया इंटरव्यू में किया है।

राखी सावंत ने पाकिस्तानी शख्स डोडी खान के साथ तीसरा निकाह करने का एलान किया है। उन्होंने शादी से लेकर हनीमून तक का प्लान बताया है। ईटाइम्स के साथ बातचीत में राखी ने कहा, मुझे बहुत से प्रपोजल मिल रहे हैं। जब मैं पाकिस्तान गई तो उन्होंने देखा कि मेरी पिछली शादियों में मुझे किस तरह से परेशान किया गया था। मैं निश्चित रूप से एक प्रपोजल को चुनूंगी।

मैं हूं ना एक्ट्रेस राखी सावंत ने आगे अपनी शादी के प्लान के बारे में कहा, भारतीय और पाकिस्तानी एक-दूसरे के बिना नहीं रह सकते। मुझे पाकिस्तानी लोग बहुत पसंद हैं और वहां मेरे बहुत से फैंस हैं। इस्लामिक रीति-रिवाज के साथ शादी पाकिस्तान में होगी। रिसेप्शन भारत में होगा और हम हनीमून के लिए स्विट्जरलैंड या फिर नीदरलैंड जाएंगे। राखी ने यह भी बताया कि वह और डोडी शादी के बाद दुबई में सेटल हो जाएंगे।

कौन हैं राखी सावंत के होने वाले पति?

राखी सावंत को जिसने पाकिस्तान में प्रपोज किया है, वो शख्स डोडी खान हैं। डोडी के इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर नजर डालें तो वह पेशे से एक्टर और प्रोड्यूसर हैं। उन्होंने खुद को फिटनेस फ्रीक भी बताया है। इंस्टाग्राम पर उन्हें 22 हजार लोग फॉलो करते हैं। डोडी से पहले राखी ने दो शादियां की थीं। पहली शादी रितेश और दूसरी शादी आदिल खान से की थी। राखी का दावा है कि आदिल से निकाह के बाद उन्होंने इस्लाम धर्म अपना लिया था।

श्रुति अभी तक क्यों हैं सिंगल, कमल हासन-सारिका के तलाक के बाद उन पर पड़ा था गहरा असर

श्रुति हासन अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। आज श्रुति हासन अपना 39वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रही हैं। आइए जानते हैं श्रुति हासन की जिंदगी से जुड़े कुछ पहलुओं के बारे में दिलचस्प बातें।

श्रुति हासन का जन्म

श्रुति हासन का पूरा नाम श्रुति राजलक्ष्मी हासन है। श्रुति का जन्म 28 जनवरी 1986 को तमिलनाडु में हुआ। श्रुति ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत बॉलीवुड फिल्म 'लक' से की थी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बिल्कुल भी नहीं चली और इसके बाद श्रुति ने अपना रुख साउथ की फिल्मों की ओर कर लिया। वैसे श्रुति अभिनेत्री होने के साथ ही बेहतरीन सिंगर भी हैं।

शादी से पहले हुआ था श्रुति का जन्म?

कमल और सारिका ने साल 1988 में शादी की थी। कथित तौर पर श्रुति का जन्म उनकी शादी से दो साल पहले ही हो चुका था। कमल और सारिका शादी से पहले लिव-इन में रहते थे।

बाल कलाकार के रूप में किया काम

श्रुति की पहली फीचर फिल्म में उपस्थिति एक बाल कलाकार के रूप में थी, जिसमें उन्होंने अपने पिता कमल हासन की तमिल-हिंदी द्विभाषी फिल्म हे राम में वल्लभभाई पटेल की बेटी की छोटी सी भूमिका निभाई थी।

माता-पिता के अलग होने पर पड़ा था गहरा असर

साउथ इंडस्ट्री के सुपरस्टार कमल हासन की बेटी और अभिनेत्री श्रुति हासन ने एक इंटरव्यू के दौरान अपने माता-पिता के तलाक के बारे में बात की थी। कथित तौर पर उन्होंने बताया कि जिस वक्त उनका तलाक हुआ था, वह समय पूरे परिवार के लिए बहुत मुश्किलों भरा था। 20 साल शादी के बाद जब दोनों अलग हुए तो श्रुति ने कहा कि तलाक लेने का फैसला केवल बच्चों के ही लिए नहीं बल्कि पेरेंट्स के लिए भी बेकार होता है।

आत्मनिर्भर होने का मतलब समझ आया

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, श्रुति ने एक इंटरव्यू में कहा था कि पेरेंट्स के तलाक के बाद ही उन्हें आत्मनिर्भर का मतलब समझ आया। तलाक का फैसला तब और मुश्किल होता है, जब आप किसी इंसान पर निर्भर होते हैं। श्रुति ने एक इंटरव्यू में कहा था, "अपनी मां का जिक्र करते हुए बताया कि जब मैंने अपनी मां को देखा, तो उस वक्त मुझे पता लग गया था कि बेटी होने के नाते मुझे भी फाइनेंशियल इंडिपेंडेंट होना चाहिए।"

क्यों शादी नहीं करना चाहतीं श्रुति

एक इंटरव्यू के दौरान श्रुति ने कहा था कि उनका शादी के प्रति नजरिया उनके व्यक्तिगत विश्वासों से जुड़ा हुआ है और यह किसी अतीत के अनुभवों से प्रभावित नहीं है। अपने दोस्तों के सफल विवाहों को देखने के बावजूद भी उनके नजरिए में कोई बदलाव नहीं आया है।

'वीडी 12' में अमिताभ बच्चन के साथ काम करेंगे विजय देवरकोंडा

साउथ सुपरस्टार विजय देवरकोंडा इन दिनों अपनी कई बहुप्रतीक्षित फिल्मों को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिलहाल अभिनेता 'वीडी 12' पर काम करने में व्यस्त हैं। इसके अलावा अभिनेता के पास दो और प्रोजेक्ट हैं, जिसमें से एक का निर्देशन राहुल सांकृत्यायन कर रहे हैं और इस फिल्म का अस्थाई नाम 'वीडी 14' है। हाल ही में फिल्म की सेट पर मुहूर्त पूजा हुई है। वहीं, अब इस फिल्म को लेकर दिलचस्प खबर सामने आई है।

अमिताभ बच्चन के साथ काम करेंगे विजय

फिल्म को लेकर ताजा चर्चाएं हैं कि 'वीडी 14' में अमिताभ बच्चन को अहम भूमिका निभाने के लिए संपर्क किया गया है। अगर ऐसा होता है तो साउथ सुपरस्टार प्रभास के बाद अमिताभ बच्चन इस फिल्म में विजय देवरकोंडा के साथ नजर आएंगे। हालांकि, इन खबरों पर निर्माताओं की ओर से आधिकारिक मुहर का इंतजार है।

विजय के साथ नजर आएंगी रश्मिका मंदाना

अगर बिग बी इस प्रोजेक्ट में शामिल होते हैं तो यह प्रोजेक्ट और भी ज्यादा ध्यान आकर्षित करेगा। वहीं, बात करें 'वीडी 14' की तो निर्माताओं ने फिल्म में रश्मिका मंदाना को मुख्य नायिका के तौर पर लेने की पुष्टि कर दी है।

फिल्म की शूटिंग

मैत्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित 'वीडी 14' एक बड़ी फिल्म होगी। फिल्म की नियमित शूटिंग फरवरी में शुरू होगी। फिल्म के पहले शेड्यूल में विजय देवरकोंडा के इंट्रोडक्शन सीन्स की शूटिंग होगी। वहीं, अब फिल्म से अभिनेता के लुक के जारी होने का इंतजार है।

फिल्म फेस्टिवल में रंग जमाया सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव ने

रीमा कागती के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव' कई फिल्म फेस्टिवल्स में पसंद की गई। इस फिल्म को टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल और बीएफआई लंदन फिल्म फेस्टिवल में दिखाया गया था। अब यह फिल्म थिएटर रिलीज के लिए भी तैयार है। फरवरी के महीने में इस फिल्म को मेकर्स ने रिलीज करने का फैसला लिया है।

रीमा कागती डायरेक्टेड फिल्म 'सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव' 28 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म बाद में ओटीटी पर भी रिलीज होगी। यह फिल्म भारत के अलावा यूके, यूएस, यूएई, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में भी रिलीज होगी। फिल्म की कहानी सिनेमा और आम लोगों के जीवन को जोड़ने वाली है। इस फिल्म का बैकड्रॉप महाराष्ट्र के मालेगांव का है।

फिल्म में नजर आए उम्दा कलाकार

रीमा कागती की इस फिल्म में आदर्श गौरव के अलावा शशांक अरोड़ा, विनीत कुमार सिंह, अनुज सिंह दुहान, साकिब अयूब, पल्लव सिंह और मंजरी जैसे उम्दा कलाकार हैं। इस फिल्म के कलाकारों की एक्टिंग को फिल्म फेस्टिवल्स में भी खूब सराहा गया था। अब इस फिल्म को रिलीज का इंतजार है, साथ ही दर्शक फिल्म को लेकर क्या सोचते हैं, यह फिल्म मेकर्स जानना चाहते हैं।

30 की उम्र के बाद शादी करने के हैं कुछ नुकसान, जानकर आप भी मचाएंगे जल्दी

आज के दौर में कपल शादी को प्राथमिकता नहीं देते हैं। युवा शादी से पहले अपने सपनों को पूरा करना चाहते हैं, आत्मनिर्भर बनना चाहते हैं। पढ़ाई और करियर में अचीवमेंट हासिल करने के लिए उन्हें वक्त चाहिए होता है। इस कारण निजी जीवन में आगे बढ़ने यानी शादी के बंधन में बंधने में उन्हें वक्त लग सकता है।

भारत जैसे देश में, जहां परिवार वाले 23-24 की आयु में अपने बेटे या बेटी की शादी कर दिया करते थे, वहीं अब 30 की आयु होने तक महिलाएं और पुरुष दोनों ही शादी के रिश्ते में नहीं आना चाहते हैं।

आधुनिक युग में महिलाएं और पुरुष दोनों ही देर से शादी करना पसंद करते हैं और 30 की आयु के बाद ही शादी करना चाहते हैं। हालांकि 30 की उम्र के बाद शादी करने के कुछ संभावित नुकसान हो सकते हैं जो व्यक्ति के जीवन, सामाजिक स्थिति और व्यक्तिगत प्राथमिकताओं पर निर्भर करते हैं। आइए जानते हैं 30 की उम्र के बाद शादी करने के नुकसान क्या हो सकते हैं।

गर्भधारण में समस्या

महिलाओं के लिए 30 के बाद प्रजनन क्षमता धीरे-धीरे कम होने लगती है। 35 के बाद गर्भधारण में कठिनाई और जटिलताओं की संभावना बढ़ सकती है। उम्र के साथ अंडाणुओं की गुणवत्ता कम होती जाती है, जिससे गर्भावस्था में दिक्कत आ सकती है। पुरुषों के लिए भी उम्र के साथ स्पर्म की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है, जिससे गर्भधारण में देरी हो सकती है। बढ़ती उम्र में स्वास्थ्य समस्याएं भी बढ़ती हैं जो स्वस्थ शादीशुदा जीवन को आगे बढ़ाने में मुश्किल पैदा कर सकती हैं।

सामाजिक दबाव और अपेक्षाएं

30 के बाद परिवार और समाज से शादी को लेकर अधिक दबाव पड़ सकता है, जिससे मानसिक तनाव बढ़ सकता है। कभी-कभी परिवार और रिश्तेदारों की उम्मीदों के कारण जल्दबाजी में निर्णय लेने का खतरा रहता है। शादी के बाद ही कपल पर परिवार को आगे बढ़ाने और बच्चों की उम्मीद की जाने लगती है, इसका दबाव भी वह झेलते हैं। परिवार और पार्टनर दोनों की अपेक्षाओं का बोझ भी मानसिक तौर पर दबाव डालता है।

कम उम्र के बच्चों की परवरिश

अगर शादी के बाद बच्चे देर से होते हैं, तो बच्चों के बड़े होने तक माता-पिता की उम्र अधिक हो जाती है। इससे बच्चों की परवरिश और भविष्य की योजना में चुनौतियां आ सकती हैं। माता-पिता और बच्चों के बीच पीढ़ी का अंतर अधिक होने से आपसी समझ और जुड़ाव में कठिनाई हो सकती है।

आर्थिक दबाव और भविष्य की योजना

30 के बाद करियर और आर्थिक जिम्मेदारियां अधिक होती हैं, जिससे शादी के बाद नई जिम्मेदारियों को निभाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। शादी के बाद जीवन में वित्तीय योजनाओं में बदलाव की आवश्यकता हो सकती है। बड़ी उम्र में शादी होने के बाद कपल के पास एक दूसरे के साथ वक्त बिताने से अधिक परिवार को संभालने की जिम्मेदारी अधिक होती है।

संबंधों में समायोजन की कठिनाई

30 की उम्र तक व्यक्ति की सोच, आदतें और जीवनशैली काफी स्थिर हो जाती है, जिससे किसी नए व्यक्ति के साथ सामंजस्य बैठाने में कठिनाई हो सकती है। दोनों पक्षों की स्वतंत्रता की आदतों के कारण विवाह में समझौते करना मुश्किल हो सकता है। बड़ी उम्र के लोगों के लिए एक दूसरे की जीवनशैली और पसंद में ढलने और एडजस्ट करने में दिक्कत आ सकती है।

दफ्तर में हो जाए सहकर्मी से प्यार तो रखें इन बातों का ध्यान, वरना जा सकती है नौकरी

दफ्तर में सहकर्मी से प्यार होना एक आम बात है, लेकिन इसे संभालने के लिए बहुत सावधानी बरतनी चाहिए। दरअसल दफ्तर में प्यार होने से पेशेवर माहौल, करियर और व्यक्तिगत जीवन प्रभावित हो सकता है। दफ्तर में प्यार करना गलत नहीं है, लेकिन आपको कुछ सावधानी और समझदारी अपनानी होगी। आपके रिश्ते का असर न केवल आपके पेशेवर जीवन पर पड़ सकता है, बल्कि आपकी छवि और करियर पर भी पड़ सकता है। इसलिए, अपने कार्यस्थल के नियमों और अपने व्यवहार पर ध्यान दें और एक संतुलित और पेशेवर दृष्टिकोण अपनाएं। अगर आप दफ्तर में किसी सहकर्मी के साथ रिश्ते में हैं या रिश्ते में आने के बारे में सोच रहे हैं तो इन बातों का ध्यान जरूर रखें।

कंपनी के नियम समझें

सबसे पहले, यह सुनिश्चित करें कि आपकी कंपनी में सहकर्मियों के बीच संबंधों को लेकर क्या नियम हैं। कई कंपनियों में ऐसी पॉलिसी होती है, जो सहकर्मियों के बीच रोमांटिक संबंधों पर कुछ प्रतिबंध लगाती है। अगर आपके ऑफिस में इसकी अनुमति नहीं है, तो आपको दफ्तर वाले प्यार पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन अलग रखें

दफ्तर में रोमांस को काम से बिल्कुल अलग रखना बेहद जरूरी है। मीटिंग, कार्यक्षेत्र और टीम डिस्कशन के दौरान केवल पेशेवर बने रहें। अगर आप अपने रिश्ते को दिखाने में ज़्यादा दिखावा करते हैं, तो यह आपके सहकर्मियों और बॉस को असहज कर सकता है।

गॉसिप और विवाद से बचें

अपने रिश्ते को लेकर दफ्तर में गॉसिप या अफवाहों से बचें। दफ्तर में हर किसी को अपने निजी जीवन के बारे में बताने की जरूरत नहीं है। अगर आपके और आपके सहकर्मी के बीच किसी बात पर असहमति होती है, तो इसे ऑफिस में न दिखाएं। किसी भी निजी मुद्दे को ऑफिस टाइम में चर्चा करने से बचें। विवाद का असर टीम की प्रोडक्टिविटी और आपकी छवि पर पड़ सकता है।

ब्रेकअप के लिए तैयार रहें

यह ध्यान रखें कि अगर किसी कारणवश रिश्ता समाप्त होता है, तो भी पेशेवर संबंध बनाए रखना जरूरी है। रिश्ते के अंत के बाद व्यक्तिगत भावनाओं को काम पर हावी न होने दें।

पारदर्शिता

अगर आपका रिश्ता गंभीर है और शादी तक जाने की संभावना है, तो इसे अपने मैनेजर या एचआर विभाग को बताना सही रहेगा। कई बार पारदर्शिता से समस्या हल हो सकती है और ऑफिस के नियमों का पालन भी होता है।

काम पर ध्यान दें

आपके रिश्ते का असर आपकी परफॉर्मेंस और काम के प्रति समर्पण पर नहीं पड़ना चाहिए। सहकर्मी के साथ काम करते समय अपने कार्य पर फोकस रखें और टीम के अन्य सदस्यों को यह न लगे कि आप पक्षपात कर रहे हैं।

रिश्ते को समय दें

ऑफिस रोमांस को लेकर जल्दबाजी में निर्णय न लें। यह सुनिश्चित करें कि यह केवल आकर्षण नहीं, बल्कि गंभीरता से एक स्थायी रिश्ता बन सकता है।

बॉस या सीनियर के साथ रिश्ता

अगर आप अपने बॉस या सीनियर के साथ रिश्ते में हैं तो इससे जटिलताएं बढ़ सकती हैं। इस स्थिति में, कंपनी के एचआर डिपार्टमेंट से मार्गदर्शन लेना बेहतर हो सकता है।

मूंग दाल के मंगोड़े, हरी चटनी के साथ खाकर आएगा स्वाद

पकवानों में मूंग दाल के मंगोड़े भी काफी खास हैं। इसे बनाना काफी आसान है, और ये खाने में काफी स्वादिष्ट लगते हैं।

बहुत सी महिलाओं को इसे बनाना नहीं आता है, इसलिए हम आपको यहां आसान विधि से मूंग दाल के मंगोड़े बनाना बताएंगे। सर्दी के मौसम में यदि शाम के समय गरम-गरम मंगोड़े मिल जाएंगे तो त्योहार का मजा दोगुना हो जाएगा।

मूंगदाल के मंगोड़े बनाने की सामग्री

मूंग दाल (छिलके वाली): 1 कप
अदरकः 1 इंच का टुकड़ा
हरी मिर्चः 2-3 (स्वादानुसार)
हरा धनियाः 2 चम्मच (कटा हुआ)
नमकः स्वादानुसार
धनिया पाउडरः 1/2 चम्मच
अजवाइनः 1/4 चम्मच
चावल का आटाः 1-2 चम्मच
तेलः तलने के लिए

विधि

मूंग दाल को 2-3 घंटे के लिए पानी में भिगो दें। भीगी हुई दाल का पानी छानकर इसे मिक्सर में डालें। मिक्सर में मूंग दाल के साथ अदरक और हरी मिर्च डालें। बिना पानी मिलाए या थोड़ा ही पानी डालकर गाढ़ा पेस्ट बना लें।

तैयार पेस्ट को एक बड़े बर्तन में निकालें। इसमें हरा धनिया, नमक, अजवाइन, धनिया पाउडर, और चावल का आटा डालें। मिश्रण को अच्छे से फेंटें ताकि यह हल्का और फूला हुआ हो जाए।

कढ़ाई में तेल गरम करें। गरम तेल में छोटी-छोटी बॉल्स या चम्मच की मदद से मंगोड़े डालें। मंगोड़ों को मीडियम आंच पर गोल्डन ब्राउन और कुरकुरा होने तक तलें। तले हुए मंगोड़ों को तेल से निकालकर पेपर टॉवल पर रखें। मूंगदाल के मंगोड़ों को गरमा-गरम परोसें। इन्हें हरी चटनी के साथ खाएं।

लाइफ पार्टनर में ख़ूबसूरती ही नहीं, ये खूबियां भी चाहते हैं पुरुष

हर पुरुष की दिली तमन्ना होती है कि उसकी पत्नी बेहद ख़ूबसूरत हो, मगर ख़ूबसूरती के साथ ही पुरुष पत्नी में कुछ ख़ूबियां भी चाहते हैं. ख़ूबसूरती के दीवाने पुरुष अपनी पत्नी की किन ख़ूबियों पर फ़ख्र महसूस करते हैं? इस बात को सिरे से नकारा नहीं जा सकता कि पति के लिए पत्नी की ख़ूबसूरती कोई मायने नहीं रखती, लेकिन ख़ूबसूरत होना ही काफ़ी नहीं. ख़ूबसूरती से कहीं बढ़कर पुरुषों को ऐसी महिलाएं पसंद आती हैं, जिनमें ये ख़ूबियां हों-

देश-दुनिया की ख़बर रखती हो

गली-मोहल्ले की जानकारी के साथ ही पति ये भी ख़्वाहिश रखते हैं कि उनकी पत्नी को देश-दुनिया की भी पूरी ख़बर हो ताकि वो हर मुद्दे पर पत्नी से बात कर सकें. इसके साथ ही पुरुष ये भी चाहते हैं कि पत्नी बच्चों को भी देश-दुनिया की जानकारी दे.

मन से ख़ूबसूरत हो

पहली नज़र में तन की ख़ूबसूरती को महत्व देने वाले पुरुष पत्नी के मन की ख़ूबसूरती को उससे कई गुना अधिक महत्व देते हैं. इसीलिए वो चाहते हैं कि उनकी पत्नी का मन ख़ूबसूरत हो. वो अपनी सादगी और अच्छे व्यवहार से पूरे परिवार का मन मोह ले. वो झूठी-बनावटी बातों से कोसों दूर हो.

परिवार को दिल से अपनाए

पुरुष चाहते हैं कि उनकी तरह ही पत्नी भी उनके माता-पिता को दिल से अपनाए. इसी तरह घर के हर एक सदस्य फिर चाहे वो पति का छोटा/बड़ा भाई/बहन हो, से प्रेम करे और उनसे सलीके से पेश आए. एक अच्छी होम मेकर की तरह परिवार को जोड़े रखे और घर के बड़े-बुज़ुर्गों से लेकर बच्चों तक सभी उसे प्यार करें.

पूरे परिवार का ध्यान रखे

हो सकता है, पति के कहीं जाने पर जब आप उन्हें अपना ख़्याल रखने को कहें, तो मैं बच्चा नहीं हूं कहकर वो आपकी बात टाल दें,

परंतु एक सच ये भी है कि वो दिल से चाहते हैं कि आप न सर्फि उनका, बल्कि उनके परिवार के प्रत्येक सदस्य का ख़्याल रखें. उनकी ज़रूरतों को समझें और उन्हें पूरा करें.

समझदार हो

आमतौर पर कहा जाता है कि पुरुषों को ख़ूबसूरत पत्नी पसंद आती है, समझदार नहीं, जो उनके इशारों पर काम करे, लेकिन ये सच नहीं है. पुरुष ऐसी समझदार महिला को पसंद करते हैं जो उनकी ग़ैर मौजदूगी में किसी भी मसले को हल कर सके. उसे किसी के सहारे की ज़रूरत न हो.

सलाहकार हो

वो दिन गए जब घर के बाहर के काम पतियों के ज़िम्मे होते थे और घर के अंदर की सभी ज़िम्मेदारियां पत्नी संभालती थी. आज दोनों के कंधों पर समान ज़िम्मेदारियां हैं इसीलिए पुरुष चाहते हैं कि पत्नी उनके हर काम में साथ दे, उनकी अच्छी सलाहकार बने और हर फ़ैसले में अपनी राय दे.

मुश्किल घड़ी में साथ दे

सुख और दुख जीवन के दो पहलू हैं. जो पत्नी दुख में भी ख़ुश रहना और हर मुश्किल घड़ी में पति और परिवार का साथ देना जानती है, पुरुष की नज़र में वही दुनिया की सबसे ख़ूबसूरत महिला होती है. न कि वो जो ख़ूबसूरत तो होती है, पर मुश्किल घड़ी में पति और परिवार का साथ छोड़कर कन्नी काट लेती है.

अच्छी कुक हो

किसी ने सच ही कहा है, पति के दिल का रास्ता पेट से होकर गुज़रता है. यही वजह है कि ख़ूबसूरत महिलाओं से पहले अच्छा खाना बनाने वाली पत्नी पति के दिल में घर बनाती है. अगर पत्नी अच्छी कुक हो, तो खाने के शौक़ीन पुरुष रिश्तेदारों और दोस्तों के सामने भी फ़ख्र महसूस करते हैं.

एक्सपर्ट से जानिए कैसे करें असली शिलाजीत और केसर की पहचान? पता होगा तो ठगे नहीं जाएंगे कभी

यहां हम आपको बता रहे हैं कि असली केसर और असली शिलाजीत की पहचान कैसे होती है? दरअसल हिमालय या पहाड़ों से आया शिलाजीत कहकर काफी लोगों को ठगा जाता है और नकली शिलाजीत बेच दिया जाता है. ऐसा ही केसर के साथ भी होता है. आपको असली और नकली का फर्क पता होना चाहिए.

अक्सर आपने शहरों में सड़कों के किनारे शिलाजीत बेचते हुए लोगों को देखा होगा. ये आपको शिलाजीत का एक गुच्छा दिखाते हैं, और उसे तार की तरह खिचते जाते हैं और दावा करते हैं कि ये हिमालय से लाई गई शिलाजीत है, जबकि यह सच नहीं होता है. इसी तरह से आपको असली के नाम पर नकली केसर भी बेच दी जाती है, और आपको इस बात का पता ही नहीं चलता. दरअसल, अगर आप शिलाजीत या फिर केसर खरीदने जा रहे हैं, तो आपको यह पता होना चाहिए कि असली शिलाजीत और केसर की पहचान क्या होती है? असली केसर और शिलाजीत की पहचान के बारे में हमने श्रीनगर के डल झील स्थित मीना बाजार में शेफरॉन ट्रेजर्स नाम से दुकान चलाने वाले वसीम से जाना. जैसा कि हम जानते हैं कि कश्मीर में शिलाजीत और केसर काफी ज्यादा होती है. कहा भी जाता है कि असली केसर आपको कश्मीर में ही मिलेगी क्योंकि यहां उसकी खेती होती है.

कैसे करें असली केसर की पहचान? जान लीजिए तरीका

वसीम बताते हैं कि नकली केसर को आप जैसे ही पानी में डालते हैं, वो फौरन रंग छोड़ देता है. जबकि असली केसर पानी में डालते ही रंग नहीं छोड़ता है. यह केसर की सबसे बड़ी पहचान है. आप जब भी केसर लें, तो उसके कुछ टुकड़ों या दानों को पानी से भरे हुए एक गिरास में डाले, अगर उसने फौरन रंग छोड़ दिया तो समझिए वो नकली केसर है. अगर उसने बिना आपके मसलने से पहले रंग नहीं छोड़ा तो समझिए वो असली केसर है. नकली केसर पानी में गुलाबी रंग छोड़ता है, जबकि असली केसर ऐसा नहीं करता है. आप पानी में डालने के बाद नकली केसर को मसलेंगे तो वह खत्म हो जाएगा और कागज की तरह स्थिति हो जाएगी. जबकि असली केसर मसलने पर भद्दा नहीं दिखेगा और रंग छोड़ेगा.

असली शिलाजीत या फिर गुड़ से बना शिलाजीत, ऐसे करें पहचान?

हिमालय या पहाड़ों से आया हुआ शिलाजीत कहकर शहरों में काफी नकली शिलाजीत बेचा जाता है. वसीम बताते हैं कि असली शिलाजीत कभी भी तार की तरह नहीं खिंचता है. न ही असली शिलाजीत जलाने पर टपकता है. वह कहते हैं कि नकली शिलाजीत को अगर आप जलाएंगे तो वो चिपचिपा हो जाएगा और बूंद-बूंद नीचे गिरने लगेगा. जबकि असली शिलाजीत जलाने पर राख बन जाता है. वसीम कहते हैं कि असली शिलाजीत जलाए जाने पर उसी तरह की गंध देता है जैसे किसी मनुष्य या जानवर के शरीर को जलाया गया हो. जबकि नकली शिलाजीत जलाने पर गुड़ की तरह स्मेल देगा. वह कहते हैं कि शिलाजीत और केसर को हमेशा रजिस्टर्ड दुकान से खरीदना चाहिए और बिना बिल के कभी नहीं लेना चाहिए.

वसंत पंचमी पर मां सरस्वती को लगाएं पीले मीठे चावल का भोग, आसान रेसिपी

इस साल वसंत पंचमी का त्योहार 2 फरवरी को मनाया जाएगा। यह दिन मां सरस्वती को समर्पित है और देवी की पूजा करते समय उन्हें विभिन्न प्रकार के भोग भी लगाए जाते हैं। मान्यता है कि इस दिन उनकी उपासना करने से साधक की खुशियों में वृद्धि होती हैं।

इस दिन हर कोई पीला रंग पहनकर ही मां सरस्वती की आराधना करता है।

ऐसी मान्यता है कि मां सरस्वती को पीला रंग काफी प्रिय है। इसलिए इस दिन न केवल कपड़े बल्कि व्यंजन भी पीले रंग के ही बनाए जाते हैं।

हालांकि, आज की इस खबर में हम आपको एक ऐसे व्यंजन के बारे में बताने जा रहे हैं, जो वसंत पंचमी के दिन आमतौर पर हर घर में बनाया जाता है। इस खास मौके पर लोग अपने घर में पीले मीठे चावल बनाते हैं। आप भी अगर इसे बनाना चाहते हैं तो आइए इसकी रेसिपी के बारे में जानते हैं।

पीले मीठे चावल बनाने के लिए आपको चाहिए

आधा कप बासमती चावल
आधा कर चीनी
आधा कर घी
8-10 काजू के छोटे टुकड़े
7-8 बादाम कटे हुए
2 चम्मच किशमिश
2 इलायची
4 लौंग
1 कप पानी
1/4 छोटी चम्मच केसर
1/4 छोटा चम्मच नारंगी खाने का रंग

पीले चावल बनाने का प्रोसेस

सबसे पहले बासमती चावल को तीन से चार पानी से अच्छे से धोएं फिर उसे आधे घंटे के लिए भिगोकर रख दें। फिर एक कढ़ाई से और उसमें घी डालकर गर्म कर दें। घी के गर्म होने के बाद उसमें काजू, बादाम, किशमिश, सूखे नारियल को अच्छे से भून लें। इसे धीमी आंच पर तब तक भूनना है, जब तक आपके ये ड्राई फ्रूट सुनहरे रंग के हो जाएं। इसे निकाल लें और बचे हुए घी में इलायची और लौंग डाल दें और फिल इसमे 1 कप पानी, फूड कलर और केसर को मिक्स कर दें। फिर बासमती चावल का पानी छान लें और इस रंग वाले पानी में डाल लें। इस इसे ढक कर 10 मिनट तक मीडियम आंच में पकाएं।

जब लगे कि चावल आधे पक गए हैं तो ढक्कन उठाकर 2 चम्मच चीनी घी और भुने हुए सूखे मेवे डाल लें। इन सब को मिक्स कर दें और 5 मिनट कर इसे धीमी आंच में ढककर पकाएं। ध्यान रहे है कि बीच-बीच में आपको चावल चलाते रहना है, जिससे यह नीचे से जले नहीं। फिर मिठे चावल को बाहर निकालकर इसे कुछ मेवों से प्लेट में सजाकर परोस दें।

चीन के लिए खोदे गए गड्ढे में खुद गिर गया अमेरिका!

क्या डीपसीक के झटके से उबर पाएगा सुपरपावर?

नई दिल्ली,28 जनवरी (एजेंसियां)। चीन के एआई मॉडल डीपसीक से अमेरिका बुरी तरह लड़खड़ा गया है। अमेरिका शेयर मार्केट धड़ाम हो गया है। एनवीडिया समेत कई दिग्गज कंपनियों के शेयरों में बड़ी गिरावट आई है। अकेले एनवीडिया को करीब 600 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है।
डीपसीक के बढ़ने से चीन को फायदा तो होगा ही, लेकिन इससे अमेरिका को बड़ा नुकसान होगा। स्थिति यह आ गई कि सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चेतावनी जारी करनी पड़ गई। डीपसीक के चैटबॉट डीपसीक-आर1
को बनाने में अमेरिका की प्रमुख चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया की जीपीयू का इस्तेमाल किया गया है। हाल ही में अमेरिका ने चिप के निर्यात को लेकर नियम कड़े किए हैं। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने से पहले अमेरिका ने चीन समेत कई देशों पर चिप एक्सपोर्ट करने का बैन लगा दिया था। वहीं भारत समेत कई देशों पर चिप एक्सपोर्ट की सीमा तय कर दी थी।

चीन ने दिया बड़ा झटका

डीपसीक को अमेरिका के लिए झटके के रूप में देखा जा रहा है। जानकारों के मुताबिक अमेरिका ने चीन के लिए चिप एक्सपोर्ट पर जो बैन था, अब वह खुद अमेरिका के लिए भारी पड़ सकता है।
चीनी कंपनियां एआई के क्षेत्र में तेजी से काम करेंगी। ऐसे में चीन अब एसआई के मामले में अमेरिका को टक्कर दे सकता है। वहीं अमेरिका के लिए सबसे बड़ी टेंशन की बात है कि डीपसीक ने इस मॉडल को गूगल और ओपनएआई के चैटबॉट के मुकाबले बेहद कम कीमत में तैयार किया है।

ट्रंप ने जारी की चेतावनी

ट्रंप ने डीपसीक की बढ़ती तेजी को अमेरिकी इंडस्ट्री के लिए चेतावनी बताया। मियामी में रिपब्लिकन कांग्रेस के एक कार्यक्रम में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि डीपसीक ने एआई के क्षेत्र में अमेरिका के लिए प्रतिस्पर्धा पैदा कर दी है। यह तब है जब अमेरिका एआई के क्षेत्र में तेजी से विकसित हो रहा है। ट्रंप ने कहा, 'अब हमें इस क्षेत्र में और ज्यादा फोकस करना होगा।'

एनवीडिया को बड़ा नुकसान

सोमवार को अमेरिकी शेयर मार्केट में बड़ी गिरावट आई। नास्डैक 3% से ज्यादा गिरकर 19,341.83 पर आ गया। अमेरिकी मार्केट में गिरावट से एनवीडिया को 24 घंटे में बड़ा नुकसान हुआ। इसके शेयर में करीब 17 फीसदी की गिरावट आई। इस गिरावट के बाद इस कंपनी का शेयर 24.2 डॉलर गिरकर 118.42 पर आ गया। इस गिरावट से कंपनी का मार्केट कैप 593 अरब डॉलर कम होकर 2.90 लाख करोड़ डॉलर रह गया।

क्या है अमेरिका के पास विकल्प?

इस झटके से उबरने के लिए अमेरिका को एआई के क्षेत्र में ज्यादा काम करना होगा। ट्रंप ने हाल ही में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संबंधित 500 अरब डॉलर के निवेश का एक प्रोजेक्ट पेश किया था। इसका उद्देश्य एआई में अमेरिका को आगे रखना है। ट्रंप ने यह प्रोजेक्ट सॉफ्टबैंक के सीईओ मासायोशी सोन, ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन और ओरेकल के चेयरमैन लैरी एलिसन सहित टेक इंडस्ट्री के प्रमुख लोगों के साथ मिलकर पेश किया था। हालांकि इस प्रोजेक्ट को लेकर एलन मस्क ने नाराजगी जताई थी।

फ्लैट मालिकों पर गिरी गाज,200 करोड़ वसूलने की तैयारी में जीडीए

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने सोमवार को वैशाली के फ्लैट और प्लॉट मालिकों से 200 करोड़ रुपये वसूलने के लिए एक प्रस्ताव मंजूर किया है। यह फैसला 36 साल पुरानी जमीन अधिग्रहण मामले से जुड़ा है। जीडीए ने साल 1986 से साल 1990 के बीच किसानों से जमीन अधिग्रहित की थी।

मुआवजे में हुई थी बढ़ोतरी

किसानों को पहले प्रति वर्ग गज 50 रुपये मिले थे। उन्होंने अधिक मुआवजे की मांग की और साल 2001 में जिला न्यायालय ने इसे बढ़ाकर 180 रुपये प्रति वर्ग गज कर दिया है। जीडीए ने इस फैसले को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में चुनौती दी। इसके बाद साल 2017 में मुआवजा बढ़ाकर 297 रुपये प्रति वर्ग गज कर दिया।

जीडीए ने किया सुप्रीम कोर्ट का रुख

इसके बाद जीडीए ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। लेकिन वहां भी उसे निराशा हाथ लगी। सुप्रीम कोर्ट ने साल 2019 में कहा कि जीडीए को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में दोबारा याचिका दायर करनी होगी। हालांकि वहां भी उसे राहत नहीं मिली। कोर्ट के आदेश के अनुसार जीडीए को किसानों को 297 रुपये प्रति वर्ग गज के हिसाब से मुआवजा देना होगा।

कैसे होगा वसूली

इस मुआवजे का कुल अमाउंट लगभग 200 करोड़ रुपये बनती है। यह अमाउंट वैशाली के मूल फ्लैट और प्लॉट मालिकों से वसूली जाएगी। जीडीए के सचिव राजेश कुमार सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई कोर्ट के आदेश के तहत होगी और इसके लिए एक वसूली योजना बनाई जा रही है। इसके अलावा जीडीए बोर्ड ने मल्टी-स्टोरी बिल्डिंग के ऑडिट की योजना को टाल दिया है।

भारत-अमेरिका संबंधों पर माइक्रोसॉफ्ट सीईओ नडेला ने कहा मैं खुद इस आपसी रिश्ते की ही देन

वॉशिंगटन,28 जनवरी (एजेंसियां)। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला ने खुद को भारत और अमेरिका के संबंधों की देन बताया है। नडेला ने अमेरिका के सिएटल में भारतीय दूतावास की ओर से आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में यह बात कही। उन्होंने समारोह में भारतीय समुदाय के योगदान की सराहना की। बेल हार्बर कॉन्फ्रेंस सेंटर में भारतीय महावाणिज्य दूतावास की ओर से आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में वॉशिंगटन के गवर्नर बॉब फर्ग्यूसन और नडेला मुख्य अतिथि थे। नडेला ने समारोह में कहा कि वे दोनों देशों भारत और अमेरिका के बीच मौजूद संबंध की देन हैं। उन्होंने दोनों देशों के नेतृत्व, शिक्षा परिणामों, स्वास्थ्य परिणामों, सार्वजनिक सेवा दक्षता, प्रतिस्पर्धात्मकता और छोटे व्यवसायों की उत्पादकता को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के तरीके पर ध्यान केंद्रित करने को लेकर हो रही पहल को भी सराहा। वॉशिंगटन राज्य के नवनिर्वाचित 24वें गवर्नर फर्ग्यूसन ने कहा कि भारतीय समाज न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व के लिए अविश्वसनीय योगदान देता है। वह सिएटल स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास के साथ संबंधों को और बेहतर बनाने के लिए तत्पर हैं। वहीं ओलंपिया में वॉशिंगटन राज्य सीनेट ने भारत और अमेरिका के लोगों के बीच मजबूत मित्रता का स्वागत करने का प्रस्ताव पारित किया। इस प्रस्ताव को राज्य सीनेटर मनका ढींगरा ने पेश किया और सीनेटर वंदना स्लेटर ने समर्थन किया। गणतंत्र दिवस स्वागत समारोह में कई शीर्ष सरकारी अधिकारियों, सांसदों और दस शहरों के महापौरों सहित कई प्रतिष्ठित लोगों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के 500 से अधिक लोग शामिल हुए। इसमें अमेरिकी कांग्रेस के प्रतिनिधि सुजान डेलबेने, प्रतिनिधि एडम स्मिथ, प्रतिनिधि माइकल बाउमगार्टनर और प्रतिनिधि किम श्रियर शामिल थे। इसके अलावा वॉशिंगटन राज्य के अटॉर्नी जनरल निक ब्राउन, राज्य सचिव स्टीव हॉब्स समेत वाशिंगटन राज्य के कई सीनेटर और प्रतिनिधि भी कार्यक्रम का हिस्सा बने। समारोह में भारत की सांस्कृतिक विविधता को दिखाने वाली प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें एक जिला, एक उत्पाद (ओडीओपी) भी शामिल था।

तूफान रोक लिया हमने, आंकड़े बता रहे हैं कितनी बड़ी बर्बादी आने वाली थी

नई दिल्ली,28 जनवरी (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में 2025 में अब तक करीब 3 फीसदी की गिरावट आ चुकी है। कारण विदेशी निवेशकों (एफआईआई) की ताबड़तोड़ बिकवाली है। पिछले 5 महीने से ये बिक्री कर रहे हैं। 24 जनवरी को बाजार बंद होने तक एफआईआई बाजार से 69,080 करोड़ रुपये निकाल चुके हैं। यह 2023 की कुल निकासी से चार गुना ज्यादा है। यानी जितनी रकम पूरे साल में कभी एफआईआई निकालते थे, उन्होंने कुछ दिनों में उससे कहीं ज्यादा निकाल ली। जिस तरह की बिकवाली इन्होंने की है, वह बर्बादी लाने के लिए काफी था। हालांकि, इसे सिप के जरिये छोटी बचत करने वाले निवेशकों ने रोक लिया।
इसी ने एफआईआई के बाहर जाने के दौरान पूंजी बाजार को स्थिरता दी है। एडलवाइस म्यूचुअल फंड की सीईओ राधिका गुप्ता ने सिप के औसत रिटर्न का जिक्र कर इसके फायदों के बारे में बताया है। राधिका गुप्ता ने कहा है कि एसआईपी के जरिए निवेश करने वालों को जरूर फायदा होता है। उन्होंने बताया कि अगर बाजार औसत रिटर्न भी दे तो भी 10 साल के एसआईपी के रिटर्न देखें। एसआईपी से फंड मैनेजर धीरे-धीरे पूंजी लगा पाते हैं। मासिक एसआईपी योगदान 26,000 करोड़ रुपये प्रति माह तक पहुंच गया है। राधिका गुप्ता के अनुसार, आज करोड़ों निवेशक इसका इस्तेमाल करते हैं। इस पर भरोसा करते हैं। यही भरोसा एफआईआई के बाहर जाने के दौरान हमारे पूंजी बाजार को स्थिरता देता है। उन्होंने आगे कहा कि म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री ने एक ऐसा साधन बनाया है जो न केवल निवेश की जरूरतों, बल्कि भारतीय निवेशकों की नियमित बचत की जरूरतों को भी पूरा करता है। राधिका गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'आज, करोड़ों निवेशक - आम निवेशक - सिप का इस्तेमाल करते हैं और इस पर भरोसा करते हैं। यह सामूहिक विश्वास हर महीने 26,000 करोड़ रुपये का है। यही सामूहिक विश्वास एफआईआई की भारी बिकवाली के दौरान हमारे पूंजी बाजारों को स्थिरता प्रदान करता है।

सोने-चांदी के दाम में आज गिरावट : गोल्ड 391 कम होकर 80,006 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आया, चांदी 549 सस्ती हुई

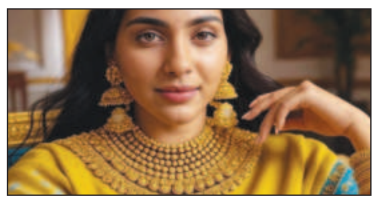

मुंबई,28 जनवरी (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज (मंगलवार, 28 जनवरी) गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 391 रुपए कम होकर 80,006 रुपए पर आ गया है। सोमवार को सोना 80,397 रुपए पर था। वहीं 24 जनवरी को सोने ने 80,430 रुपए प्रति दस ग्राम का ऑल टाइम हाई बनाया था। इधर, चांदी 549 रुपए सस्ता होकर 89,725 रुपए प्रति किलो पर आ गई है। इससे पहले चांदी 90,274 रुपए किलो थी। चांदी ने 23 अक्टूबर 2024 को अपना ऑल टाइम हाई बनाया था, तब ये 99,151 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 75,250 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 82,080 रुपए है।
मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 75,100 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 81,930 रुपए है। कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 75,100 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 81,930 रुपए है।
चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 75,100 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 81,930 रुपए है।
भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 75,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 81,980 रुपए है।
हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 81,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 75,100 रुपये है।

शेयर बाजार में लौटी हरियाली; सेंसेक्स 535 अंक चढ़ा, निफ्टी 22950 के पार

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में लगातार दो दिनों की भारी गिरावट के बाद मंगलवार को बढ़त दिखी। बैंकिंग और ब्याज दरों के प्रति संवेदनशील शेयरों में खरीदारी के कारण बाजार में यह रिकवरी दिखी। आरबीआई ने वित्तीय प्रणाली में नकदी डालने का फैसला किया है, इससे बाजार को मदद मिली। तीस शेयरों वाला सेंसेक्स 535.24 अंक या 0.71 प्रतिशत चढ़कर 75,901.41 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 1,146.79 अंक या 1.52 प्रतिशत चढ़कर 76,512.96 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 128.10 अंक या 0.56 प्रतिशत बढ़कर 22,957.25 पर बंद हुआ। इंट्राडे सत्र में 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 308.8 अंक या 1.35 प्रतिशत चढ़कर 23,137.95 पर पहुंच गया।

बजाज फाइनेंस और एक्सिस बैंक के शेयरों में तेजी

सेंसेक्स के शेयरों में बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, जोमैटो, इंडसइंड बैंक, मारुति सुजुकी इंडिया और भारती एयरटेल प्रमुख लाभ में रहे। सन फार्मास्युटिकल, लार्सन एंड टूब्रो, आईटीसी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, नेस्ले इंडिया, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और एशियन पेंट्स पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल रहे।

वैश्विक बाजार में दिखा मिला-जुला रुख

एशियाई बाजारों में टोक्यो नकारात्मक क्षेत्र में और हॉन्गकॉन्ग हरे रंग में बंद हुआ। इस बीच, सियोल और शंघाई के बाजार छुट्टियों के कारण बंद रहे। शुरुआती सत्र में यूरोपीय बाजारों में तेजी रही, ब्रिटेन का एफटीएसई 100 0.55 प्रतिशत, जर्मनी का डीएएक्स 0.44 प्रतिशत तथा पेरिस का सीएसी 40 0.33 प्रतिशत बढ़ा। सोमवार को अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 0.62 प्रतिशत बढ़कर 77.56 डॉलर प्रति बैरल हो गया। सोमवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सूचकांक 824.29 अंक गिरकर 75,366.17 पर बंद हुआ था, जबकि 50 शेयरों वाला निफ्टी 263.05 अंक गिरकर 22,829.15 पर बंद हुआ था।

रुपया 25 पैसे कमजोर होकर 86.56 रुपये पर बंद

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ धमकियों के बीच वैश्विक बाजार की धारणा कमजोर पड़ने से मंगलवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 25 पैसे टूटकर 86.56 (अनंतिम) पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि विदेशी पूंजी के निरंतर बाहर जाने और तेल आयातकों की ओर से डॉलर की निरंतर मांग के बीच विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती के कारण रुपये पर दबाव जारी रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 86.53 पर कमजोर रुख के साथ खुला और कारोबार के दौरान अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 86.50 के उच्चतम स्तर और 86.57 के निम्नतम स्तर को छू गया। स्थानीय मुद्रा विनिमय दर 86.56 (अनंतिम) पर बंद हुई, जो पिछले बंद भाव से 25 पैसे की गिरावट दर्शाता है। सोमवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 9 पैसे कमजोर होकर 86.31 पर बंद हुआ।

बजट 2025 के बन सकते हैं 'रोटी, कपड़ा और मकान'

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। आम लोगों की ताकत को कम नहीं आंकना चाहिए। इस बात का अहसास पिछले साल लोकसभा चुनाव के नतीजों ने सभी को दिखा दिया। अब उसी आम आदमी के लिए देश की मिलीजुली सरकार अपने दूसरे बजट में बड़े ऐलान करने की तैयारी कर रही है। जानकारों की मानें तो देश के आम आदमी को सशक्त बनाने के लिए बजट 2025 में ऐसे ऐलान हो सकते हैं, जो अभी तक नहीं हुए या अगर हुए भी हैं तो पहले बजटों में आवंटन कम हुआ।अब सबसे बड़ा सवाल ये है कि सरकार की नजर में आम आदमी कौन है? जो इसका सीधा जवाब है, महिलाएं, यूथ, किसान और गरीब। देश जो चुनावों के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की जुबान पर होते हैं। लोकसभा चुनाव हों या फिर बीते 6 महीने में जो विधानसभा चुनाव नेताओं के भाषणा इन चारों के बिना पूरे नहीं होते हैं। अगर बात मोदी सरकार की करें तो ये चारों ही एक अहम हिस्सा रहे हैं। जब मोदी 3.0 का पहला बजट जुलाई में पेश किया गया तो बजट कुल हिस्से में से करीब 33.6 फीसदी इन्हीं चारों को आवंटन किया गया। मतलब साफ है कि ये चारों मौजूदा समय में देश की सत्ता के लिए रोटी कपड़ा और मकान से कम नहीं है।गोदरेज एंटरप्राइजेज के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एवं सीईओ अनिल जी। वर्मा ने कहा कि जैसा कि हम केंद्रीय बजट 2025-26 के करीब आ रहे हैं, मैं आशावादी हूं कि सरकार बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देने, राजकोषीय विवेक बनाए रखने और स्किल, वेलफेयर स्कीम्स के साथ महिलाओं, यूथ, किसानों और गरीबों पर जोर देने का काम जारी रखेगी। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर बजट 2025 में इन

चारों पर किस तरह का फोकस देखने को मिल सकता है।

महिलाओं पर कैसे रहेगा फोकस

मिशन शक्ति, मातृ वंदना योजना और जननी सुरक्षा योजना जैसी वुमेन सेंट्रिक स्कीम्स के लिए धन बढ़ाने का ऐलान हो सकता है। कैप्री लोन के मैनेजिंग डायरेक्ट राजेश शर्मा ने ईटी से बात करते हुए कहा कि सेफ्टी, एजुकेशन और मातृ स्वास्थ्य लाभ के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के लक्ष्य वाले इन कार्यक्रमों को इस वर्ष ज्यादा बजट मिल सकता है।पिछले बजट में इन योजनाओं के लिए 3 लाख करोड़ रुपए की भारी-भरकम राशि रखी गई थी। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री जन धन योजना जैसे कार्यक्रम – बचत खाते चलाने वाली महिलाओं के लिए 10,000 रुपए की ओवरड्राफ्ट सुविधा की पेशकश – और प्रधान मंत्री मुद्रा योजना, जो एसएमई और एमएसएमई के लिए 10 लाख रुपए तक के कोलेटरल फ्री लोन प्रदान करती है, इसमें सहायक हैं।

किसानों की आय को बढ़ावा देना

कृषि और ग्रामीण विकास सरकार की कल्याण प्राथमिकताओं के केंद्र में हैं। बजट 2024 में घोषित मौजूदा योजनाएं और कई अन्य कैबिनेट फैसले महत्वपूर्ण होने जा रहे हैं और इन्हें टॉप अप मिल सकता है। योजनाओं में पीएम-किसान शामिल है, जो वित्तीय बोझ को कम करने के लिए किसानों को सालाना 6,000 रुपए प्रदान करता है; प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) जो प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए किफायती फसल बीमा सुनिश्चित करती है। मुद्रा योजना जो ग्रामीण उद्यमियों को कोलेटरल फ्री लोन देती है। राजेश शर्मा के अनुसार, ग्रामीण उद्यमिता, कृषि उत्पादकता में सुधार और कृषि को जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों के प्रति अधिक लचीला बनाने पर ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक तकनीक और सिंचाई प्रणालियों तक बेहतर पहुंच से अधिक पैदावार हो सकती है और किसानों की आय में सुधार हो सकता है।भारत की जनसंख्या, जिसका औसत 27 है, फायदे और नुकसान दोनों का हो सकता है। लेकिन, वित्त मंत्री के पास इसे रणनीतिक रूप से आगे बढ़ाने का काम है।
पिछले साल, सीतारमण ने 2 लाख

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य - उत्तरायणे - ऋतु - शिशिर
महावीर निर्वाण संवत -2051,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 | सूर्योदय -06-52 सूर्यास्त. 18-06
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- अमावस्या . 18-05 तक उपरान्त प्रतिपदा
मास - माघ कृष्ण , बुधवार 29 January
नक्षत्र - उत्तराषाढ़ 08-20 तक उपरान्त श्रवण
योग - सिद्ध 21-21 तक उप व्यतिपात
करण- चतुष्पाद 06-54 तक उप नाग
विशेष:- देवपितृकार्ये माघी मौनी अमावस्या पुण्य
व्रत -त्योहार - श्री कुम्भ महापर्व सुयोग प्रयागराज

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मकर मे	मकर...	05-53 बजे
चंद्र-	मकर मे	कुंभ...	07-44 बजे
मंगल	मिथुन (व) मे	मीन...	09-22 बजे
बुध-	मकर मे	मेष...	10-58 बजे
गुरु-	वृष मे	वृष...	12-40 बजे
शुक्र-	मीन मे	मिथुन	14-44 बजे
शनि-	कुंभ मे	कर्क..	16-56 बजे
राहु-	मीन मे	सिंह....	19-08 बजे
केतु-	कन्या मे	कन्या....	21-16 बजे
		तुला....	23-20 बजे
		वृश्चिक..	01-29 बजे
		धनु......	03-44 बजे

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:29 से 13:54 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ.	06:52 - 08:15	शुभ	उत्पात	18:06 - 19:44	अशुभ
अमृत	08:15 - 09:40	शुभ	शुभ	19:44 - 21:19	शुभ
काल	09:40 - 11:04	अशुभ	अमृत	21:19 - 22:54	शुभ
शुभ	11:04 - 12:29	शुभ	चंचल.	22:54 - 24:29*	शुभ
रोग	12:29 - 13:54	अशुभ	रोग	00:29 - 02:04	अशुभ
उत्पात	13:54 - 15:19	अशुभ	काल	02:04 - 03:39	अशुभ
चंचल	15:19 - 16:44	शुभ	लाभ	03:39 - 05:15	शुभ
लाभ	16:44 - 18:06	शुभ	उत्पात	05:15 - 06:52	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आप नम्र रहेंगे और दूसरों की स्वार्थरहित सेवा करेंगे । दूसरों को संतुष्ट करने के लिए अपना समय ,स्थान ,पैसा और यह तक कि अपना भोजन भी लगायेंगे । लोग आपकी इसके लिए तारीफ करेंगे ,लेकिन अपनी सीमायें निर्धारित करें । अपने बच्चों पर भी ध्यान दें,उन्हें कोई संकर्मण हो सकता है । घर पर रहें और घर का स्वच्छ भोजन करें ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि अतीत से चिपके रहने से आपको कोई लाभ होने वाला नहीं है । आपको अपने अतीत से सीखना जरुर है ,परन्तु उसे पकड़े रहने से बात नही बनेगी । अगर आप आज यह समझ पाने में कामयाब हो जाते हैं तो पिछले कुछ समय से आपके जीवन में चली आ रही बड़ी समस्याओं को सुलझाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम होगा ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
एक ऐसा व्यक्ति जो काफी लम्बे समय से आपके आस पास है लेकिन उस पर आप अधिक ध्यान नही दे रहे थे,आज से आप उसके बारे में गंभीरता से सोचना शुरू करेंगे । यह महज एक उभरता हुआ रोमांस नही है,बल्कि मन और आत्मा का मिलन है जिससे आप खासे प्रभावित होंगे । इसके बारे में अच्छे से सोच लें क्योंकि अब यह व्यक्ति आपके साथ लम्बे समय तक रहेगा ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आपके हर एक काम में आत्मविश्वास की झलक दिखेगी । कुछ समय पहले तक बहुत मुश्किल दिखने वाली बाधाएं आज आसानी से पार हो जाएंगी । आपकी संवाद कुशलता अब पहले से बेहतर है और आप लोगों को इसके चलते विश्वास में लेकर अपनी बात समझा पायेंगे । दिन किसी मुश्किल परियोजना पर काम करने के लिए भी उपयुक्त है ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
अपने जीवन पर नियंत्रण रखें और और सब के कहने या कुछ करने की कोई भी परवाह ना करें । इसके स्थान पर आराम से खुद की इच्छाओं और आवश्यकताओं को समझने की कोशिश करें और उन का विश्लेष्ण करें ताकि किसी स्पष्ट निष्कर्ष पर पहुंच सकें । इस बात का विशेष ध्यान रखें की आपके फैसले से ऐसी किसी व्यक्ति को दुःख न हो जो आप पर भावनात्मक रूप से निर्भर है ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
पिछले कुछ समय से आप आवेग के प्रभाव में आकर फैसले ले रहें हैं ,लेकिन आज आपको योजना बनाकर सही ढंग से काम करने की महता का पता चलेगा । इसी से आपकी प्रवृति बदल जायेगी और आपके काम का ढंग नियोजित होता जाएगा । योजना बनाने के लिए कभी देर नही होती,जब जागो तभी सवेरा । योजना बनाकर आप सभी कामो को सही ढंग से कर भी पायेंगे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
दिन शुरुआत में बहुत अच्छा,बाद में थोडा व्यस्त रह सकता है । घर पर कोई बीमार पड़ सकता है और आपको अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद उनकी देखभाल के लिए समय निकालना होगा । आपको सहकर्मियों या दोस्तों से खुशी मिलेगी और आप आने वाले समय में उनके साथ समय बिताने की योजनायें बना सकते हैं ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज आप अनुभव करेंगे कि आप सामान्य से कुछ अधिक बोल रहे हैं । आप पिछले कुछ समय से चालाकी भरा व्यवहार कर रहे हैं लेकिन आज आप इससे खुद ही परेशानी अनुभव करेंगे ।आज आप वह सच्चाई नही उगलना चाहते जो शायद कईयों को अच्छी नही लगेगी । आज के लिए किसी एकान्त कार्यकलाप की योजना बनाएं ,क्योंकि आज आप शायद दूसरों को अच्छा लगने वाला व्यवहार ना कर पायें।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपको आज बहुत सारी गलत जानकारी प्राप्त होंगी। इसीलिए औरों की सुनने और मानने की बजाय अपने आप सोच समझकर फैसले लेना अधिक उपयुक्त रहेगा । अपने तरीके और अपने नजरिये के आधार पर देखेंगे तो बिलकुल ठीक फैसला ले पायेंगे । आपकी बहु प्रतीक्षित छुट्टी जल्द ही मिलने वाली है । आज रोड पर छोटी –मोटी दुर्घटना होने की काफी आशंका बनी हुई है।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप पिछले कई दिन से बेचैन और नाखुश सा अनुभव कर रहें हैं लेकिन आज आपका रुख इस समस्या को और अधिक गंभीरता से लेने का है । आपको यह जानना है कि इस समस्या की जड़ क्या है ,आज का दिन इस काम के लिए सबसे बेहतर है । लम्बे समय से उपेक्षित कुछ कामो की योजना बनाने के लिए भी अच्छा दिन है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आलस के कारण अपने दिन को बिगड़ने न दें । अपनी प्राक्रतिक रचनात्मक ऊर्जा को बाहर निकालें और फिर आपका दिन आराम से अच्छा जायेगा । आपको अपने स्वास्थ्य और अपने निजी जीवन में भी व्यवस्था को बहल करने की आवश्यकता है । विकर्षित करने वाली चीजों पर ध्यान ना दें और वही कार्य पूरी एकाग्रता से करें जो आपके लिए लाभकारी हों ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
पिछला घटनाक्रम कुछ ऐसा रहा है कि आपका आत्मविश्वास डगमगा गया है, इसके चलते आज कोई भी काम ख़ुशी से और संतोषजनक ढंग से पूरा नही हो पायेगा । कोई ऐसा भी मिलेगा जिसकी नकारात्मक टिप्पणियों से आप और भी निराश महसूस करेंगे,लेकिन चिंता ना करें,यह अस्थायी चरण है और आप जल्दी ही अपना आत्मविश्वास वापस पा लेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

भारतीय राजा ने तिब्बत पर कब्जा करके कैलाश मानसरोवर जीता था

भस्मासुर-रावण ने किया तप वहां चीन का दावा खोखला?

हाइलाइट्स
- कैलाश मानसरोवर का इतिहास
- इस पर किसका अधिकार क्षेत्र
- यात्रा पर खर्च कितना आता है

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। कैलाश मानसरोवर का जिक्र आते ही सबसे पहले यह सवाल सबके जेहन में उठता है कि यह किसका है। तो चलिए इससे जुड़ी कैलाश मानसरोवर की वह कहानी जानते हैं। भारत के पूर्व राजदूत पी स्टोबदान ने अपने एक लेख में कहा है कि कैलाश मानसरोवर और इसके आसपास का इलाका 1960 के दशक तक भारत के अधिकार क्षेत्र में था। हाल ही में चीन और भारत के बीच कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर सहमति बनी है। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह यात्रा इस साल गर्मियों तक शुरू हो सकती है। जानते हैं कि ये यात्रा कब तक शुरू हो सकती है और इस पर कितना खर्च आ सकता है। यात्रा की अहमियत के बारे में भी जानते हैं।

> लद्दाख के राजा के इलाके में था पूरा कैलाश मानसरोवर

पी स्टोबदान के अनुसार, लद्दाख के राजा त्सावांग नामग्याल का शासन क्षेत्र कैलाश मानसरोवर के मेन्सर नाम की जगह तक था। ये पूरा इलाका भारत, चीन से लेकर नेपाल की सीमा तक फैला था। 1911 और 1921 की जनगणना में कैलाश मानसरोवर वाले इलाके के मेन्सर गांव में 44 घर होने की बात सरकारी रिकॉर्ड में है। 1958 के जम्मू-कश्मीर समझौते के मुताबिक मेन्सर चीन के कब्जे में चला गया। यह इलाका चीन कब्जे वाले लद्दाख तहसील के 110 गांवों में शामिल था।

> जब बाज बहादुर ने बनाया तिब्बत पर हमले का प्लान

एक लेखक हुए हैं ओसी हांडा। उनकी किताब 'हिस्ट्री ऑफ उत्तरांचल' में कहा गया है मुगल बादशाहों के दौर में उत्तराखंड के कुमाऊं में चांद वंश के राजा बाज बहादुर का शासन (1638-1678) था। बाज बहादुर के मुगल बादशाहों शाहजहां और औरंगजेब से काफी अच्छे संबंध थे। उस वक्त पहाड़ों पर हूणों का आतंक था, जिसे खत्म करने के लिए बाज बहादुर ने तिब्बत पर हमला करने की योजना बनाई।

मनमोहन शर्मा की किताब 'द ट्रेजेडी ऑफ तिब्बत' में कहा गया है कि बाज बहादुर जुहार दर्रे के रास्ते अपनी सेना के साथ तिब्बत की ओर बढ़ा। तब बाज बहादुर ने हूणों के मजबूत गढ़ टकलाकोट पर कब्जा कर लिया। इतिहास में यह पहली बार था कि किसी भारतीय राजा ने तिब्बत के इस गढ़ पर कब्जा किया था। इसके बाद 1841 में जम्मू की डोगरा सेना ने इस पर कब्जा किया। बाज बहादुर ने देहरादून और मानसरोवर के पूरे इलाके को 1670 में कुमाऊं सम्राज्य में मिला लिया गया। हालांकि, कैलाश मानसरोवर पर कब्जे को लेकर इतिहास बहुत धुंधला है।

> क्या है कैलाश मानसरोवर तीर्थ की अहमियत

कैलाश मानसरोवर तीर्थ को अष्टपद, गणपर्वत और रजतगिरि भी कहते हैं। कैलाश के बर्फ से ढंके 6,638 मीटर (21,778 फुट) ऊंचे शिखर और उससे लगे मानसरोवर का यह तीर्थ है। इस प्रदेश को मानसखंड कहते हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, जैन धर्म के भगवान ऋषभदेव ने यहीं निर्वाण प्राप्त किया। युधिष्ठिर के राजसूय यज्ञ में इस प्रदेश के राजा ने उत्तम घोड़े, सोना, रत्न और याक के पूंछ के बने काले और सफेद चामर भेंट किए थे। कहा जाता है कि इस पर्वत का निर्माण 30 मिलियन वर्ष पहले हुआ था। कैलाश मानसरोवर यात्रा एक पवित्र तीर्थयात्रा है, जिसे मोक्ष का प्रवेश द्वार माना जाता है।

> आईटीबीपी के हवाले कैलाश मानसरोवर यात्रा की सुरक्षा

कैलाश मानसरोवर की यात्रा उत्तराखंड, सिक्किम और तिब्बत से होती है। भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के हवाले इस यात्रा की सुरक्षा होती है। वहीं, कुमायूं मंडल विकास निगम और सिक्किम पर्यटन विकास निगम कैलाश की यात्रा कर रहे श्रद्धालुओं को मदद देती है। दिल्ली हार्ट एंड लंग इंस्टीट्यूट की ओर से यात्रा पर जाने वाले लोगों का फिटनेस टेस्ट किया जाता है। यात्री के अनफिट पाए जाने पर उसकी यात्रा कैंसिल हो सकती है।

> वेबसाइट पर करा सकते हैं रजिस्ट्रेशन

विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर जाकर आप कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। यात्रा के लिए अपने पास पासपोर्ट साइज फोटो, पासपोर्ट का पहला और आखिरी पेज का फोटो, फोन नंबर और ईमेल अपने पास रखें। इस यात्रा को पूरा करने में तकरीबन 25 दिन का समय लगता है। इसमें 2 से 3 लाख तक खर्चा आ सकता है।

> शिव का निवास तो बौद्ध धर्म का मेरु पर्वत है कैलाश

कैलाश पर्वत हिंदुओं के लिए भगवान शिव का पवित्र निवास है। बौद्ध धर्म में कैलाश पर्वत को कांग रिनपोछे यानी बर्फ के अनमोल रत्न के रूप में नवाजा जाता है। जिसे ज्ञान और निर्वाण की प्राप्ति से जुड़ा एक पवित्र स्थल माना जाता है। बौद्ध धर्म में कैलाश पर्वत को 'मेरु पर्वत' के नाम से जाना जाता है और इसे डेमचोक का निवास स्थान माना जाता है। जैनियों के लिए कैलाश पर्वत को अष्टपद के रूप में जाना जाता है। यह उनके पहले तीर्थंकर भगवान ऋषभनाथ से जुड़ा हुआ है। यह आध्यात्मिक जागृति और जन्म और मृत्यु के चक्र से मुक्ति के स्थान के रूप में महत्व रखता है।

> महाकवि माघ की रचना में कैलाश का जिक्र

भगवान शिव और जैनियों के भगवान आदिनाथ के कारण ही संसार के सबसे पावन स्थानों में है कैलाश पर्वत। कैलाश पर्वत को भगवान शिव का घर कहा गया है, जहां बर्फ में भगवान महादेव तप में लीन बेहद शांत और निश्चल हैं। कैलाश पर्वत के बारे में संस्कृत साहित्य के कई काव्यों में जिक्र मिलता है। महाकवि माघ की लिखी शिशुपालवध-महाकाव्य के प्रथम सर्ग में कैलाश का जिक्र मिलता है।

> चीन ने कैलाश को अपने हिस्से में दिखाया

1959 में पहली बार चीन ने अपने नक्शे में सिक्किम, भूटान से लगते कैलाश मानसरोवर के बड़े हिस्से को अपने अधिकार क्षेत्र में दिखाया था। तब तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने संसद के बाहर और भीतर इसका जोरदार विरोध दर्ज कराया। पूर्व राजदूत स्टोबदान ने लिखा है कि नेहरू ने ये जमीन भले ही चीन को सौंपी न हो, लेकिन वो इसे बचा नहीं पाए। वह चीन को इस हरकत पर रोक भी नहीं पाए।

> मेन्सर इलाके को क्या कश्मीर के राजा ने दिया था

1961 की आधिकारिक रिपोर्ट में कैलाश के पास के क्षेत्रों पर भारत के ऐतिहासिक, प्रशासनिक और राजस्व अधिकारों का पूरा विवरण दिया गया था। चीन ने तब इसका विरोध नहीं किया था। 1947 में जम्मू-कश्मीर रियासत से किए गए समझौते में मेन्सर इलाके को चीन को दिए जाने का जिक्र नहीं है। मेन्सर इलाके पर दावे को लेकर कोई कानूनी हल नहीं हुआ है।

> रावण और भस्मासुर ने यहीं किया था तप

कैलाश की परिक्रमा तारचेन से आरंभ होकर वहीं समाप्त होती है। तकलाकोट से 40 किमी दूरी पर मंधाता पर्वत स्थित गुर्लला का दर्रा है। इसके मध्य में पहले बायीं ओर मानसरोवर और दायीं ओर राक्षस ताल है। उत्तर की ओर दूर तक कैलाश पर्वत के हिमाच्छादित धवल शिखर का रमणीय दृश्य दिखाई पड़ता है। दर्रा समाप्त होने पर तीर्थपुरी नामक स्थान है जहां गर्म पानी के झरने हैं। इन झरनों के आसपास चूनखड़ी के टीले हैं। मान्यता है कि भस्मासुर ने यहीं तप किया और यहीं वह भस्म भी हुआ था। हिंदू धर्मग्रंथों के अनुसार, रावण ने कैलाश मानसरोवर में भगवान शिव की स्तुति में 'शिव तांडव स्तोत्र' का पाठ किया था।

> अभी क्या है कैलाश मानसरोवर की स्थिति

फिलहाल, कैलाश मानसरोवर का क्षेत्र तिब्बत में पड़ता है, जिस पर ब्रिटिश अभियान 1903 में शुरू हुआ और 1904 तक चला। अंग्रेजों ने राजधानी ल्हासा पर आक्रमण किया। अंग्रेजों को इस पर नियंत्रण पाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। तिब्बत को 24 अक्टूबर, 1951 को पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना ने अपने अधीन कर लिया था। कैलाश पर्वतमाला की सबसे ऊंची चोटियों में से एक कैलाश पर्वत है, जो ट्रांस-हिमालय का एक हिस्सा है। यह चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में स्थित है। यह पर्वत चीन, भारत और नेपाल के पश्चिमी ट्राई जंक्शन पर स्थित है। यात्रा का आयोजन विदेश मंत्रालय करता है।

> मानसरोवर झील से निकलती हैं ब्रह्मपुत्र, सिंधु और सतलुज

कैलाश पर्वत तिब्बत में स्थित एक पर्वत श्रेणी है। इसके पश्चिम और दक्षिण में मानसरोवर व राक्षसताल झील हैं। माना जाता है कि कैलाश पर्वत श्रृंखला का निर्माण हिमालय पर्वत श्रृंखला के शुरुआती चरणों के दौरान हुआ था। कैलाश पर्वतमाला के निर्माण के कारण हुए भूगर्भीय परिवर्तन से चार नदियां भी जन्मीं, जो अलग-अलग दिशाओं में बहती हैं- ये हैं सिंधु, करनाली, यारलुंग त्सांगपो यानी ब्रह्मपुत्र और सतलुज। कैलाश पर्वतमाला कश्मीर से लेकर भूटान तक फैली हुई है।

सांसद पप्पू यादव ने झारखंड सीएम से मांगी Z सिक्योरिटी

लेटर में लिखा-लॉरेंस बिश्नोई गैंग धमका रहा; न केंद्र सुरक्षा दे रही, न बिहार सरकार

रांची, 28 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने झारखंड सरकार से जेड सुरक्षा मांगी है। इसे लेकर उन्होंने सीएम हेमंत सोरेन को लेटर भी लिखा है। लेटर में सांसद ने कहा है कि, 'लॉरेंस बिश्नोई गैंग लगातार हत्या की धमकी दे रहा है। मैं बिहार, झारखंड सहित देश-विदेश के अपराधियों और शराब माफिया के निशाने पर हूं।' 'राजनीतिक कारणों की वजह से न तो केंद्र और न ही बिहार सरकार सुरक्षा दे रही है। मैं अपनी सुरक्षा को लेकर काफी चिंतित हूं। जब से 18 वीं लोकसभा का सदस्य निर्वाचित हुए हैं। तब से मुझे और मेरे परिवार को भारी खतरा हो गया है।'

झारखंड से पहले भी मिली धमकी

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव को 7 दिसंबर को झारखंड से धमकी मिली थी। धमकी अमन साव गिरोह के गैंगस्टर मयंक सिंह ने दी है। गैंगस्टर मयंक सिंह ने सोशल मीडिया फेसबुक पर लिखा, 'जनता हमेशा चुनाव करती है। इस बार आप चुनाव करो कि सुधरना है या रेस्ट इन पीस होकर ही मानोगे।' गैंगस्टर ने ये भी लिखा, 'ये क्या नौटंकी लगा रखी है। अपने ही लोगों से सेटिंग कराकर, खुद को धमकी दिलवा कर, लॉरेंस बिश्नोई का नाम उछाल कर सस्ती लोकप्रियता बटोरना छोड़िए। आपके पास अभी भी टाइम है। लॉरेंस भाई से पब्लिकली माफी मांग कर अपनी गलती सुधार लीजिए।'

गैंगस्टर ने आगे लिखा था

आपसे गैंग कि कोई निजी दुश्मनी नहीं थी। आप आए दिन बयानबाजी करते रहते हैं, जो आपका राजनीतिक मामला है। गैंग को उससे कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन आप याद रखें कि लॉरेंस बिश्नोई कोई दियारा, बिहार का गैंग नहीं है, यह ग्लोबल इंटरनेशनल गैंग है। सांसद पप्पू यादव को बीते अक्टूबर से धमकी मिल रही है।

दरअसल, 12 अक्टूबर को मुंबई में पूर्व विधायक बाबा सिद्दीकी की हत्या हुई थी, जिसकी जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली थी। इसके बाद पूर्णिया सांसद ने सोशल मीडिया पर 24 घंटे में लॉरेंस गैंग के खात्मे की बात कही थी। सांसद का दावा है कि कभी लॉरेंस बिश्नोई गैंग, कभी झारखंड के अमन साहू गैंग समेत देश-विदेश से धमकियां मिली हैं।

अक्टूबर 2024 से धमकी मिलने का सिलसिला शुरू हुआ। 1 दिसंबर को पप्पू यादव को एक वीडियो मैसेज भेजकर जान से मारने की धमकी दी गई थी। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।

लेवी वसूलने आए उग्रवादियों की पिटाई, एक की मौत

लातेहार, 28 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड में ग्रामीणों ने पीटकर एक उग्रवादी की हत्या कर दी। वहीं, उसके दो साथियों की पिटाई के बाद उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया। सभी उग्रवादी ईंट भट्ठा मालिकों से लेवी (रंगदारी) लेने के लिए पहुंचे थे।

घटना सोमवार की देर रात लातेहार जिले के चंदवा थाना क्षेत्र स्थित रामपुर गांव की है। मृतक उग्रवादी की पहचान जेएसजेएमएम (झारखंड संघर्ष जन मुक्ति मोर्चा) के सुप्रीमो अभय उर्फ किशोर नायक के रूप में की गई है। ग्रामीणों के अनुसार, अभय सोमवार की रात अपने 6-7 साथियों के साथ क्षेत्र के ईंट भट्ठा मालिकों से लेवी वसूलने पहुंचा था। सबसे पहले वे सेरक गांव के ईंट भट्ठा मालिक धनलाल उरांव के पास पहुंचा और लेवी देने की बात कही। उन्होंने लेवी देने से मना किया तो उसे लाठी से पीटा और दहशत फैलाने के लिए फायरिंग भी की।

कांग्रेस प्रत्याशियों की लिस्ट पर बवाल

टिकट नहीं मिलने पर नेता ने छोड़ी पार्टी; कुछ लड़ रहे निर्दलीय;बिलासपुर में फूंका बैज का पुतला

बिलासपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में टिकट नहीं मिलने पर मेयर-पार्षद के दावेदार बागी होने लगे हैं। रायपुर निगम चुनाव में कई एमआईसी मेंबर को इस बार कांग्रेस ने टिकट नहीं दिया है। इन्हीं में से एक बंटी होरा सोशल मीडिया पर कांग्रेस पार्टी को अलविदा कहने की बात लिख चुके हैं। निर्दलीय जीतकर पार्षद बने और फिर कांग्रेस में आए जितेंद्र अग्रवाल भी कांग्रेस के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं।

इससे पहले बिलासपुर में नगर निगम मेयर, नगर पालिका और नगर पंचायत के अध्यक्ष और वार्ड प्रत्याशियों की सूची जारी होते ही बवाल मच गया है। टिकट कटने से नाराज नेता और कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सड़क पर उतर गए और जमकर हंगामा मचाया, जिसके बाद उन्होंने पुतला भी दहन किया। टिकट नहीं मिलने पर मेयर-पार्षद के दावेदार बागी तेवर दिखाने लगे हैं। बोदरी नगर पंचायत में अध्यक्ष प्रत्याशी से नाराज चल रहे 14 वार्ड पार्षद प्रत्याशियों ने इस्तीफा सौंप दिया। जिसके कारण कांग्रेस को सोमवार को 2 बार संशोधित लिस्ट जारी करना पड़ा।

रायपुर में कांग्रेस के इन पार्षदों को इस बार टिकट नहीं

बंटी होरा, आकाश तिवारी, जितेंद्र अग्रवाल को कांग्रेस ने टिकट नहीं दिया है। अग्रवाल ने बागी होकर निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला किया है। आकाश तिवारी एमआईसी में थे मगर इस बार टिकट हासिल नहीं कर पाए। कांग्रेस की निगम सरकार में एमआईसी में रहे ज्ञानेश शर्मा को भी टिकट नहीं मिला है। हालांकि चर्चा थी कि वो खुद ही चुनाव से दूरी बना चुके हैं। सुरेश चन्नावार, समीर अख्तर, को भी टिकट नहीं दिया गया। एमआईसी में रहे सतनाम पनाग, कुमान मेनन, सहदेव व्यवहार को इस बार फिर से टिकट मिला है।

युवती को रेप कर मार डाला, अर्धनग्न मिली लाश

किसी और से करती थी बात, इसलिए घोंटा गला-लड़की दोनों से रखना चाहती थी संबंध

जांजगीर-चांपा, 28 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में एकतरफा प्यार में युवती की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। 26 जनवरी को युवती की अर्धनग्न लाश मिली थी। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि आरोपी रेशम लाल सिदार (26) ने युवती के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या की थी। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

रेशम लाल को युवती का किसी और से बात करना पसंद नहीं था। इसके चलते उसने युवती के साथ पहले दुष्कर्म किया फिर उसका गला घोंट दिया। आरोपी जम्मू-कश्मीर भागने की फिराक में था, लेकिन उससे पहले ही उसे रायगढ़ से गिरफ्तार कर लिया गया। मामला सक्ती थाना क्षेत्र का है।

बाड़ी में मिली थी युवती की अर्धनग्न लाश

दरअसल, 26 जनवरी को बाड़ी में युवती का अर्धनग्न शव मिला था।

जांच में पता चला कि आरोपी रेशम लाल (26), जो मृतका का पड़ोसी था, घटना के बाद से लापता था। साइबर पुलिस की मदद से पुलिस ने उसे रायगढ़ से पकड़ा। एसडीओपी मनीष कुंवर के अनुसार, आरोपी की युवती से बातचीत होती थी। 25 जनवरी की रात करीब 11 बजे वह युवती से मिलने उसके घर गया।

युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाए

इस दौरान युवक ने युवती से जबरन शारीरिक संबंध बनाए। तभी युवती मोबाइल फोन पर अन्य युवक मुकेश से बात कर रही थी। युवती ने कहा कि जल्दी चले जाओ मुकेश आ रहा है। आरोपी ने दूसरे युवक को छोड़ने की बात कही तो युवती ने कहा तुम दोनों के साथ संबंध रखूंगी।

इसके बाद आरोपी मृतका के घर की बाड़ी कूद कर जाने लगा, लेकिन जेब में रखा पैसा गिरने पर उठाने चला गया था। इस बीच फिर युवक ने युवती से जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। फिर उसने मुकेश को छोड़ने की बात कही तो दोनों के बीच विवाद हुआ।

भालू से भिड़ गया पांचवीं का छात्र

पापा पर हमला होता देख, जान पर खेल गया बेटा उठने न दिया सिर से पिता का हाथ

जगदलपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। हांदावाड़ा जंगल में बांस लेने के लिए गए पिता और पुत्र पर एक भालू ने हमला कर दिया। अचानक से हुए हमले से पिता को कहीं नहीं बचा पा रहा था, ऐसे में पिता को मौत के मुंह में देख बेटा अपनी जान की परवाह न करते हुए भालू से भिड़ गया। इस दौरान बेटा गंभीर रूप से घायल भी हुआ, लेकिन फिर भी उसने भालू से अपने पिता की जान बचा ली। दोनों घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से अस्पताल ले जाया गया। परिजनों ने बताया कि वंजाराम नेताम (30) सोमवार को हांदावाड़ा के जंगल में बांस लेने गए थे। वंजाराम नेताम अपने साथ अपने बेटे दीपेंद्र नेताम को ले गए थे। दीपेंद्र नेताम कक्षा पांच में पढ़ता है। जंगल में वंजाराम नेताम पर भालू ने हमला कर दिया।

पिता को बचाने के लिए दीपेंद्र नेताम भालू से भिड़ गया। बेटे ने डंडे से भालू पर हमला करना शुरू कर दिया। इस दौरान भालू ने दीपेंद्र को भी घायल कर दिया। लहूलुहान होने के बाद भी दीपेंद्र ने भालू को भगा दिया और ग्रामीणों को सूचना दी। ग्रामीणों ने संजीवनी 108 पर फोन करके जानकारी दी। 108 एंबुलेंस के ईएमटी और पायलट ने बिना किसी देरी करते हुए हांदावाड़ा में पहुंचे। वंजाराम नेताम को भालू ने बुरी तरीके से घायल कर दिया था। एंबुलेंस में प्राथमिक उपचार करते हुए जिला अस्पताल दंतेवाड़ा में एडमिट किया गया।

रास्ता रोककर राहगीरों से लूटपाट, जांजगीर चांपा पुलिस ने 2 को किया गिरफ्तार

जांजगीर चांपा, 28 जनवरी (एजेंसियां)। जांजगीर चांपा जिले के अकलतरा थाना क्षेत्र में रास्ता रोककर राहगीरों से लूटपाट दो आरोपी अमन कुमार साहू कोनी जिला बिलासपुर और सूरज कुमार घृतलहरे ग्राम अमोरा जांजगीर को गिरफ्तार करने में पुलिस की सफलता मिली है। वहीं लूट के लिए सामनों को बरामद किया गया है।

लूट की घटना के अन्य आरोपियों की अभी तलाश जारी है। जानकारी अनुसार, 24 जनवरी 2025 की रात 8.20 बजे को बिलासपुर की रहने वाली युवती से नेशनल हाईवे 49 ग्राम अमरताल के गोदाम के पास उसकी एक्टिवा गाड़ी और एक आईफोन 15 दोनों की कीमत करीबन 1 लाख 85 हजार रुपए की अज्ञात बदमाशों ने लूट लिए थे। इसी तरह ग्राम किरारी निवासी नारद कश्यप की बाइक एचएफ डीलक्स और वीवो कंपनी का मोबाइल कीमत लगभग 60 हजार रुपये लूट लिए गए।

छत्तीसगढ़ निकाय चुनाव

भूपेश की मौजूदगी में दीप्ति ने भरा फॉर्म बीजेपी से मेयर प्रत्याशी मीनल भी भरेंगी पर्चा

रायपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में आज निकाय चुनाव के लिए नामांकन का आखिरी दिन है। प्रदेशभर में भाजपा-कांग्रेस नामांकन रैली निकालकर शक्ति प्रदर्शन करेंगी। रायपुर, बिलासपुर, अंबिकापुर और दुर्ग में भी भाजपा के बड़े नेता रैलियों में शामिल होंगे। वहीं रायपुर में कांग्रेस की नामांकन रैली रद्द हो गई है।

रायपुर में भाजपा की मेयर पद की उम्मीदवार मीनल चौबे और 70 वार्ड के पार्षद प्रत्याशी एक साथ नामांकन देने जाएंगे। कांग्रेसी भी शाम को रैली के साथ ताकत दिखाते हुए नामांकन करने वाले थे, लेकिन रायपुर मेयर प्रत्याशी दीप्ति दुबे ने बिना रैली के नामांकन फॉर्म भर दिया। नामांकन दाखिल करने के दौरान पूर्व सीएम भूपेश बघेल, रायपुर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष गिरीश दुबे और पूर्व निगम सभापति प्रमोद दुबे भी मौजूद रहे। इसके पहले कार्यकर्ताओं के साथ कांग्रेस भवन गांधी मैदान से रैली निकालने की योजना थी, जिसे स्थगित कर दिया गया। गांधी मैदान में कार्यकर्ता नेताओं का इंतजार करते रहे।

नॉर्थ गाजा में लौटे 3 लाख फिलिस्तीनी

इजराइल ने वापसी की मंजूरी दी; गाजा में शवों को निकाल रही रेड क्रॉस

खान यूनिस, 28 जनवरी (एजेंसियां)। इजराइल-हमास ग के 15 महीने बाद 3 लाख से ज्यादा फिलिस्तीनी नागरिक रफा बॉर्डर और साउथ गाजा के इलाके से नॉर्थ गाजा की तरफ लौटे चुके हैं। 19 जनवरी को हुए सीजफायर के बाद कल यानी सोमवार, 27 जनवरी को इजराइल ने फिलिस्तीनी नागरिकों नॉर्थ गाजा में लौटने की मंजूरी दी। जंग शुरू होने के बाद 10 लाख से ज्यादा लोग साउथ की तरफ चले गए थे। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक गाजा में इजराइली हमलों से 47 हजार से ज्यादा लोगों मारे गए हैं, जबकि 1.10 लाख से ज्यादा घायल हुए हैं।

सीजफायर डील के तहत यह तय हुआ था कि इजराइल, 25 जनवरी से उत्तरी गाजा में फिलिस्तीनी लोगों को लौटने की अनुमति देगा। हालांकि इजराइल-हमास के बीच विवाद की वजह से इसमें 2 दिन की देरी हुई।

हमास बोला-लोगों का घर लौटना इजराइल की हार

हमास ने गाजा के विस्थापितों की घरवापसी को अपनी जीत बताया है। हमास ने कहा कि गाजा पर इजराइली कब्जे का प्लान फेल हो चुका है। लोगों का अपने घर लौटना इजराइल की हार का संकेत है। इजराइल ने सोमवार सुबह 9 बजे नेत्जरिम कॉरिडोर को खोल दिया। बीबीसी के मुताबिक नेत्जरिम कॉरिडोर के खुलने के 2 घंटे के भीतर दो लाख विस्थापित फिलिस्तीनी पैदल गाजा की सीमा में घुसने में कामयाब हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 2 घंटे के बाद गाड़ियों के लिए सीमा खोली गई।

इजराइल बोला-हमास की कैद में 8 बंधक मारे गए

इजराइल ने कहा कि हमास की ओर से जारी की गई सूची में 33 में 8 बंधक पहले ही मारे जा चुके हैं। सरकार के प्रवक्ता डेविड मेंसार ने इसकी पुष्टि की है। इसका मतलब है कि अब आने वाले समय में हमास सिर्फ 18 बंधकों को ही रिहा करेगा। इजराइल सीरफायर के पहले चरण में अब तक 7 बंधकों को रिहा कर चुका है।

हमास इस हफ्ते 6 और इजराइली बंधकों को रिहा करेगा

सीजफायर समझौते के तहत इस हफ्ते हमास, इजराइल के 6 नागरिकों को रिहा करेगा। इन्हें 3-3 के दो बैच में गुरुवार और शनिवार को रिहा किया जाएगा। इसके बदले में इजराइल ने सोमवार, 27 जनवरी से नॉर्थ गाजा में फिलिस्तीनी नागरिकों को वापस लौटने की अनुमति दे दी। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसकी जानकारी दी। रिहा होने वाले बंधकों में दो महिलाएं अर्बेल येहुद और अगर बर्गर शामिल हैं। इन्हें हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को बंधक बना लिया था। इजराइल ने पिछले हफ्ते शनिवार को रिहा हुई 4 महिला बंधकों के साथ अर्बेल येहुद को रिहा करने की मांग की थी। हालांकि हमास ने अर्बेल की शनिवार को रिहाई नहीं की। इसे इजराइल ने सीजफायर का उल्लंघन बताया था।

ट्रम्प ने जस्टिस डिपार्टमेंट से दर्जनों अफसर निकाले

वॉशिंगटन, 28 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिकी न्याय विभाग से एक दर्जन से ज्यादा अधिकारियों की छुट्टी कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक ये अधिकारी ट्रम्प के खिलाफ 2020 में चुनाव नतीजों को पलटने की कोशिश के आरोपों की जांच में शामिल थे। इन अधिकारियों ने पूर्व स्पेशल काउंसिल जैक स्मिथ के साथ मिलकर ट्रम्प के खिलाफ कार्रवाई की थी। न्याय विभाग के प्रवक्ता ने सोमवार को बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। बयान में कहा गया कि कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल जेम्स मैकहेनरी ने ट्रम्प के खिलाफ जांच में शामिल होने की वजह से अधिकारियों को निकाला है।

पीएम मोदी फरवरी में अमेरिका आ सकते हैं

वॉशिंगटन, 28 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फरवरी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात करने अमेरिका आ सकते हैं। ट्रम्प ने सोमवार को नरेंद्र मोदी से फोन पर बात की। इसके बाद उन्होंने मीडिया से कहा कि पीएम मोदी के फरवरी में अमेरिका आने की उम्मीद है। हालांकि, अभी भारतीय विदेश मंत्रालय ने इसकी पुष्टि नहीं की है। रॉयटर्स के मुताबिक ट्रम्प ने कहा कि अवैध अप्रवासियों के मुद्दे पर मोदी वही करेंगे जो सही होगा। जब हम अमेरिका में अवैध तरीके से रह रहे भारतीयों को उनके देश भेजेंगे, तो मोदी सही फैसला लेंगे। भारत के साथ हमारे बहुत अच्छे संबंध हैं। हम भारत से आईटी प्रोफेशनल्स को लेने के लिए तैयार हैं। अमेरिका भारत का बड़ा व्यापारिक साझेदार है। 2023-24 में दोनों देशों के बीच व्यापार 118 अरब डॉलर से ज्यादा रहा था। इसमें भारत का ट्रेड सरप्लस 41 अरब डॉलर रहा था।

दोनों नेताओं में हथियारों की खरीद पर बात

व्हाइट हाउस ने दोनों नेताओं की बातचीत के बाद कहा, 'ट्रम्प ने भारत से अमेरिकी हथियारों की खरीद और निष्पक्ष द्विपक्षीय व्यापार संबंध के बारे में भी बात की। दोनों नेताओं ने इंडो-पैसेफिक, मिडिल ईस्ट और यूरोप में सिक्योरिटी समेत कई मुद्दों पर बात की।' ट्रम्प ने पहले कार्यकाल में राष्ट्रपति के तौर पर 2020 में आखिरी विदेश यात्रा भारत की ही की थी। भारत सरकार ने अमेरिकी राष्ट्रपति के इस दौरे को नमस्ते ट्रम्प नाम दिया था। ट्रम्प ने अहमदाबाद के मोटेरा स्टेडियम में भाषण दिया था और इसके बाद ताजमहल देखने आगरा गए थे।

ट्रम्प की टैरिफ लिस्ट में भारत-चीन का नाम

अमेरिका को नुकसान पहुंचाने वालों पर टैरिफ लगाएंगे, यह बहुत जल्द होगा

वॉशिंगटन, 28 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को फ्लोरिडा में एक कार्यक्रम में भारत, चीन और ब्राजील जैसे देशों पर हाई टैरिफ लगाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि अब वक्त आ गया है कि अमेरिका वापस उस सिस्टम को अपनाए जिसने उसे धनी और ताकतवर बनाया है।

ट्रम्प ने कहा-हम उन देशों और बाहरी लोगों पर टैरिफ लगाने जा रहे हैं जो हमें नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। देखिए दूसरे देश क्या करते हैं। चीन बहुत ज्यादा टैरिफ लगाता है। भारत, ब्राजील और बाकी देश भी ऐसा ही करते हैं। हम ऐसा अब और नहीं होने देंगे क्योंकि हम अमेरिका को सबसे पहले रखेंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका एक ईमानदार सिस्टम तैयार करेगा, जिससे हमारे खजाने में पैसा आएगा और अमेरिका फिर से बहुत अमीर हो जाएगा। यह सब कुछ बहुत जल्द होगा।

ट्रम्प ने कहा कि दूसरे देशों को अमीर बनाने के लिए अपने लोगों पर टैक्स लगाने की जगह हम अपने लोगों को अमीर बनाने के लिए दूसरे देशों पर टैक्स लगाएंगे। अमेरिका फर्स्ट का नारा दोहराते हुए ट्रम्प ने कहा कि जैसे अन्य देशों पर टैरिफ बढ़ेंगे वैसे ही अमेरिकी वर्कर्स और इंडस्ट्री पर टैक्स कम हो जाएंगे। इससे हमारे देश में बड़ी संख्या में नौकरियां आएंगी और कारखाने लगेंगे।

सेना से ट्रांसजेंडर आइडियोलॉजी खत्म कर देंगे

ट्रम्प ने सेना में ट्रांसजेंडर्स और डीईआई (विविधता, समानता और समावेश) प्रोग्राम पर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि यह तय करने के लिए कि हमारे पास दुनिया की सबसे मजबूत सेना, हम अपनी सेना से ट्रांसजेंडर आइडियोलॉजी पूरी तरह से खत्म कर देंगे। उन्होंने आगे कहा कि मैंने सरकार और प्राइवेट सेक्टर और सेना में सभी डीईआई संबंधी बकवास पॉलिसी को खत्म करने का आदेश दिया है। हमने इसे एक हफ्ते में किया। यह इतना आसान नहीं था, लेकिन हर कोई यही चाहता था।

ट्रम्प बोले-कंपनियां चीनी एआई मॉडल से सावधान रहें

ट्रम्प ने चीन की डीपसीक एआई को लेकर अमेरिकी इंडस्ट्री को चेतावनी है। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई जीतने के लिए इस तरफ पूरा फोकस करना होगा। हालांकि ट्रम्प ने यह भी कहा कि यह झटका सिलिकॉन वैली के लिए पॉजिटिव भी हो सकता है क्योंकि इससे उसे कम कीमत में इनोवेशन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। ट्रम्प ने चीन को एडवांस सेमीकंडक्टर तकनीक के निर्यात पर रोक लगाने की बात कही है।

गूगल ने अमेरिका में मेक्सिको की खाड़ी का नाम बदला

दूसरी तरफ गूगल ने अमेरिका में 'गल्फ ऑफ मेक्सिको' का नाम बदल कर 'गल्फ ऑफ अमेरिका' कर दिया। हालांकि, मेक्सिको में 'गल्फ ऑफ मेक्सिको' नाम ही दिखाई देगा। वहीं, दुनिया के बाकी देशों में दोनों नाम नजर आएंगे। गूगल ने X पर लिखा- हमारे यहां लंबे समय से यह सिस्टम चला आ रहा है कि जब किसी जगह का सरकारी रिकॉर्ड में नाम अपडेट हो जाता है, तो हम भी उसमें बदलाव कर देते हैं।

ईरान ने दुनिया को दिखाया अपना सबसे बड़ा ड्रोन 'गाजा'

एक साथ 13 बम ले जाने की क्षमता, इजरायल की बढ़ेगी टेंशन

तेहरान, 28 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने अपना अब तक का सबसे बड़ा हमलावर ड्रोन लॉन्च किया है। इसका नाम गाजा रखा है, जो फिलिस्तीनी क्षेत्र के लिए सम्मान में किया गया है। यह नया ड्रोन एक साथ 13 बम ले जाने में सक्षम है। आईआरजीसी की एयर फोर्स ने एक बड़ी हथियार ड्रिल के दौरान इस ड्रोन को दुनिया के सामने पेश किया। नए हथियार को दिखाते हुए फुटेज सामने आया है, जिसमें ड्रोन को आसमान में उड़ते और धरती पर बम गिराते हुए दिखाया गया है। जब ड्रोन से बम गिरते हैं तो सैकड़ों मीटर नीचे आग के गोले फूटते हैं।

गाजा ड्रोन की खासियत

रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के नई मानवरहित हवाई मशीन के पंख 22 मीटर लंबे हैं और इसका वजन 3000 किलोग्राम से अधिक है। गाजा खुद एक छोटे विमान जैसे दिखता है, जिसके दो सपाट पंख और पीछे एक प्रोपेलर होता है। वीडियो में ड्रोन को बिना किसी परेशानी के टेक-ऑफ, लैंडिंग गियर ऑपरेशन और लैंडिंग गियर का संचालन और टच डाउन करते दिखाई दे रहा है।

500 किग्रा तक हथियार ले जाने में सक्षम

आईआरजीसी की एयरोस्पेस फोर्स के अनुसार, गाजा ड्रोन 35 घंटे तक बिना रुके घूम सकता है और 350 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से उड़ सकता है। यह कम से कम से कम 500 किलोग्राम का पेलोड ले जा सकता है। इसका मतलब है कि इसमें 13 घातक बम रखे जा सकते हैं। यह ड्रोन 1000 किलोमीटर की दूरी तक दुश्मन पर निशाना बना सकता है।

ईरान ने इस ड्रोन की घोषणा पहली बार मई 2021 में की थी, लेकिन अब इसे पूरी तरह से चालू कर दिया गया है। इस ड्रोन का तकनीकी नाम शाहेद-149 है, लेकिन फिलिस्तीन के प्रति समर्थन को दिखाने के लिए गाजा उपनाम भी रखा गया है। यह हथियार अमेरिका के रीपर ड्रोन जैसा है, जिसका इस्तेमाल ईरान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान और यमन समेत कई युद्ध अभियानों में किया गया है।

बांग्लादेश में रेलवे कर्मचारियों ने की हड़ताल

थमे ट्रेनों के पहिये, यात्री और माल परिवहन प्रभावित

ढाका, 28 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में उच्च पेंशन और अन्य लाभ दिए जाने की मांग को लेकर रेलवे कर्मचारियों ने हड़ताल कर दी। इसके चलते ट्रेनों का संचालन बंद हो गया। यात्री और मालगाड़ियों को रद्द कर दिया। हड़ताल के चलते हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। यात्री स्टेशनों पर बसों का इंतजार करते नजर आए। इसके साथ ही माल परिवहन भी प्रभावित हुआ।

बांग्लादेश रेलवे रनिंग स्टाफ और कर्मचारी यूनियन के कार्यवाहक अध्यक्ष सैदुर रहमान ने कहा कि मांगो को लेकर सोमवार देर रात को मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के साथ बैठक हुई थी, लेकिन मांगों पर सहमति नहीं बन सकी। रहमान ने कहा कि जब तक सरकार हमारी मांगों को मान नहीं लेती है, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। ढाका के मुख्य कमलापुर रेलवे स्टेशन पर सैकड़ों यात्री ट्रेनों का इंतजार करते नजर आए। क्योंकि उनको हड़ताल की जानकारी नहीं थी। कई घंटे तक इंतजार के बाद वे मायूस होकर लौट गए। कई यात्रियों ने रेलवे सलाहकार से भी शिकायत की। ढाका के स्टेशन मैनेजर शहादत हुसैन ने बताया कि मंगलवार सुबह रवाना होने वाली 10 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया। ट्रेनों के विकल्प के तौर पर बसों का इंतजाम किया गया है।

वहीं रेलवे कर्मचारियों ने देश के प्रमुख बंदरगाह शहर चटगांव में प्रदर्शन किया। चटगांव बंदरगाह तक ट्रेनों के जरिये विदेशी देशों को निर्यात होने वाले परिधान उद्योग का माल पहुंचाया जाता है। उद्योग को हर साल निर्यात से 38 बिलियन अमेरिकी डॉलर का का लाभ मिलता है। उद्योग से माल यूएस और यूरोपीय संघ के देशों को भेजा जाता है।

6.5 करोड़ यात्री हर साल करते हैं सफर

बांग्लादेश में 36 हजार किलोमीटर लंबा रेलवे नेटवर्क है। 170 मिलियन की आबादी वाले देश में 6.5 करोड़ लोग हर साल ट्रेनों में सफर करते हैं। साथ ही रेलवे में 25 हजार कर्मचारी कार्यरत हैं।

यूएस कैपिटल हिल हमले के आरोपी की मौत

यूएस कैपिटल, 28 जनवरी (एजेंसियां)। छह जनवरी 2021 को हुए यूएस कैपिटल हिल हमले के आरोपी मैथ्यू हटल की पुलिस अधिकारी से झड़प के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हटल ने उत्तर-पश्चिम इंडियाना में यातायात रोका। इस दौरान पुलिस ने उसे पकड़ने की कोशिश की तो उसने विरोध किया। इस दौरान अधिकारी और संदिग्ध के बीच झगड़ा हुआ। इस झगड़े पुलिस अधिकारी ने गोली चला दी। इससे आरोपी घायल हो गया। पिछले सप्ताह शपथ ग्रहण के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूएस कैपिटल हिल हमले के आरोपियों को क्षमादान दे दिया था। फ्रांस के प्रधानमंत्री फ्रेंकोइस बायरू ने कहा कि एलन मस्क लोकतंत्र के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं। पैसे को विवेक पर शासन करने का अधिकार नहीं दिया जाना चाहिए।

कांगो के गोमा शहर पर विद्रोहियों के कब्जे का दावा

गोमा, 28 जनवरी (एजेंसियां)। अफ्रीकी देश डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो के सबसे बड़े शहर गोमा पर विद्रोही संगठन M23 के लड़ाकों ने कब्जा करने का दावा किया। यहां सेना और विद्रोहियों के बीच लड़ाई जारी थी। इन विद्रोहियों को पड़ोसी देश रवांडा का समर्थन हासिल है। लड़ाई के बाद हजारों लोग शहर छोड़कर भाग निकले। लगभग 20 लाख की आबादी वाले गोमा शहर में विद्रोहियों के घुसने और गोलीबारी से अफरातफरी का माहौल था।

एजेंसी के मुताबिक कई लोग सड़कों पर खड़े होकर विद्रोहियों का स्वागत भी कर रहे थे। दूसरी तरफ हजारों लोग अपने बच्चों और अन्य सामान के साथ रवांडा की सीमा में चले गए हैं। कांगो सरकार ने शहर में विद्रोहियों को घुसने की बात कबूली है, लेकिन शहर पर कब्जे की बात से इनकार किया है।

बांग्लादेशी सेना में तख्तापलट की साजिश

ढाका, 28 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बाद अब वर्तमान सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमान के तख्तापलट की भी साजिश रची जा रही है। इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक बांग्लादेशी सेना के लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद फैजुर रहमान सेना की बागडोर संभालने की तैयारियों में जुटे हैं। इस साजिश में कई कट्टरपंथी अफसर भी शामिल हैं। फैजुर रहमान ने पिछले हफ्ते ढाका में पाकिस्तान की सीक्रेट एजेंसी आईएसआई के प्रमुख और उसके प्रतिनिधिमंडल से बातचीत की थी। इसके साथ ही वो बांग्लादेश की खुफिया एजेंसी डीजीएफआई से समर्थन जुटाने की कोशिश कर सकते हैं।

मुस्लिमों के पवित्र मक्का और मदीना शहरों में प्रॉपर्टी ले सकेंगे दुनिया के लोग

सऊदी अरब ने खोले दरवाजे

रियाद, 28 जनवरी (एजेंसियां)। सऊदी अरब की कैपिटल मार्केट अथॉरिटी (सीएमए) ने मक्का और मदीना जैसे अहम शहरों में रियल एस्टेट कंपनियों में विदेशी निवेश की अनुमति दी है। यह नीति तुरंत प्रभाव से लागू कर दी गई है। इसका उद्देश्य विदेशी पूंजी को आकर्षित करना, सऊदी पूंजी बाजार को मजबूत करना और दोनों शहरों में विकास परियोजनाओं को बढ़ावा देना है। ये फैसला ऐसा समय लिया गया है, जब क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान सऊदी की अर्थव्यवस्था को लचीला करते हुए तेल पर निर्भरता कम करने के लिए कदम उठा रहे हैं। इस फैसले से उनके प्लान को रफ्तार मिल सकती है।

विदेशियों को निवेश की इजाजत देने के ऐतिहासिक फैसले से दुनियाभर के निवेशकों के लिए मक्का और मदीना में रियल एस्टेट के दरवाजे खुल गए हैं। इससे सऊदी अरब के विजन 2030 को बल मिलेगा, जिसका बड़ा लक्ष्य सऊदी पूंजी बाजार को अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के लिए आकर्षक बनाना है। सीएमए का मानना है कि यह कदम मुस्लिमों के पवित्र शहरों में विकास परियोजनाओं के आसानी बढ़ाएगा। साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर सऊदी बाजार की प्रतिस्पर्धा को मजबूत करेगा।

क्या कहते हैं नए नियम

नए नियमों के तहत विदेशी निवेश मक्का और मदीना में रियल एस्टेट रखने वाली सऊदी-सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों में इन्वेस्ट के लिए है। सऊदी से बाहर के यानी विदेशी निवेशक (व्यक्ति और कंपनी दोनों) सामूहिक रूप से किसी प्रोजेक्ट में 49 प्रतिशत तक शेयर रख सकते हैं। यह नीति विदेशी निवेशकों को पवित्र शहरों में विकास परियोजनाओं से प्रेरित आर्थिक विकास में भाग लेने में सक्षम बनाती है। सीएमए ने सऊदी अरब के पूंजी बाजार को विदेशी निवेशकों के लिए अधिक सुलभ बनाने के लिए कई सुधार पेश किए हैं। इनमें विदेशी निवासियों को सीधे सऊदी शेयर बाजार में निवेश करने की अनुमति देना, विदेशी संस्थानों को स्वैप समझौतों और अन्य माध्यमों से निवेश करने में सक्षम बनाना और विदेशी निवेशकों को ऋण साधन और रियल एस्टेट फंड प्राप्त करने की अनुमति देना शामिल है।

यह नया कदम सऊदी अरब के आर्थिक सुधारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह दर्शाता है कि देश अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और वैश्विक निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनने के लिए प्रतिबद्ध है। विशेषज्ञों का कहना है कि सीएमए का यह कदम स्वागत योग्य है। इससे आर्थिक तौर पर सऊदी अरब को मजबूती मिलने की उम्मीद है। खासतौर से मक्का और मदीना में पूंजी आएगी, जो धार्मिक महत्व की वजह से दुनियाभर में मशहूर शहर है।

सरकारी आयोग की रिपोर्ट में दावा-जिस पावरलाइन से आग लगने की बात कही, वह घटनास्थल से मीलों दूर

वॉशिंगटन, 28 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में इटन इलाके में लगी आग को लेकर अब तक दावा किया जा रहा था कि बिजली के तारों में खराबी की वजह से फॉल्ट हुआ जिसके कारण जंगल में आग लगी। हालांकि अब जिस पावर लाइन के तारों में फॉल्ट की वजह से आग लगने का दावा किया जा रहा है, वह लाइन आग लगने की जगह से मीलों दूर है। कैलिफोर्निया पब्लिक यूटिलिटीज कमीशन एक सरकारी विनायमक एजेंसी है, जो एक सरकारी आयोग ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि जिस पावर लाइन से आग लगने की बात कही जा रही है, वह आग लगने वाली जगह से मीलों दूर है। 7 जनवरी को लगी आग से लॉस एंजिलिस शहर का बड़ा हिस्सा जलकर खाक हो गया। इस आग में 28 लोगों की मौत हुई।

बिजली के तारों में खराबी की वजह से आग लगने के दावे को नकारा

दरअसल आग के चलते अपनी संपत्ति खोने वाले एक व्यक्ति ने अदालत में केस दायर किया है। इसी मामले की सुनवाई के दौरान कैलिफोर्निया पब्लिक यूटिलिटीज कमीशन ने एक रिपोर्ट दायर की है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि आग पावर लाइन में खराबी की वजह से लगी और कैलिफोर्निया में बिजली, पानी आदि की सेवाएं देने वाली निजी कंपनियों की निगरानी करती है। अदालती सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने आरोप लगाया कि यूटिलिटी के उपकरणों के कारण आग लगी। उन्होंने आग के शुरुआती मिनटों के दौरान लिए गए वीडियो भी दिखाया, जिसमें बिजली के टावरों के नीचे आग की बड़ी लपटें दिखाई दे रही हैं। उनका कहना है कि वीडियो एक गैस स्टेशन के बाहर लगे कैमरे से लिया गया है। इटन इलाके में लगी आग तूफानी हवाओं की वजह से भड़की और उसने लॉस एंजिलिस के बड़े इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। अग्निशमन दल हफ्तों से आग बुझाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि फिलहाल इटन इलाके में लगी आग पर अब काबू पा लिया गया है।

स्टूडेंट्स सुसाइड रोकथाम के लिए कानून बनाएगी सरकार

विधानसभा में पेश होगा बिल; हाईकोर्ट में दी जानकारी

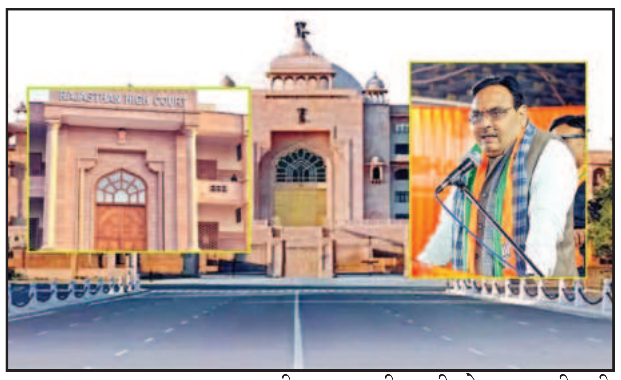

जयपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार कोचिंग सेंटर संचालन के लिए कानून लाकर विद्यार्थियों को आत्महत्या से बचाएगी। इसके लिए आने वाले विधानसभा सत्र में विधेयक लाया जाएगा। राज्य सरकार ने इस संबंध में राजस्थान हाईकोर्ट में जानकारी दी। अगली सुनवाई 10 फरवरी को होगी।

न्यायाधीश इन्द्रजीत सिंह और न्यायाधीश वी के भारवानी की खंडपीठ ने कोचिंग विद्यार्थियों की आत्महत्या की घटनाओं को लेकर वर्ष 2016 में स्वप्रेरणा से दर्ज याचिका पर यह आदेश दिया। महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कोर्ट को बताया कि राज्य सरकार कोचिंग सेंटरों के संचालन के लिए कानून बनाएगी, जिसके लिए सभी पहलुओं पर काम किया जा रहा है। आगामी विधानसभा सत्र में विधेयक पेश करने के प्रयास किए जा रहे हैं। कोर्ट ने महाधिवक्ता की ओर से दी गई इस जानकारी को रिकॉर्ड पर लेते हुए सुनवाई टाल दी।

31 जनवरी से शुरू होगी विधानसभा

राजस्थान विधानसभा में 31 जनवरी को बजट शुरू होगा। सत्र की शुरुआत में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े का विधानसभा में पहली बार अभिभाषण होगा। राज्यपाल के अभिभाषण के बाद 3 से 6 फरवरी तक सदन में इस पर चर्चा होगी। मुख्यमंत्री 6 फरवरी को इस बहस का जवाब देंगे। 19 फरवरी को विधानसभा में अपना बजट पेश होने के बाद बहस होगी। इसके बाद विभिन्न विभागों की मांगों पर बहस होगी। यह चरण मार्च मध्य तक चलने की संभावना है।

19 फरवरी को पेश होगा राजस्थान सरकार का दूसरा बजट

5 लाख करोड़ से ज्यादा का होगा बजट साइज

जयपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की भजनलाल सरकार अपने कार्यकाल का दूसरा बजट 19 फरवरी को पेश करने जा रही है। बजट को लेकर प्लान और नॉन प्लान की बजट फाइनलाइजेशन कमेटियों की बैठक हो चुकी है। इनके अलावा बजट को लेकर व्यापार संगठनों, युवाओं, महिलाओं और खिलाड़ियों से भी संवाद बैठकें मुख्यमंत्री के स्तर पर करवाई जा चुकी है।

इस बार बजट का साइज 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक होने की संभावना है। पिछले साल सरकार की ओर से 4 लाख 95 हजार करोड़ रुपए का बजट पेश किया गया था।

बजट में इस बार 100 से ज्यादा नए औद्योगिक क्षेत्रों का ऐलान हो सकता है। इसकी वजह है कि सरकार ने पिछले साल नवंबर में राइजिंग राजस्थान इनवेस्टमेंट समिट का आयोजन करवाया था। इनमें आए निवेश प्रस्तावों को भूखंड आवंटन के लिए, नए औद्योगिक क्षेत्रों की आवश्यकता है। ऐसे में सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में इस बजट में बड़े ऐलान कर सकती है।

राजस्थान में पेयजल संकट से निपटने के लिए, शुरू की जा रही PKC-ERCP योजना को लेकर राजस्थान और एमपी के बीच समझौता हो चुका है। आने वाले बजट में इस परियोजना के लिए नए डैम तैयार करने के बजट में बड़े ऐलान होने हैं।

बजट सत्र में मंत्रियों के जवाब के दिन तय

बजट सत्र के दौरान विधानसभा में मंत्रियों के जवाब देने के दिन भी तय कर लिए गए हैं। तय दिन पर मंत्री अपने विभागों से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देंगे। सीएम भजनलाल शर्मा मंगलवार और गुरुवार को सदन में बात रखेंगे। डिप्टी सीएम दीया कुमारी भी मंगलवार और गुरुवार को सदन में अपनी बात रखेंगी। डिप्टी सीएम डॉ. प्रेमचंद बैरवा को बुधवार और शुक्रवार, मंत्री किरोड़ीलाल मीणा को सोमवार और शुक्रवार, गजेंद्र सिंह खींवसर को मंगलवार और गुरुवार, मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ को सोमवार और बुधवार का दिन आवंटित किया गया है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को सोमवार और शुक्रवार, पीएचईडी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी को बुधवार और शुक्रवार, विधि मंत्री जोगाराम पटेल को मंगलवार, गुरुवार तथा जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत को बुधवार और शुक्रवार, सामाजिक अधिकारिता विभाग के मंत्री अविनाश गहलोत को सोमवार और शुक्रवार का दिन सदन में जवाब देने के लिए दिया गया है। वहीं मंत्री सुमित गोदारा को मंगलवार और गुरुवार, जोराराम कुमावत को मंगल, गुरुवार, बाबूलाल खराड़ी को सोम, बुधवार, हेमंत मीणा को सोम, बुधवार और संजय शर्मा को मंगल और गुरुवार का दिन आवंटित किया गया है।

कोटा में बढ़ते सुसाइड पर सांसद राहुल कस्वां ने जताई चिंता

परिजनों और कोचिंग संस्थानों से की खास अपील

चूरू, 28 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा में छात्रों की आत्महत्या के बढ़ते मामलों पर चूरू से कांग्रेस सांसद राहुल कस्वां ने गहरी चिंता व्यक्त की है। सांसद ने इन घटनाओं को रोकने के लिए समाज, अभिभावकों, शिक्षण संस्थानों और प्रशासन से नए नजरिए और ठोस कदम उठाने की अपील की है। सांसद राहुल कस्वां ने कहा कि कोटा और जयपुर जैसे शहरों में छात्रों द्वारा आत्महत्या की बढ़ती घटनाएं हर माता-पिता और शिक्षक के लिए आत्ममंथन का विषय हैं।

उन्होंने कहा कि हमने सफलता का पैमाना केवल डॉक्टर और इंजीनियर बनने तक सीमित कर दिया है, जबकि हर बच्चा अपनी काबिलियत के साथ विलक्षण है।

राहुल कस्वां ने कहा कि जीवन की इस भागदौड़ में समाज, परिवार और संस्थानों को मिलकर बदलाव लाना होगा। हम बच्चों से उनकी क्षमता से अधिक की उम्मीद कर रहे हैं, जिससे उन पर मानसिक दबाव बढ़ रहा है। हमें उनके साथ जुड़कर उनकी समस्याओं को समझना होगा।

सासंद राहुल कस्वां ने एक्स हैंडल पर लिखते हुए कहा कि कोटा, जयपुर जैसे शहरों में अध्ययनरत बच्चों द्वारा आत्महत्या करने की घटनाएं लगातार बढ़ती ही जा रही हैं। हम सभी के लिए यह बेहद चिन्तजनक और आत्ममंथन का विषय है। सरकार और प्रशासन इस अत्यंत संवेदनशील विषय पर गंभीरता दिखाए यह तो जरूरी है ही; साथ में हर अभिभावक और शिक्षण संस्थान को भी नये तरीके से सोचने का समय है।

उन्होंने कहा कि यह भी एक कड़वी हकीकत है कि जीवन की इस भागदौड़ में हम इतने व्यस्त हो गए हैं कि बच्चों को समय ही नहीं दे पा रहे हैं। हमने सफलता का अर्थ संकुचित कर दिया है और डॉक्टर व इंजीनियर बनने को ही सफलता का पैमाना मान लिया है; जबकि हर बच्चा विलक्षण है।

परिजनों से अपील करते हुए कहा कि सभी माता-पिता से आग्रह करता हूँ कि अपने बच्चों को समय दें, उनको समझें व सहयोग करें। हर बच्चे की अपनी अलग काबिलियत है जो ईश्वर ने उन्हें प्रदान की है। जहां दुनियां दौड़ रही है उस दौड़ का हिस्सा न बनकर हमें अपने बच्चे को देखकर दौड़ना है।

अपने बच्चों से कनेक्ट रहें, उनमें आत्मविश्वास पैदा करते रहें। आज अवसरों की कोई कमी नहीं है, जहां बच्चा अपना नाम कमा सकता है।

सभी शिक्षण संस्थानों से भी आशा करता हूँ कि अपने यहां अध्ययनरत बच्चों की प्रतिभा की पहचानेंगे और उन्हें सयोगात्मक व स्वस्थ वातावरण प्रदान करेंगे।

गौरतलब है कि सांसद ने सरकार, कोचिंग संस्थानों और प्रशासन से मिलकर इस गंभीर समस्या का स्थायी समाधान निकालने की अपील की। उन्होंने कहा कि छात्रों को स्वस्थ मानसिक और भावनात्मक माहौल देने के लिए तुरंत प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए।

भाजपा ने 16 जिलों में जिलाध्यक्षों की घोषणा की

5 फरवरी को प्रदेशाध्यक्ष का चुनाव

जयपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। प्रदेश भाजपा में 52,163 बूथ, 1135 मंडल और 44 जिलाध्यक्षों के निर्वाचन की प्रक्रिया चल रही है। इसी कड़ी में कल देर शाम 11 नए जिलाध्यक्षों का ऐलान कर दिया गया। इन्हें मिलाकर अब तक 16 जिलों में नए जिलाध्यक्ष घोषित हो चुके हैं। आज चुरू, झुंझुनू, सीकर सहित कुछ अन्य जिलों के नामों का ऐलान हो सकता है।

हालांकि बीजेपी को 30 दिसंबर 24 तक जिलाध्यक्षों के नामों की घोषणा करनी थी। इसके बाद 15 जनवरी तक प्रदेशाध्यक्ष का निर्वाचन होना था लेकिन पार्टी के नेता मंडल की राजनीति में ही उलझकर रह गए। तय समय पर तो बीजेपी पूरे मंडल अध्यक्षों का भी निर्वाचन भी नहीं कर पाई।

प्रदेश बीजेपी ने 44 संगठनात्मक जिले बना रखे हैं। इनमें से 16 का ऐलान हो चुका है। वहीं 31 जनवरी तक बाकी 28 जिलों में भी जिलाध्यक्षों का निर्वाचन करवाना होगा। कोटा शहर, कोटा देहात, गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर देहात, नागौर शहर, नागौर देहात, बाड़मेर, बालोतरा, जोधपुर शहर और जोधपुर जिले में जिलाध्यक्षों के नामों की घोषणा हुई है। इससे पहले 25 जनवरी को भी बीजेपी ने पांच जिलों अजमेर शहर, अजमेर देहात, भरतपुर, अलवर दक्षिण, अलवर उत्तर में जिलाध्यक्षों के नाम का ऐलान किया था।

राजस्थान बीजेपी में कुल 1,058 मंडलों में नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही थी लेकिन कई जिलों में मंडल अध्यक्ष को लेकर आम सहमति नहीं बन पाई, जिससे नामों का ऐलान होते ही विरोध शुरू हो गया। प्रक्रिया अनुसार संगठन चुनावों में जिला निर्वाचन अधिकारी के लिए हर पद पर तीन-तीन नामों का पैनल बनाना जरूरी किया गया था।

इस पैनल में स्थानीय विधायक, पूर्व विधायक, जिला पदाधिकारी, पूर्व पदाधिकारी, जिले के प्रमुख नेताओं की सहमति से ही तय करना था। पैनल में ज्यादा नेताओं के होने से निर्वाचन के लिए 3 की जगह 20 से ज्यादा नाम आने लगे। इसके चलते नामों के चयन में भी काफी समय लगा। कुछ सूचियों पर विवाद इतना ज्यादा बढ़ गया कि अनुशासन समिति को हस्तक्षेप करके पहले हुए चयन को गलत मानना पड़ा और बीजेपी संगठन की प्रदेश अपील समिति को 16 मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति पर अंतरिम रोक लगानी पड़ गई। इसके अलावा पांच मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति को निरस्त करने की घोषणा भी करनी पड़ी।

महाकुंभ में फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी की तरह मुझे भी वैराग्य हो गया है : किरोड़ीलाल मीणा

दौसा, 28 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर बनाए जाने का मुद्दा इन दिनों गरमाया हुआ है। इसी बीच राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने ममता कुलकर्णी के महामंडलेश्वर बनने पर बड़ी बात कही है।

दौसा जिले के लालसोट में डॉ. किरोड़ी लाल ने कहा कि महाकुंभ में जाकर फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी को भी वैराग्य हो गया। वे भी महाकुंभ में जा रहे हैं, उन्हें भी वैराग्य हो जाए तो रामविलास के लिए और भी रास्ता खुल जाएगा।

लालसोट में आयोजित व्यापार महासंघ अध्यक्ष पद के शपथ ग्रहण समारोह में किरोड़ीलाल मीणा ने एक बार फिर अपने मंत्री पद को लेकर बयान देकर नई चर्चा छेड़ दी है। उन्होंने कहा कि लालसोट क्षेत्र की एक अच्छा विधायक (रामविलास मीना) मिला है।

वे पपलाज माता से प्रार्थना करते हैं कि उनके गले में जो घंटी (मंत्री पद) लटकी है, वह रामविलास के गले में लटक जाए। उन्होंने कहा कि वे मंत्री रहना नहीं चाहते हैं। चार सदनों जिला पंचायत, विधानसभा, लोकसभा व राज्यसभा में रहने का सौभाग्य मुझे मिल चुका है।

दुष्यंत सिंह बोले- राहुल गांधी के बयान हिट एंड रन की राजनीति

जयपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। झालावाड़ सांसद दुष्यंत सिंह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के एक हालिया बयान की कड़ी निंदा की है। दुष्यंत सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि राहुल गांधी का बयान उनकी लापरवाह 'हिट-एंड-रन' राजनीति का एक और उदाहरण है, जहां वे इतिहास को समझे बिना कोई बयान दे देते हैं। उन्होंने कहा कि शाही परिवारों ने भारत के सामाजिक और बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कोल्हापुर के शाहू महाराज जैसे नेताओं ने सामाजिक सुधारों का समर्थन किया, जबकि वडोदरा के गायकवाड़ परिवार ने डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर की शिक्षा में योगदान दिया। धौलपुर के शाही परिवार का उल्लेख करते हुए दुष्यंत सिंह ने कहा कि महाराज राणा निहाल सिंह ने राज्य के प्रशासन का आधुनिकीकरण किया, अस्पतालों का निर्माण करवाया और सड़कों व रेलवे जैसे बुनियादी ढांचे का विकास किया। दुष्यंत सिंह ने कहा कि इन परिवारों के प्रयासों को खारिज करना न केवल उनकी ऐतिहासिक विरासत का अपमान है, बल्कि यह राजनीतिक लाभ के लिए आधारहीन टिप्पणी करने की राहुल गांधी की आदत को भी उजागर करता है। उन्होंने राहुल गांधी को सलाह दी कि इतिहास को कमजोर करने के बजाय उन्हें वर्तमान मुद्दों के ठोस समाधान पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

मीटिंग से पहले विधायक राजेंद्र भांबू के सामने खूब चले लात-घूंसे, बुलानी पड़ी पुलिस

झुंझुनू, 28 जनवरी (एजेंसियां)। चिड़ावा पंचायत समिति परिसर में साधारण सभा की बैठक में हिस्सा लेने आए झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भांबू के सामने लात-घूंसे चले। कुछ सरपंचों और पंस सदस्यों ने बीच-बचाव कर मामले को शांत करवाया।

बैठक में वार्ड 17 से पंस सदस्य शीला देवी अपने पति राजेश डारा और वार्ड 16 से पंस सदस्य उम्मेद धनखड़ के साथ इस्तीफा देने के लिए पहुंचीं। बैठक शुरू होने से पहले जैसे ही विधायक राजेंद्र भांबू प्रधान के चैंबर से बाहर निकले, तो पंस सदस्य के पति राजेश डारा ने अपनी पत्नी पंस सदस्य शीला की पार्टी स्तर पर अनदेखी और विकास कार्य नहीं करवाने की बात कहते हुए पद से इस्तीफा देने की बात कही।

बताया जा रहा है कि पंस सदस्य पति डारा ने विधायक को तबादलों की डिजायर नहीं दिए जाने का उलाहना देते हुए उलझने का प्रयास किया। जिस पर हंगामा होने लगा। देखते-देखते दोनों तरफ से लात-घूंसे चलने लगे। कुछ लोगों ने पंस सदस्य शीला के पति राजेश डारा को थप्पड़-मुक्के मार दिए।

भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य विश्वंभर पूनियां, पंस सदस्य अनिल रणवां, सरपंच अमरसिंह नूनियां, अनिल कटेवा ने बीच-बचाव कर मामले को शांत करवाने के प्रयास किए। पंस सदस्य डारा और धनखड़ भी मीटिंग में कागज पर लिखा इस्तीफा लेकर पहुंच गए।

पंचायत समिति में इस्तीफे का मामला तो घंटों तक चलता रहा। मगर मीटिंग से पहले करीब दो मिनट तक जमकर बहस और हाथापाई चलती रही।

खुद पर पेट्रोल छिड़क कर आग लगाने वाली महिला ने तोड़ा दम

उदयपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। उदयपुर में खुद पर पेट्रोल डाल कर आत्मदाह का प्रयास करने वाली महिला की मौत हो गई। महिला का उदयपुर के एमबी हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था। हालत गंभीर होने के कारण महिला को आईसीयू में शिफ्ट किया गया। आईसीयू में शिफ्ट करने के 2 घंटे बाद ही महिला ने दम तोड़ दिया।

बता दें कि यह मामला उदयपुर के सूरजपोल चौराहे का है। महिला ने पति से आए दिन झगड़े के कारण खुद को पेट्रोल छिड़क कर आग लगा ली थी। घटना के दौरान महिला 80 फीसदी तक वह झुलस गई थी। वहां मौजूद लोगों ने जैसे-तैसे आग बुझाकर महिला को अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। 25 जनवरी की शाम को महिला और उसका पति दोनों काम पर गए थे। काम पूरा होने के बाद वह घर के लिए लौट रहे थे। इस दौरान पति ने शराब के लिए रुपए मांगे। नहीं देने पर महिला से झगड़ा किया और गाली-गलौज करने लगा। पति के झगड़े से तंग आकर महिला ने तारपीन का तेल अपने शरीर पर उड़ेल लिया। फिर पास की दुकान से माचिस खरीदकर खुद को आग लगा ली। वहां मौजूद लोगों ने महिला को एमबी अस्पताल में भर्ती करवाया। इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया।

हाइवे पर तीन घंटे में 3 हादसे, एक की मौत

केलवाड़ा, 28 जनवरी (एजेंसियां)। थाना क्षेत्र में 3 घंटे में तीन सडक़ हादसे हो गए। इसमें एक की मौत हो गई। घटनाओं में कई लोग घायल हुए हैं। हैड कांस्टेबल मेघराज हाडा ने बताया कि गुजरात से प्रयागराज जा रही कार ऊनी गांव के पास पॉलीटेक्निक कॉलेज के सामने संतुलित होकर सडक़ से नीचे उतर गई। इससे उसमें सवार लोगों को मामूली चोटें आई। दूसरा सडक़ हादसा केलवाड़ा से समरानिया की ओर जा रहे कार सवार पेनावदा बाइपास पर व्यक्ति को बचाने से हुआ। इससे कार असंतुलित होकर पलट गई। इसमें कोई घायल नहीं हुआ। तीसरा सडक़ हादसा घड़ावली नदी के पास हुआ। इसमें वैन में सवार होकर प्रयागराज से चांदखेड़ी खुर्द आ रहे लोग हाइवे पर रुके। ड्राइवर गाड़ी के टायर की जांच कर रहा था। ऐसे में तेज रफ्तार से आ रहे ट्रैक्टर ने उसे टक्कर मार दी। इसके चलते विनोद ड्रूषसह पुत्र काडू ड्रूषसह 25 नीचे गिर गया। सूचना पर पुलिस पहुंची तथा घायल को केलवाड़ा अस्पताल लेकर आए। यहां पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

शाहपुरा जिला बनाने की मांग पर वकीलों ने निकाली वाहन रैली

बंद रहे बाजार और व्यापारिक प्रतिष्ठान

भीलवाड़ा, 28 जनवरी (एजेंसियां)। शाहपुरा उपखंड मुख्यालय में मंगलवार को जिला बनाने की मांग को लेकर ऐतिहासिक बंद रखा गया। यह बंद अभिभाषक संस्था और जिला बचाओ संघर्ष समिति के आह्वान पर आयोजित किया गया, जिसमें शाहपुरा के तमाम व्यापारिक प्रतिष्ठान, बाजार, चाय की दुकानें, अल्पाहार केंद्रों, मेडिकल स्टोर्स और सब्जी विक्रेताओं ने पूर्ण सहयोग करते हुए अपने प्रतिष्ठान बंद रखे।

पिछले 27 दिनों से जारी आंदोलन के तहत मंगलवार को शाहपुरा में काला दिवस मनाने की घोषणा की गई थी। इसके तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें आक्रोश रैली और महलों का चौक पर सभा का आयोजन प्रमुख रहे। इस आंदोलन में स्थानीय निवासियों और व्यापारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

अभिभाषक संस्था के नेतृत्व में शाहपुरा के अधिवक्ताओं ने महलों का चौक से दोपहिया वाहनों की रैली निकाली। यह रैली शाहपुरा के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। अधिवक्ताओं ने इस दौरान नारेबाजी करते हुए राज्य सरकार से शाहपुरा को पुनः जिला घोषित करने की मांग की।

संघर्ष समिति के संयोजक रामप्रसाद जाट ने इस बंद को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि शाहपुरा की जनता ने जिस तरह से आंदोलन का समर्थन किया है, वह सरकार को चेताने के लिए पर्याप्त है। समिति के अनुसार यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक शाहपुरा को जिला घोषित नहीं किया जाता।

अभिभाषक संस्था के अध्यक्ष दुर्गालाल राजौरा ने कहा कि शाहपुरा की जनता ने अपनी एकजुटता और संघर्ष की ताकत का परिचय दिया है। बंद के सफल आयोजन से यह स्पष्ट होता है कि शाहपुरा के लोग अपनी मांग को लेकर गंभीर हैं और इस मामले में सरकार को जल्द फैसला लेना चाहिए।

महिला से बात करने की जिद में कर दी पति की हत्या

पकड़े जाने के डर से फिर महिला को भी मार दी गोली

जयपुर, 28 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर के सांगानेर सदर थाना क्षेत्र में दंपती की गोली मारकर हत्या के सनसनीखेज मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी मोनू पंडित को महुआ से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी लंबे समय से महिला को परेशान कर रहा था और उससे बातचीत करने का दबाव बना रहा था।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी मोनू पंडित महिला आशा देवी से बातचीत करने के लिए लगातार दबाव बना रहा था। उसकी हरकतों से परेशान होकर आशा देवी ने फैक्ट्री जाना भी छोड़ दिया था। आरोपी ने महिला से बात करने के लिए, उसके पति राजाराम की हत्या साजिश रची। आरोपी ने अपनी साजिश को अंजाम देने के लिए अपने सोने के गहने गिरवी रखकर 50,000 रुपये जुटाए और धौलपुर से देसी पिस्तौल खरीदी। इसके बाद वह दंपती के घर पहुंचा और राजाराम की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना को देखकर जब आशा देवी रोने लगी, तो पकड़े जाने के डर से आरोपी ने उसे भी गोली मार दी।

इंदिराम्मा घरों में रेत की आपूर्ति पर अध्ययन होगा : रेवंत रेड्डी

चार वरिष्ठ अधिकारियों की समिति बनेगी

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने इंदिराम्मा के घरों में रेत की आपूर्ति कैसे की जाए, इस पर अध्ययन का आदेश दिया है। राज्य वित्त विभाग के विशेष मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, खान विभाग के मुख्य सचिव एन श्रीधर, प्रमुख कार्यक्रम आयुक्त शशांक और टीजी एमडीसी के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार को अध्ययन समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। सीएम ने निर्देश दिया कि यह समिति एक सप्ताह के भीतर अपना अध्ययन पूरा कर व्यापक प्रक्रियाओं के साथ रिपोर्ट सौंपे।

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को राज्य सचिवालय में इंदिराम्मा के घरों में रेत की आपूर्ति पर समीक्षा की। राज्य में बड़ी संख्या में इंदिरम्मा घरों का निर्माण शुरू होने के मद्देनजर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को लाभार्थियों को रेत की आपूर्ति कैसे की जाए, इस पर व्यापक अध्ययन करने का निर्देश दिया। सीएम ने कहा कि हालांकि राज्य में हर साल निर्माण बढ़ रहे हैं, लेकिन सरकार को रेत से उतनी कमाई नहीं मिल रही है जितनी उम्मीद थी और साथ ही उपभोक्ताओं को ऊंची कीमत पर रेत खरीदनी पड़ रही है। सीएम रेवंत रेड्डी ने सुझाव दिया कि उपभोक्ताओं को कम कीमत पर रेत उपलब्ध कराई जानी चाहिए। सीएम ने रेत माफिया को रोकने के लिए सभी जरूरी कदम उठाने का आदेश दिया। सीएम ने प्रमुख और लघु खनिज खदानों पर लगाए गए जुर्माने की वसूली नहीं होने के संबंध में भी अधिकारियों से पूछताछ की। सीएम ने अध्ययन समिति को प्रमुख और लघु खनिज नीति पर एक व्यापक अध्ययन करने और दो सप्ताह के भीतर एक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। समीक्षा में राज्य के आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, राज्य सरकार की प्रधान सचिव शांति कुमारी, मुख्यमंत्री के मुख्य सचिव वी. शेषाद्रि और मुख्यमंत्री के सचिव माणिक राज ने भाग लिया।

नाव में लगी आग में झुलसे व्यक्ति की मौत

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हुसैन सागर नाव अग्निकांड में रविवार को गंभीर रूप से घायल हुए एक व्यक्ति की मंगलवार को एक निजी अस्पताल में मौत हो गई। पीड़ित की पहचान आंध्र प्रदेश के पश्चिमी गोदावरी जिले के गणपति के रूप में हुई है, जो पटाखा संचालक था और इस घटना में 80 प्रतिशत से अधिक जल गया। उन्हें सिकंदराबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

इस बीच, बचाव दल दूसरे दिन भी लापता युवक अजय की तलाश में जुटे हुए हैं। ज्ञातव्य हो कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर 'भारत माता की महा हरथी' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। टैंक बंड में कार्यक्रम के अंत में जब स्वयंसेवक दो नावों पर पटाखे फोड़ रहे थे, तभी आग लग गई। सचिवालय पुलिस जांच कर रही है।

3 फरवरी को क्षेत्रीय एनटीपीसी इलेक्ट्रॉन क्विज का आयोजन

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एनटीपीसी इलेक्ट्रॉन क्विज़ का दक्षिण भारत क्षेत्रीय दौर 3 फरवरी को हैदराबाद के उस्मानिया विश्वविद्यालय के टैगोर ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम सुबह 9 बजे शुरू होगा, जिसमें मौके पर ही पंजीकरण की सुविधा होगी। प्रत्येक टीम में दो सदस्य हो सकते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में, एनटीपीसी इलेक्ट्रॉन क्विज़ देश भर के इंजीनियरिंग और प्रबंधन छात्रों के लिए शीर्ष स्तर के क्विज़ कार्यक्रमों में से एक बन गया है। शीर्ष विजेता टीम को 30,000 रुपये का पुरस्कार मिलेगा, उपविजेता को 20,000 रुपये और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 10,000 रुपये का पुरस्कार मिलेगा। इसके अलावा तीन सांत्वना पुरस्कार भी दिए जाएंगे।

पुलिस ने पागल पत्नी-हत्यारे को मीडिया के सामने पेश किया

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सनसनीखेज मीरपेट हत्याकांड के आरोपी गुरुमूर्ति को पुलिस ने मंगलवार को मीडिया के सामने पेश किया। राचकोंडा के सीपी सुधीर बाबू ने मामले की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वेंकट माधवी की हत्या मामले की जांच में सबूत जुटाने के लिए पुलिस कर्मचारियों को कड़ी मेहनत करनी पड़ी। क्या कोई आदमी अपनी पत्नी को इतनी बेरहमी से मार सकता है? हम दंग रह गए। मुझे गुरुमूर्ति में कोई पछतावा नहीं दिखता, जिसने अपनी पत्नी को इतनी बेरहमी से मार डाला। यह कोई फर्जी हत्या नहीं है। उसकी हत्या योजना के अनुसार की गई थी। गुरुमूर्ति खुद क्रूर है। उन्होंने कहा कि मृतक माधवी और गुरुमूर्ति अपने बच्चों को संक्रांति उत्सव के लिए एक रिश्तेदार के घर ले गए थे। सीसीटीवी फुटेज में वेंकट माधवी और गुरुमूर्ति 15 जनवरी को बच्चों को अपने रिश्तेदारों के घर छोड़कर रात 10.41 बजे घर पहुंचे। सीपी ने खुलासा किया, 16 जनवरी की सुबह करीब 8 बजे वह बिना किसी वजह के उससे झगड़ा करने लगा। उसने माधवी का सिर दीवार पर दे मारा और नीचे गिरने पर उसका गला घोंटकर हत्या कर दी। उसने घर में चाकू से उसके पैर, हाथ, शरीर और सिर को चार हिस्सों में काट दिया। सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक शव क्षत-विक्षत अवस्था में मिला। उसने हीटर चलाकर पानी उबाला और उसके शरीर के अंगों को उबाला। फिर उसने उन्हें चूल्हे में डालकर जला दिया। उसने टुकड़ों को पत्थर से कुचला और उनका चूरा बना दिया।

उसने पाउडर को प्लास्टिक की बाल्टी में लिया और उसे जिलेलागुड़ा तालाब में डाल दिया। पूरे घर को बिना किसी निशान के साफ करने के बाद वह एक रिश्तेदार के घर गया और बच्चों को ले आया। सुधीर बाबू ने कहा कि जब बच्चों ने आरोपी से अपनी मां के बारे में पूछा तो उसने कहा कि वह कहीं गई हुई हैं। उसने सोचा कि अगर हत्या के कोई भौतिक सबूत नहीं मिले तो वह इस मामले से बच सकता है। उसने बच्चों को अपने रिश्तेदारों के घर इस संदेह पर रखा कि अगर बच्चे होंगे तो वे सबूत दे देंगे। दो दिन बाद माधवी के माता-पिता ने उससे उसके बारे में पूछा। वह पुलिस स्टेशन आया और गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया। गुरुमूर्ति ने माधवी के चाचा को ये सारी बातें बताईं। वह 15 साल तक सेना में रहा। उसने अपनी पत्नी की हत्या एक योजना के तहत की। हमने तकनीकी सबूत जुटाए हैं। सीपी ने कहा कि वे वेंकट माधवी हत्याकांड की गहराई से जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गुरुमूर्ति को अपनी पत्नी की नृशंस हत्या का कोई अफसोस नहीं है। उन्होंने कहा कि स्टोव, चाकू, रोलर, रोलर स्टोन, बाल्टी, वॉटर हीटर, रूम फ्रेशनर, एसिड की बोतल, डोर मैट, स्क्रैप बाल्टी, सर्फ पैकेट, काले रंग की शर्ट, मृतक की ड्रेस और हत्या के मामले में आरोपी द्वारा इस्तेमाल किए गए दो मोबाइल फोन सहित कुल 16 सामान जब्त किए गए हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों की हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

नं. एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू।।।/टेंडर नोटिस/2024-25 दि.28/01/2025

PUB/0079

निविदा के विवरण को पहले ही www.ireps.gov.in पर अपलोड किया गया है।

क्रम सं.1, टेंडर नं.-टी-202425-1-074, प्राधिकरणः को-आर्ड.,निविदा मूल्यःरु.6829214.38,पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु.136600.00,पूरा करने की अवधिः बारह महिने,कार्य विवरणः,एसडब्ल्यू।-लालवाडी पिट लाइन, नांदेड पर एलएचबी कोचेस के रखरखाव के लिए 750 वी सब-स्टेशन व्यवस्था। एसडब्ल्यू।।- नांदेड डिवीजन के अदिलाबाद पिट लाइन पर एलएचबी कोचेस के रखरखाव के लिए %50 वी सब-स्टेशन का प्रस्ताव। एसडब्ल्यू।।।- नांदेड डिवीजन के 05 अस्पतालों में दिव्यांग सुविधाओं जैसे शौचालय, रैम्प, पेयजल सुविधाएं, एस्सेसिबुल कार्रिडोर्स आदि का प्रावधान। निविदा प्रपत्र मूल्यःरु. शून्य, तत्समान स्वभाव का कार्य(50 लाख रुपये से अधिक मूल्ययुक्त),- कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य(ट्रैक कार्यों/झोनल कार्यों के छोडकर)।

उपरोक्त निविदा दि.21-02-2025 के 15.00 बजे बंद होगी।

सीनि.डीइएन/को-आर्ड./एनडी

निविदा सूचना

PUB/0080

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूर संचार अभियंता/नांदेड डिवीजन, दमरे, नांदेड द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-टेंडरिंग के माध्यम से दि.18-02-2025 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा दिनांकितः 27-01-2025

क्रम सं.1, टेंडर नं.-एन-एसजी-36-2024-25-पीएयु-जेएन-41, कार्य विवरणः पूर्णा-नांदेड डिवीजन के पूर्णा स्टेशन(कामन लाइन के रूप में अप एण्ड डाउन मेन लाइन) पर अनुकूलित या फेवरेबुल क्रासओवर, पूर्णा-अकोला लाइन जोडने या कनेक्टिंग का प्रस्ताव एवम् जंक्शन प्रकार की व्यवस्था। अनुमानित मूल्यःरु. 2,55,38,341.00, बोली सुरक्षा राशिः रु. 2,77,700.00, पूरा करने की अवधिः बारह महिने, निविदा प्रपत्र मूल्यः रु.शून्य

उपरोक्त निविदा दि.18-02-2025 के 15.00 बजे बंद होगी।

अधिक जानकारी हेतु वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर जाएं।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूर संचार अभियंता/नांदेड

निविदा सूचना सं. एनइडी/इ-35 व 36/2024-25 दि.24-01-2025

PUB/0081

निम्न ई-निविदाओं@ www.ireps.gov.in के लिए प्रस्ताव आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, एनइडी/इ-35/2024-25,कार्य विवरणः कोचिंग डिपो नांदेड पर विनिर्देशन सं. सीओएफएमओडब्ल्यू/ आयआर/सीएनसी-युएफडब्ल्यूएल(बीजी) /2019 या लेटेस्ट नुसार, संसीएनसी अंडर फ्लूर व्हील की आपूर्ति एवम् स्थापना। विंछ प्लस शेड सहित लाथे(बीजी) व्यवस्था-बिजली व्यवस्थाएं। अनुमानित मूल्यः रु.14,34,048.00,बोली सुरक्षा राशिः रु. 28,700.00, आफर वैधः60 दिनोंतक, पूरा करने की अवधिः छह महिने, नांदेड डिवीजन प्रशासन के तहत वेबसाइटःwww.ireps.gov.in पर विवरण उपलब्ध, बंद करने की तिथि व समयः 17-02-2025 के 15.00 बजे तक

क्रम सं.2, एनइडी/ई-36/2024-25, कार्य विवरणः नांदेड डिवीजन के एलसी गेट न.7,53,39,83,99,77, 125,129,121,163,29,171 पर विद्युत संचालित लिफ्टिंग बैरियर सहित मेकानिकल रुप से संचालित लिफ्टिंग बैरियर का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेंट कार्य-बिजली व्यवस्थाएं। अनुमानित मूल्यः रु.63,25,947.00, बोली सुरक्षा राशिः रु.1,26,500.00, आफर की वैधताः60 दिन, पूरा करने की अवधिः 12 महिने, नांदेड डिवीजन प्रशासन के तहत वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर विवरण उपलब्ध, बंद करने की तिथि व समयः 17-02-2025 के 15.00 बजे

निविदा दस्तावेज, योग्यता मानदंड, खास शर्तें आदि के लिए उपरिलिखित हमारे वेबसाइट पर जाएं। यह सलाह दी जाती है कि, इस आफर की प्रस्तुति के पहले, आनलाइन पर यदि कोई शुध्दिपत्र प्रकाशित हुवा हो तो चेक करें।

विभागीय रेल प्रबंधक(बिजली), नांदेड

नं.जी/सी/ई-नीलामी लीजिंग/2024/01 दि.28/01/2025

PUB/0082

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, गुंटकल, दक्षिण मध्य रेलवे(दमरे) द्वारा ई-नीलामी की बंद छोर पर अठारह वर्ष से अधिक आयु के भारतीय नागरिकों/भारत में पंजीकृत कंपनियों/फर्मों से, https://www.ireps.gov.in के माध्यम से ई-नीलामी आयोजित करता है।

क्रम सं.1, कैटलाग सं. जीटीएलवीपीएच-2425-डी3,श्रेणी-वीपीएच की लीजिंग, कैटलाग के लोकेशन्सः 01 रेल2वीपीएच, नीलामी तिथिः 17-02-2025, नीलामी शुरु समयः11.30 बजे

इच्छुक पार्टीज एवम् ठेकेदारगण इस पर ध्यान दें कि, ई-नीलामी प्रक्रिया से अवगत होने तथा इसमें सहभागिता के लिए,आयआरईपीएस साइट के होम पेज के बायीं ओर के नेवीगेशन बार पर उपलब्ध लर्निंग सेंटर(यूजर मैन्युएल्स)लिंक पर जाकर यूजर मैन्युएल डाउनलोडे की ओर जाएं। तत्संबंधित अधिक स्पष्टीकरणों के लिए, बोलीदातागण, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक का कार्यालय, दक्षिण मध्य रेलवे, गुंटकल पर संपर्क करें।

वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, गुंटकल

A0100

निविदा शर्तों/ तत्संबंधित अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

प्रयोगशाला में मानक गुणवत्ता के अनुरूप नहीं पाई गईं 7 दवाएं

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य औषधि नियंत्रण प्रशासन (टीएसडीसीए) ने पांच व्यापक स्पेक्ट्रम एंटीबायोटिक दवाओं सहित सात दवाओं के बैचों की पहचान की है, जो मानक गुणवत्ता (एनएसक्यू) के नहीं थे और उपभोग के लिए अनुपयुक्त थे।

छापेमारी और जब्ती के दौरान, टीएसडीसीए के औषधि निरीक्षकों ने जीवन रक्षक दवाओं के नमूने एकत्र किए थे और उन्हें परीक्षण के लिए डीसीए की अत्याधुनिक औषधि प्रयोगशाला में भेजा था। दिसंबर के महीने में, डीसीए राज्य प्रयोगशाला के परीक्षण डेटा, जो केंद्रीय औषधि नियामक प्राधिकरण, केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) को प्रस्तुत किए गए थे, ने विभिन्न बैचों की कुल सात एनएसक्यू दवाओं की पहचान की।

नकली सोने के आभूषण तैयार कर गिरवी रखने वाली शातिर गैंग का पर्दाफाश,

फर्जी सोने के जेवरातों को गिरवी लगाकर व्यापारियों को लगाते थे चुना

मेदक, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक जिला नरसापुर स्तिथ कोड़ीपल्ली में अंतरराज्यीय शातिर गैंग नकली सोने के आभूषण गिरवी रखकर व्यापारियों को ठगने वाले दो लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में कोड़ीपल्ली थानाधकारी एसआई रंजीत रेड्डी ने बताया की राकेश सोयल सिरवी व सुगनाराम उर्फ सुनील सिरवी को पुलिस श्रीनिवास, अंजनेलु, रामलु ने व्यापारियों को चुना लगाने वाली गैंग को मिलकर पकड़ लिया और बताया कि इनके मास्टर माइंड दुदाराम सिरवी और गौतम सिरवी अभी फरार बताया जा रहा है।

राजस्थानी सराफा व्यापारियों ने बताया कि यह लोग चंद दिनों में करोड़पति बनाने के चक्कर में इनकी गैंग ने मिलकर शहर में कई बैंकों और राजस्थानी सोने के व्यापरियों के पास निकली सोने के आभूषण चैन, अंगुठी, ब्रास्लेट, चूडियां जिन पर 916 हॉलमार्क 22 कैरेट स्टाम्प लगवाकर आभूषण गिरवी रखकर ठगने का काम करते आ रहे हैं।

शनिवार को दोपहर कोड़ीपल्ली में एक स्थानीय प्रवासी हार्डवेयर की दुकान पर आकर बातों में फुसलाकर परिचय कर लिया, हार्डवेयर मालिक ने बताया है कि सोने का ब्रास्लेट गिरवी रखकर डेढ़ लाख रुपये डिमांड की, और अतिशीघ्र जरूरत है किसी के पास गिरवी रखवाए तब दुकानदार ने बताया की मेरे परिचय व्यक्ति की दुकान आज बंद है तुम सोमवार को लेकर आओ।

हार्डवेयर मालिक ने गैंग द्वारा दिये गये नकली आभुषण को जो नकली ब्रस्लेट लाए थे वो इनको देकर बोले कि तुम सोमवार को गिरवी रखकर पैसे मुझे फोन द्वारा भेज देने कह कर चले गए। जब सोमवार को दुकानदार ने सुनार के पास लेकर गया तो वहां पता चला की यह नकली आभूषण है तुरंत हार्डवेयर दुकानदार ने स्थानीय थाने में शिकायत दर्ज करायी और उन शातिर गैंग को पुलिस की मदद से जाल बिछाकर रंगे हाथों पकड़ा। पुलिस ने दोनों पर मामाला दर्ज कर लिया और पुलिस आगे की कार्यवाही में बताया है कि गैंग के और व्यक्तियों की तलाश की जा रही है।

हाइड्रा ने अमीनपुर झील के पास एक लेआउट में शुरू की तोड़फोड़

संगारेड्डी, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हाइड्रा ने मंगलवार को अमीनपुर झील के पास के भूखंडों पर अतिक्रमण को ध्वस्त कर दिया। भूखंड मालिकों की शिकायतों के बाद हाइड्रा ने यह कार्रवाई की। इन प्लॉट मालिकों के अनुसार, एक प्रमुख राजनेता ने अमीनपुर पेड्डा चेरुवु के पास पहले से मौजूद प्लॉटों पर अतिक्रमण करके एक लेआउट विकसित किया था। उन्होंने पद्मावती लेआउट विकसित किया और प्लॉट बेच दिए। ये प्लॉट मालिक 2006 से अतिक्रमण के खिलाफ लड़ रहे हैं। हालांकि, उन्हें अधिकारियों से कोई समर्थन नहीं मिला है। हाइड्रा ने तीन महीने पहले भी जमीन को गिराने का काम शुरू किया था। लेकिन, राजनेता ने फिर से जमीन के चारों ओर बाड़ लगा दी, जिसके बाद हाइड्रा को फिर से कार्रवाई करनी पड़ी।

डीजीपी ने स्मृति दिवस निबंध लेखन विजेताओं की सराहना की

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेंद्र ने बधाई दी। कुछ पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को पुलिस स्मृति दिवस, 2024 के अवसर पर आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता का विजेता घोषित किया गया है। उन्हें नकद पुरस्कार स्वीकृत किए गए हैं। पहली श्रेणी : एआरएसआई/एएसआई और उससे नीचे प्रथम पुरस्कार 25 हजार दिया गया। इस श्रेणी में जी. रामचन्द्र राव, एचसी, एसआईबी, इंटेलिजेंस, हैदराबाद, एन. मल्लिकार्जुन नायुडू, एआरपीसी डीएआर जोगुलम्बा गदवाल शामिल रहे। इसी तरह दूसरा पुरस्कार 15 हजार जी. रघु रामुलु, एएसआई भद्राद्रि कोत्तागुडेम, एमएस राचुलापल्ली चंदना, डब्ल्यूपीसी , मैलारदेवपल्ली पीएस, साइबराबाद, तीसरा पुरस्कार 10 हजार, एमएस जी. निशिता, डब्ल्यूपीसी, कोमाराम भीम आसिफाबाद, माला रविंदर, पीसी, ई-कॉय, तीसरी बटालियन, टीजीएसपी, इब्राहिमपटनम, दूसरी श्रेणी : आरएसआई/एसआई और उससे ऊपर प्रथम पुरस्कार 25 हजार, चंद्र शेखर, एसआई, भद्राद्रि कोत्तागुडेम एमएस एन. रोहिणी, आरएसआई, सीएसडब्ल्यू, सीएआर मुख्यालय, साइबराबाद, दूसरा पुरस्कार 15 हजार, एमएस डी. ज्योतिमणि, डब्ल्यूएसआई, निर्मल, ए. नरसिम्हा, सहायक कमांडेंट, 15वीं बटालियन। टीजीएसपी, प्रथम बटालियन, तीसरा पुरस्कार : 10 हजार एन सत्यनारायण, आईओपी, पीटीसी, वारंगल बी.तिरुपति, आईओपी, जीओडब्ल्यू, सीआईडी, जीएचआर, तेलंगाना को मिला है। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक महेश भागवत आईपीएस, डीआईजी गजाराव भूपाल एवं अन्य ने भाग लिया।

दुर्घटना में जगतियाल के युवक समेत 15 एनआरआई की मौत

दुबई, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सऊदी अरब में सोमवार को एक सड़क दुर्घटना में नौ भारतीयों सहित पंद्रह श्रमिकों की मौत हो गई, जिनमें से एक तेलंगाना का था। तेलंगाना के रहने वाले व्यक्ति की पहचान जगतियाल जिले के मेटपाली मंडल के रहने वाले कपेली रमेश (32) के रूप में हुई है। भारतीय समुदाय के कार्यकर्ताओं के अनुसार, श्रमिक दक्षिणी बंदरगाह शहर जीज़ान में अपने कार्यस्थल पर बस से यात्रा कर रहे थे, जब उनकी बस एक ट्रेलर से टकरा गई। बस में 26 श्रमिक सवार थे। मारे गए 15 लोगों में से नौ भारतीय थे, जबकि शेष छह में नेपाल और घाना के तीन-तीन लोग शामिल थे। सूत्रों ने बताया कि तेलंगाना के दो श्रमिकों सहित ग्यारह श्रमिकों को मध्यम से गंभीर चोटें आई हैं और उनका अस्पतालों में इलाज किया जा रहा है।

हैदराबाद में बीआईएस ने विशेष वस्त्र परीक्षण प्रयोगशाला का शुभारंभ किया

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने हैदराबाद में विशेष वस्त्र परीक्षण प्रयोगशाला का उद्घाटन किया, जो विशेष वस्त्र उत्पादों के परीक्षण के लिए समर्पित है।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रमोद कुमार तिवारी, आईएएस, महानिदेशक, बीआईएस ने की। उन्होंने इस प्रयोगशाला को वस्त्र क्षेत्र में गुणवत्ता प्रणाली को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला बताया।

इस कार्यक्रम में बीआईएस के वरिष्ठ अधिकारी श्रीमती निशात सुल्ताना हक, उपमहानिदेशक (प्रयोगशालाएं), डॉ. मीनाक्षी गणेशन, उपमहानिदेशक (दक्षिण क्षेत्र) और दक्षिणी क्षेत्रीय प्रयोगशाला व हैदराबाद शाखा प्रयोगशाला की प्रमुख, श्रीकांत, प्रमुख-हैदराबाद शाखा कार्यालय, और देशभर के अन्य बीआईएस प्रयोगशालाओं के प्रमुख उपस्थित रहे।

इस अवसर पर प्रमोद कुमार तिवारी ने कहा, हैदराबाद में इस विशेष वस्त्र परीक्षण प्रयोगशाला की स्थापना हमारे देश की गुणवत्ता अवसंरचना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यह प्रयोगशाला सरकार द्वारा जारी गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों (क्यूसीओ) के क्रियान्वयन में मदद करेगी, जिससे वस्त्र उत्पाद राष्ट्रीय मानकों का पालन करें। जल्द ही इस प्रयोगशाला में धागों के परीक्षण की सुविधा भी शुरू होगी।

उन्होंने इस भवन में पहले से मौजूद सोने की शुद्धता परीक्षण प्रयोगशाला का उल्लेख किया, जो बाजार में सोने के उत्पादों की प्रामाणिकता और मानकीकरण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

श्री तिवारी ने यूनिवर्सल टेस्टिंग मशीन (यूटीएम)का भी उद्घाटन किया, जो वस्त्र उत्पादों की गुणवत्ता और स्थायित्व का परीक्षण करने के लिए एक बहुउद्देश्यीय उपकरण है। इस कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने गुणवत्ता के महत्व को दोहराते हुए उद्योगों और उपभोक्ताओं को आईएसआई चिह्नित उत्पाद अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

निजामाबाद से खम्माम तक बढ़ रहा जाली नोटों का धंधा

वरंगल/आसिफाबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में वारंगल पुलिस ने एक गिरोह को गिरफ्तार किया। उनके पास से भारी मात्रा में जाली मुद्रा जब्त की गई।

काकतीय विश्वविद्यालय परिसर पुलिस ने नकली नोट छापने और प्रचलन में लाने के आरोप में आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 38.84 लाख रुपये नकद, 21 लाख रुपये के नकली नोट, एक कार और नौ मोबाइल फोन के साथ ही नकली नोट छापने में इस्तेमाल होने वाला कागज भी जब्त किया।

वारंगल के पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा ने बताया कि यह गिरोह लोगों को असली नोटों से चार गुना अधिक कीमत के एक लाख रुपये के नकली नोट बेचने का लालच दे रहा है। इस गिरोह के मुख्य आरोपी की पहचान भद्राद्री कोत्तागुडेम जिले के मणिकला कृष्णा (57) के रूप में हुई है। जल्दी से पैसा कमाने के लिए उसने नकली मुद्रा चलाने की योजना बनाई। इसके लिए उन्होंने हन्माकोंडा के एर्रागोल्ला श्रीनिवास के साथ मिलकर काम किया। श्रीनिवास ने उसे हन्माकोंडा में नकली नोट सौंपने को कहा। कृष्णा ने शर्त मान ली।

समझौते के अनुसार, कृष्णा चार अन्य लोगों के साथ शुक्रवार रात वारंगल आउटर रिंग रोड पर पेगडापल्ली चौराहे पर एक कार में पहुंचे। श्रीनिवास और दो अन्य आरोपी पहले से ही वहां मौजूद थे। पुलिस गश्ती दल ने उन्हें नोटों की अदला-बदली करते समय पकड़ लिया। पूछताछ करने पर कमिश्नर ने बताया कि आरोपी ने अपना अपराध कबूल कर लिया है। इस गिरोह के मुख्य आरोपी कृष्णा के खिलाफ पहले भी सथुपल्ली, वीएम बंजारा और लक्ष्मी देवी पेटा पुलिस थानों में 500 रुपये के नकली नोट छापने और अपने दोस्तों के साथ मिलकर उन्हें चलाने के मामले दर्ज हैं। आरोप हैं कि इसी तरह के घोटाले न केवल वारंगल जिले में हो रहे हैं, बल्कि उत्तरी तेलंगाना में निजामाबाद से खम्मम तक और नलगोंडा से महबूबनगर तक भी हो रहे हैं। हाल ही में एक मंदिर के खजाने में भी जाली मुद्रा पाई गई थी।

हाल ही में पुलिस को सूचना मिली कि कामारेड्डी जिले के बिचकुंडा में एक व्यापारी नकली नोट चला रहा है। पुलिस उस पर नज़र रख रही थी। वह किससे मिल रहा है? इस बात की जानकारी जुटाई गई कि वह चोरी के नोट कैसे इकट्ठा करता था। पूरी जानकारी मिलने के बाद इसे सील कर दिया गया। पुलिस को पता चला कि वह हैदराबाद से बांसवाड़ा और वहां से बिचकुंडा तक नकली नोट ला रहा था।

हालांकि, इस बात की आलोचना हो रही है कि पुलिस इस मामले की जड़ तक पहुंचने पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रही है। पुलिस कई स्थानों पर जाली मुद्रा पकड़ रही है और उसका प्रचलन रोकने में सफल हो रही है। जो लोग इसे प्रसारित कर रहे हैं उन्हें गिरफ्तार किया जा रहा है। लेकिन इसे कौन बना रहा है, यह कहां बनाया जा रहा है और जो लोग इन्हें प्रसारित करते हैं, उनके पास नकली नोट कहां से आ रहे हैं?

ऐसी अफवाह है कि वारंगल में मिले गिरोह के पीछे एक और व्यक्ति का हाथ है। ऐसा लगता है कि वह स्वयं नोट छाप रहा है और कृष्णा जैसे लोगों को उनकी आपूर्ति कर रहा है। पुलिस जांच में पता चला कि गिरोह के सदस्यों ने पुलिस को अपना नाम रवि बताया था। लेकिन कोई नहीं जानता कि वह रवि कौन है। ऐसी अफवाह है कि उसके पास बैंक नोट छापने वाली एक मशीन है। पुलिस छानबीन को आगे बढ़ा रही है ताकि इन आरोपियों के साथ ही गिरोह के सरगना को भी गिरफ्तार किया जा सके।

केसलर में नागोबा जात्रा की शुरूआत

मंचेरियल, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेसराम कबीले के सदस्यों ने मंगलवार को इंदरवेल्ली मंडल के केसलापुर गांव में नागोबा जतारा के अनुष्ठान की औपचारिक शुरूआत की। नागोबा जतारा, मेसराम का पांच दिवसीय वार्षिक महत्वपूर्ण और धार्मिक आयोजन है, जो मुलुगु जिले के मेदाराम में द्विवार्षिक सम्मक्का सरलम्मा जतारा के बाद आदिवासियों की दूसरी सबसे बड़ी सभा है। मेसराम ने इस आयोजन के तहत बरगद के पेड़ से गंगा जल के पवित्र पात्र को मरडी नामक स्थान पर स्थानांतरित किया, जो नागोबा मंदिर के परिसर में एक पेड़ जैसी संरचना है। उन्होंने गांव से पवित्र स्थान पर लाकर मंदिर में नागोबा देवता की मूर्ति स्थापित की। वे पवित्र जल का उपयोग करके चींटियों के टीले बनाते थे और शाम को सर्प देवता की पूजा करते थे।

पांच दिवसीय इस कार्यक्रम की शुरूआत रात 10.30 बजे महापूजा और साठीक पूजा से होगी। इसके बाद वे गुरुवार को पर्सपेन महान देवता की पूजा और बनपेन पूजा करेंगे। मेले के दौरान भेटिंग, नई बहुओं का देवता से परिचय, मंडागजिली पूजा और बेताल पूजा, प्रजा दरबार या शिकायत निवारण कार्यक्रम आदि का आयोजन किया जाएगा।

आईटीडीए-उटनूर के अधिकारियों ने बताया कि एक करोड़ रुपये खर्च कर व्यापक व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 50 अस्थायी शौचालय, 40 पानी की टंकियां, साफ-सफाई, बैठने की व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था और पार्किंग स्थल जैसी बुनियादी सुविधाएं बनाई गई हैं। चिकित्सा विभाग ने चिकित्सा संबंधी आपात स्थितियों से निपटने के लिए एक केंद्र स्थापित किया है।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

61 गेंदों पर नहीं बनाया रन, 20 छक्के उड़ाते हुए ठोका दोहरा शतक

समीर रिजवी 37 दिनों में तीसरी बार दिखाया जलवा

मुंबई, 28 जनवरी (एजेंसियां)। शानदार, जबरदस्त, बेमिसाल. उसकी बेलगाम बल्लेबाजी देखकर यही कहेंगे आप. हम बात कर रहे हैं समीर रिजवी की, जिन्होंने अंडर 23 कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश के लिए खेलते हुए गुजरात के खिलाफ बड़ा धमाका किया है. उनकी विस्फोटक पारी का अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि उन्होंने अपनी इनिंग में 159 गेंदों का सामना किया, जिसमें से 61 पर कोई रन नहीं बनाकर भी दोहरा शतक ठोक दिया. ये बीते 37 दिनों में समीर रिजवी के बल्ले से निकला तीसरा दोहरा शतक है.

20 छक्के के साथ 159 गेंदों पर ठोके 262 रन

दाएं हाथ के बल्लेबाज समीर रिजवी ने गुजरात के खिलाफ दूसरी पारी में अपना आक्रामक अंदाज दिखाया. उन्होंने गुजरात के बल्लेबाजों की पिटाई करते हुए उनका धागा खोल दिया. उन्होंने मैच की सेकंड इनिंग में 164.78 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और 159 गेंदों पर 262 रन जड़े. उनकी इस कयामत ढाने वाली पारी में 20 छक्के और 21 चौके शामिल रहे. इस दमदार पारी के दौरान समीर रिजवी ने अपने साथी खिलाड़ी स्वास्तिक चिकारा के साथ दूसरे विकेट के लिए 381 रन की पार्टनरशिप दूसरी पारी में की.

37 दिन में ठोका तीसरा दोहरा शतक

समीर रिजवी का बीते 37 दिनों में क्रिकेट की पिच पर ये तीसरा दोहरा शतक है. इस सिलसिले की शुरुआत 21 दिसंबर को त्रिपुरा के खिलाफ मैच से हुई थी. अंडर-23 स्टेट ए ट्रॉफी के मैच में तब समीर ने 97 गेंदों पर सबसे तेज दोहरा शतक जड़ते हुए इतिहास रचा था. उसके 4 दिन बाद ही यानी 25 दिसंबर को समीर रिजवी का बल्ला एक बार फिर से गरजा. इस बार विदर्भ की टीम निशाना बनी, जिसके खिलाफ उन्होंने 105 गेंदों पर 202 रन बनाए थे. और, अब ये तीसरा दोहरा शतक.

समीर रिजवी का अंदाज देख दिल्ली कैपिटल्स खुश

फॉर्मेट कोई भी हो, मंच कोई सा भी हो, समीर रिजवी के बल्ले को बोलते देख उनके फॉर्म का पैमाना समझ आ रहा है. उनके मौजूदा अंदाज और मिजाज को देख उनकी नई आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स भी बेहद खुश है. दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2025 के लिए समीर रिजवी को 95 लाख रुपये में खरीदा है. समीर पिछले आईपीएल में सीएसके का हिस्सा थे, जहां उन्होंने 8 मैच खेले थे.

जसप्रीत बुमराह आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर बने

अवॉर्ड जीतने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज

खेल डेस्क, 28 जनवरी (एजेंसियां)। जसप्रीत बुमराह ने क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024 का अवॉर्ड जीत लिया है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड, इंग्लैंड के जो रूट और हैरी ब्रूक को अवॉर्ड की रेस में पीछे छोड़ा। ये सम्मान पाने वाले बुमराह पहले भारतीय तेज गेंदबाज हैं। मंगलवार शाम आईसीसी ने अवॉर्ड की घोषणा की। बुमराह ने सोमवार को टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड भी जीता था।

5 साल बाद किसी भारतीय को 'सर गारफील्ड सोबर्स अवॉर्ड' मिला। 2018 में आखिरी बार विराट कोहली ने इसे जीता था। विमेंस क्रिकेटर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर अमीलिया केर ने जीता। उन्होंने पिछले साल टीम की विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

टी-20 वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे

जसप्रीत बुमराह ने 2024 में 2 ही फॉर्मेट खेले, लेकिन दोनों में उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया।

2024 के टी-20 वर्ल्ड कप के 8 मुकाबलों में उन्होंने 15 विकेट लिए थे, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया था।

उन्होंने महज 4.17 की इकोनॉमी से रन खर्च किए थे, जिसकी मदद से टीम ने 17 साल बाद टी-20 वर्ल्ड कप जीता था।

टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड भी जीता

बुमराह ने टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड भी अपने नाम किया। उन्होंने पिछले साल 13 टेस्ट में 71 विकेट लिए थे। इसी साल जनवरी में खत्म हुए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्होंने आईसीसी की टेस्ट बॉलर्स रैंकिंग में 900 रेटिंग पॉइंट्स भी हासिल किए थे। वे टेस्ट रैंकिंग में नंबर-1 गेंदबाज हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के 5 टेस्ट में बुमराह ने 32 विकेट अपने नाम किए। जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड भी मिला था। इतना ही नहीं, उन्होंने पर्थ टेस्ट में कप्तानी करते हुए टीम को दौरे पर इकलौती जीत भी दिलाई थी।

अवॉर्ड जीतने वाले चौथे तेज गेंदबाज

आईसीसी के क्रिकेटर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड जीतने वाले प्लेयर को सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी दी जाती है।

बुमराह इस अवॉर्ड को जीतने वाले चौथे ही तेज गेंदबाज बने। उनसे पहले साउथ अफ्रीका के डेल स्टेन, ऑस्ट्रेलिया के मिचेल जॉनसन और पैट कमिंस ही बतौर पेस बॉलर इस अवॉर्ड को जीत पाए थे।

राष्ट्रीय खेलों में खिलाड़ियों की सुरक्षा के लिए भारतीय ओलंपिक संघ सशक्त

शुरू की हेल्पलाइन

देहरादून, 28 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने मंगलवार से शुरू होने वाले राष्ट्रीय खेलों के दौरान उत्पीड़न, दुर्व्यवहार और अन्य प्रकार की पारस्परिक हिंसा को रोकने के लिए स्थानीय आयोजन समिति के साथ मिलकर एक हेल्पलाइन शुरूआत की।

14 फरवरी को होगा समापन

राष्ट्रीय खेलों का आयोजन उत्तराखंड के विभिन्न स्थान पर किया जाएगा। इनका समापन 14 फरवरी को होगा। आईओए ने विज्ञप्ति में कहा- भारतीय ओलंपिक संघ और राष्ट्रीय खेल आयोजन समिति ने सुरक्षा और कल्याण को बढ़ावा देने के साथ-साथ राष्ट्रीय खेल 2025 के दौरान प्रतिकूल घटनाओं को रोकने और उनसे निपटने के लिए एक टेलीफोन हेल्पलाइन शुरू की है।

वहीं, आईओए की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा- यह हेल्पलाइन खिलाड़ियों, कोचों और अधिकारियों के लिए दिन-रात उपलब्ध रहेगी। यह खेलों में उत्पीड़न, दुर्व्यवहार और अन्य प्रकार की पारस्परिक हिंसा को रोकने के लिए हमारी पहल का हिस्सा है। हमने एक सुरक्षा समिति भी बनाई है जो किसी भी तरह की शिकायत पर गौर करेगी।

मुस्लिम खिलाड़ी ने भारतीय महिला प्लेयर से नहीं मिलाया हाथ

मचा बवाल, मांगनी पड़ी माफी

कोलकाता, 28 जनवरी (एजेंसियां)। नीदरलैंड के विज्क आन जी में चल रहे टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट 2025 के बीच एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया. इस टूर्नामेंट के चौथे राउंड के एक मैच उज्बेकिस्तान के ग्रैंडमास्टर नोदिरबेक याकुबोएव और भारतीय ग्रैंडमास्टर आर वैशाली का आमना-सामना हुआ. लेकिन इस मुकाबले की शुरुआत से पहले नोदिरबेक याकुबोएव ने आर वैशाली से हैंडशेक करने से इनकार कर दिया. इस घटना ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा और उज्बेकिस्तानी चेस प्लेयर विवादों में घिर गया. विवाद को बढ़ता देखकर इस खिलाड़ी ने अपने इस कदम पर सफाई दी है. दरअसल, टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट में 23 साल के याकुबोएव और 23 साल की वैशाली के बीच मैच शुरू होना था. मैच की शुरुआत से पहले वैशाली ने याकुबोएव की ओर हैंडशेक के लिए अपना हाथ बढ़ाया था. लेकिन याकुबोएव ने कोई जवाब नहीं दिया और मुकाबले के लिए बैठ गए. इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर उज्बेकिस्तान के ग्रैंडमास्टर नोदिरबेक याकुबोएव का काफी आलोचना का सामना करना पड़ा. ऐसे में याकुबोएव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके हुए सफाई दी और कहा कि उन्होंने धार्मिक कारणों के चलते ऐसा किया था.

नोदिरबेक याकुबोएव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मैं वैशाली के साथ खेल में हुई स्थिति के बारे में बताना चाहता हूं. महिलाओं और भारतीय शतरंज खिलाड़ियों के प्रति पूरे सम्मान के साथ, मैं सभी को सूचित करना चाहता हूं कि मैं धार्मिक कारणों से अन्य महिलाओं को नहीं छूता हूं. मैं वैशाली और उसके भाई का भारत के सबसे मजबूत शतरंज खिलाड़ियों के रूप में सम्मान करता हूं. अगर मेरे व्यवहार से उन्हें ठेस पहुंची है, तो मैं माफी मांगता हूं.'

नोदिरबेक याकुबोएव ने आगे लिखा, 'मैं वही करता हूं जो मुझे करना चाहिए. मैं दूसरों से विपरीत लिंग के लोगों से हाथ न मिलाने या महिलाओं से हिजाब या बुर्का पहनने पर जोर नहीं देता. यह उनका काम है कि वे क्या करें.' उन्होंने आगे बताया कि रोमानिया की इरिना बुलमागा के खिलाफ आठवें राउंड के खेल में ऐसी ही स्थिति से बचने के लिए उन्होंने उसे पहले ही सूचित कर दिया था. लेकिन दिव्या देशमुख और वैशाली के साथ खेलों में मैं उन्हें खेल से पहले इसके बारे में नहीं बता सका और एक अजीब स्थिति बन गई. इस मुकाबले में आर वैशाली ने नोदिरबेक याकुबोएव को हराया और फिर उज्बेकिस्तानी खिलाड़ी से हाथ भी नहीं मिलाया. वर्तमान में चैलेंजर्स सेक्शन में नोदिरबेक याकुबोएव आठ राउंड के बाद तीन अंक पर हैं. वहीं, आठ राउंड के बाद भारतीय खिलाड़ी के चार अंक हैं और पांच राउंड और बाकी हैं.

हो गया कन्फर्म, डब्ल्यूसीएल टूर्नामेंट के साथ क्रिकेट के मैदान पर वापसी करेंगे 'मिस्टर 360' डिविलियर्स

केप टाउन, 28 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के महान क्रिकेटरों में से एक एबी डिविलियर्स लगभग चार साल के बाद क्रिकेट के मैदान पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। 'मिस्टर 360' के नाम से मशहूर डिविलियर्स ने 2018 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। डिविलियर्स की वापसी में हालांकि फिलहाल छह महीने का समय है, जहां वो इस जुलाई में वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) के दूसरे सीजन में साउथ अफ्रीका चैंपियंस की ओर से खेलते नजर आएंगे।

ऐसा है डिविलियर्स का करियर

बता दें कि रिटायरमेंट के समय उन्होंने कहा था कि वो अपने परिवार के साथ ज्यादा समय बिताना चाहते हैं और इसी वजह से क्रिकेट से संन्यास ले रहे हैं। पिछले साल साउथ अफ्रीका के लिए टेस्ट, वनडे और टी-20 इंटरनेशनल में 20 हजार से ज्यादा रन बनाने के बाद डिविलियर्स को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया।

2021 में आखिरी बार क्रिकेट खेले थे डिविलियर्स

पूर्व प्रोटियाज कप्तान ने 2018 से रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए विशेष रूप से इंडियन प्रीमियर लीग में खेला, लेकिन 2021 में क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया, जिससे उनके एक उल्लेखनीय करियर का अंत हो गया। उन्होंने आईपीएल में 170 मैचों में लगभग 40 की औसत से 5162 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और 40 अर्धशतक शामिल रहे।

मैं डब्ल्यूसीएल के लिए तैयार हूं- डिविलियर्स

डिविलियर्स ने अपने रिटायरमेंट से वापसी को लेकर एक बयान में कहा, 'चार साल पहले मैंने सभी तरह के क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, क्योंकि मुझे तब और खेलने की इच्छा नहीं थी। खैर समय बीत चुका है और मेरे छोटे बेटों ने खेल खेलना शुरू कर दिया है। हम बगीचे में ज्यादा समय बिता रहे हैं। मुझे लगता है कि जैसे किसी तरह की लौ फिर से जल गई है। इसलिए मैं जिम और नेट्स पर वापस जा रहा हूं और जुलाई में डब्ल्यूसीएल के साथ वापसी करूंगा।'

भारतीय बल्लेबाज ने जमाया महिला आईसीसी टूर्नामेंट के इतिहास का पहला शतक

कुआलालंपुर, , 28 जनवरी (एजेंसियां)। आईसीसी अंडर 19 महिला टी20 टूर्नामेंट में भारतीय बल्लेबाज ने इतिहास रचा है. उसने अपने बल्ले से ऐतिहासिक पारी खेली है.हम बात कर रहे 19 साल की बल्लेबाज गोंगाडी त्रिशा की, जिन्होंने 59 गेंदों पर ऐसा धमाल मचाया कि स्कॉटलैंड के गेंदबाज पानी मांगते दिखे. त्रिशा ने आखिर तक नाबाद रहते हुए 110 रन बनाए, जो कि ICC अंडर 19 महिला टी20 टूर्नामेंट के इतिहास में किसी भी बल्लेबाज के बल्ले से निकली पहली सेंचुरी है. इस शतकीय पारी की बदौलत त्रिशा ने भारतीय स्कोर बोर्ड को तो 200 के पार पहुंचाया ही साथ ही खुद भी टूर्नामेंट की टॉप स्कोरर बन गईं. भारत ने स्कॉटलैंड के खिलाफ पहले गेंदबाजी का फैसला किया, जिसके बाद भारतीय बल्लेबाजों ने बैटिंग के दौरान जमकर मौज काटी. उन्होंने रनों का अंबार लगा दिया. लेकिन, गोंगाडी त्रिशा के इरादे अलग ही थे. उन्होंने रनों की बहती गंगा में सिर्फ गोते नहीं लगाए बल्कि ऐतिहासिक शतक की कहानी भी लिखी. जी. कमालिनी के साथ ओपनिंग करने उतरी त्रिशा ने शुरू ही स्कॉटलैंड के गेंदबाजों पर अटैक कर दबाव बनाए रखा. रन कमालिनी के बल्ले से भी निकल रहे थे लेकिन उस रफ्तार से नहीं जो त्रिशा ने पकड़ रखी थी. दोनों के बीच ओपनिंग विकेट के लिए 147 रन की बड़ी साझेदारी हुई, जिससे भारत को जबरदस्त स्टार्ट मिली. ओपनिंग पार्टनर के साथ छोड़कर जाने के बाद भी गोंगाडी त्रिशा के अंदाज और मिजाज पर फर्क नहीं पड़ा और उन्होंने शतक जड़ दिया. गोंगाडी त्रिशा ने आखिर तक नाबाद रहते हुए 59 गेंदों पर 110 रन बनाए. 186.44 की स्ट्राइक रेट से खेली इस पारी में 13 चौके और 4 छक्के शामिल रहे.

ऑस्ट्रेलिया की बदल गई ओपनिंग जोड़ी

सैम कोंस्टास का कटा पत्ता

गाले, 28 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के बीच 2 मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 29 जनवरी से होने जा रहा है। इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया टीम की कमान पैट कमिंस नहीं बल्कि स्टीव स्मिथ के हाथों में है। पैट कमिंस को इस सीरीज के लिए आराम दिया गया है। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में टीम इंडिया के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के युवा सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास ने अपना टेस्ट डेब्यू किया था। अपने डेब्यू मैच में सैम ने कमाल का प्रदर्शन किया था। जिसके बाद उनको श्रीलंका दौरे के लिए भी ऑस्ट्रेलिया टीम में चुना गया है। हालांकि पहले मैच में सैम कोंस्टास ओपनिंग करते हुए दिखाई नहीं देंगे।

इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया टीम की कप्तानी कर रहे स्टीव स्मिथ मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि "उस्मान ख्वाजा के साथ ट्रेविस हेड ओपनिंग करेंगे। इसके अलावा मुझे लगता है कि यह काफी स्थिर रहेगा।

मुझे नहीं लगता कि इससे कोई बड़ा बदलाव आएगा। हेड ने नई गेंद से कमाल का प्रदर्शन किया है और तेजी से रन भी बनाए हैं।"

आगे स्मिथ ने कहा कि "सैम कोंस्टास ने बॉक्सिंग डे टेस्ट में भारत के खिलाफ शानदार अर्धशतक जड़कर टेस्ट क्रिकेट में धमाका किया था, उनको अब मध्यक्रम के खिलाड़ी के रूप में टीम में शामिल किया जाता। श्रीलंका दौरे पर उनको काफी कुछ सीखने को मिलने वाला है।"

सैम ने टेस्ट क्रिके में शानदार शुरुआत की थी। उन्होंने जसप्रीत बुमराह और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों का सामना किया।

वहीं दूसरी बार ट्रेविस हेड ने आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया के लिए 2023 में भारत के खिलाफ ओपनिंग की थी, उस दौरान हेड को चोटिल डेविड वार्नर की जगह ओपनिंग में बल्लेबाजी करने का मौका मिला था।

अगर सैम कोंस्टास प्लेइंग इलेवन से बाहर होते हैं तो नाथन मैकस्वीनी और जोश इंगलिस को मध्यक्रम में मौका मिल सकता है।

नेमार के साथ अनुबंध आपसी सहमति से समाप्त

अल हिलाल फुटबॉल क्लब ने जारी किया बयान

खेल डेस्क, 28 जनवरी (एजेंसियां)। सऊदी अरब के क्लब अल-हिलाल ने कहा है कि उसकी स्ट्राइकर नेमार के साथ आपसी सहमति से अनुबंध समाप्त करने के लिए सहमति बनी है। किसी भी पक्ष ने अनुबंध समाप्त करने के विवरण की पुष्टि नहीं की। कभी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक माने जाने वाले ब्राजील के 32 वर्षीय नेमार ने क्लब के लिए केवल सात मैच खेले जिसमें उन्होंने केवल एक गोल किया और दो गोल करने में मदद की।

एसीएल (पैर की चोट) चोट के कारण अक्टूबर 2023 से बाहर रहने के बावजूद बार्सीलोना और पेरिस सेंट जर्मेन टीम के पूर्व खिलाड़ी नेमार को पिछले सत्र में सऊदी लीग जीतने वाली टीम में शामिल किया गया था। इस साल के फीफा क्लब विश्व कप में अल-हिलाल के हिस्सा लेने के बाद नेमार के साथ उनका करार समाप्त होने वाला था। क्लब विश्व कप 15 जून से 13 जुलाई के बीच अमेरिका में खेला जाएगा।

क्लब ने अपने सोशल मीडिया चैनलों पर प्रकाशित एक बयान में कहा कि वह नेमार के प्रति आभार व्यक्त करता है और उनकी प्रशंसा करता है। स्ट्राइकर नेमार अगस्त 2023 में पेरिस सेंट जर्मेन से सऊदी क्लब में नौ करोड़ यूरो (नौ करोड़ 40 लाख डॉलर) में शामिल हुए। यह उन कई करार में से एक था जिसने अरब देश को दुनिया के नए बड़े फुटबॉल बाजारों में से एक बना दिया। लेकिन नेमार को अपने करियर की सबसे गंभीर एसीएल चोट लग गई जब वह अल-हिलाल में शामिल होने के कुछ ही महीनों बाद ब्राजील के लिए खेल रहे थे।

मुक्केबाज निशांत देव के पेशेवर करियर की शानदार शुरुआत

अमेरिका के एल्टन विगिन्स को हराया

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। स्टार भारतीय मुक्केबाज निशांत देव ने लास वेगास के कॉस्मोपोलिटन में सुपर वेल्टरवेट वर्ग में अमेरिका के एल्टन विगिन्स को हराकर पेशेवर करियर की शानदार शुरुआत की। देव ने शनिवार को छह दौर के मुकाबले के पहले दौर में तकनीकी नॉकआउट के जरिए कुछ सेकेंड रहते हुए जीत दर्ज की। पहले दौर में केवल 20 सेकेंड बचे थे तब रैफरी ने इसे रोक दिया। इस दौरान उन्होंने विगिन्स को दो बार नीचे गिराया। भारतीय तिरंगे की जैकेट पहने हुए आत्मविश्वास से भरे हुए 24 वर्षीय देव ने शानदार मुक्के जड़कर दबदबा बनाया। यह मैच डिएगो पैचेको बनाम स्टीव नेल्सन अंडरकार्ड का हिस्सा था। जीत के बाद देव ने कहा, मैं जीत के बाद अच्छा महसूस कर रहा हूं। मैं पिछले 15 साल से इस पल का सपना देख रहा था। आज मैं सबसे बड़ी रिंग में खड़ा हूं। मैं यह जीत भारत को समर्पित करता हूं, आज गणतंत्र दिवस है और मेरे पिता का जन्मदिन भी है इसलिए मैं इसे उन्हें भी समर्पित करता हूं। हाल के दिनों में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले भारतीय मुक्केबाजों में से एक देव ने पेरिस ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने प्रोमोटर एडी हर्न एंड मैचरूम बॉक्सिंग के साथ करार किया है। 2023 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता देव अभी पूर्व पेशेवर मुक्केबाज रोनाल्ड सिम्स से ट्रेनिंग ले रहे हैं। देव ने कहा, भारत से पहले विश्व चैंपियन बनने का रास्ता अब शुरू होता है। किसी भी भारतीय ने ऐसा कभी नहीं किया है, मैं भारत से पहला विश्व चैंपियन बनना चाहता हूं और एक विरासत बनाना चाहता हूं।

कोहली 12 साल बाद रणजी खेलेंगे

यूपी के खिलाफ आखिरी मैच खेला; 2006 में पिता की मौत के बावजूद उतरे थे मैदान में

नई दिल्ली, 28 जनवरी (एजेंसियां)। विराट कोहली 12 साल बाद रणजी ट्रॉफी में वापसी कर रहे हैं। भारत के स्टार बैटर 30 जनवरी को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में रेलवे के खिलाफ खेलते नजर आएंगे। विराट ने आखिरी रणजी मैच गाजियाबाद में 2 से 5 नवंबर के बीच 2012 में उत्तर प्रदेश के खिलाफ खेला था।

2006 में रणजी मैच के दौरान ही विराट के पिता प्रेम कोहली का निधन हो गया था।

रिश्तेदारों ने उन्हें मैच खेलने से मना कर दिया था, लेकिन परिवार के मनाने पर विराट मैच खेलने गए थे। उन्होंने 90 रन बनाने के बाद पिता का अंतिम संस्कार भी किया था।

हाई कोर्ट ने ईटेला द्वारा दायर मामले में जारी की नोटिस

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति के. लक्ष्मण ने सोमवार को भाजपा सांसद ईटेला राजेंद्र द्वारा दायर एक मामले में राज्य और सुरक्षा गार्ड ग्यारा उपेंद्र को नोटिस जारी किया। आपराधिक याचिका पीएस पोचारम, आईटी कॉरिडोर, राचकोंडा में दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग करते हुए दायर की गई थी। सुरक्षा गार्ड ग्यारा उपेंद्र ने राजेंद्र और अन्य के खिलाफ कथित तौर पर उसे थप्पड़ मारने और घाटकेसर के एकसिला नगर में लोगों को भड़काने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई थी।

याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि याचिकाकर्ता को उसकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए इस मामले में झूठा फंसाया गया है। वकील ने कहा कि चूंकि शिकायतकर्ता ने याचिकाकर्ता पर हमला किया और उसे उकसाया, इसलिए निजी बचाव में याचिकाकर्ता को शिकायतकर्ता को धक्का देकर एक तरफ धकेलना पड़ा। एफआईआर का उपयोग करते हुए, न्यायाधीश ने आश्चर्य व्यक्त किया कि नोटिस जारी करने समय याचिकाकर्ता के हाथों में कोई हथियार न होने के बावजूद बीएनएस की धारा 191 कैसे लागू की गई। न्यायाधीश ने राज्य और शिकायतकर्ता का जवाब सुनने के लिए मामले की अगली सुनवाई 18 फरवरी तक स्थगित कर दी।

मुख्यमंत्री रेवंत ने एक्सपेरियम का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को रंगारेड्डी जिले के पोद्दुटूर गांव में स्थित प्रीमियर इमर्सिव पार्क एक्सपेरियम का आधिकारिक रूप से उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव, प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता चिरंजीवी, सरकारी सचेतक महेंद्र रेड्डी सहित अन्य लोग शामिल हुए। 150 एकड़ में फैला यह पार्क विश्व स्तरीय मानकों का पालन करता है और इसमें 85 देशों से आयातित दुर्लभ नमूनों सहित 25,000 पौधों की प्रजातियां हैं। इस अनुभवात्मक पार्क में बहुमूल्य पौधे हैं, जिनकी कीमत 1 लाख रुपये से लेकर 3.5 करोड़ रुपये तक है। उद्घाटन के दौरान अपने संबोधन में रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना के लोगों को वन क्षेत्रों का पता लगाने के लिए मध्य प्रदेश और अन्य क्षेत्रों की यात्रा करने के लिए मजबूर होना पड़ता है, साथ ही मंदिरों में दर्शन के लिए तमिलनाडु और अन्य स्थानों पर जाना पड़ता है। उन्होंने टिप्पणी की कि तेलंगाना के प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों के बावजूद पिछले प्रशासन ने पर्यटन क्षेत्र की उपेक्षा की थी।

हमने हाल ही में विधानसभा में इको-टूरिज्म की उन्नति पर बात की है। इको-टूरिज्म को और बढ़ावा देने के लिए जल्द ही तेलंगाना में एक पर्यटन नीति पेश की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकाराबाद जल्द ही इको-टूरिज्म हब के रूप में विकसित होगा, साथ ही राज्य के लिए अतिरिक्त पर्यटन स्थलों की योजना बनाई जाएगी। उन्होंने उल्लेख किया कि राज्य सरकार छात्रों को अपनी माताओं के सम्मान में पौधे लगाने और उनका पालन-पोषण करने के लिए प्रोत्साहित करने वाला एक कार्यक्रम लागू करने के लिए तैयार है, जिसकी प्रक्रियात्मक जानकारी जल्द ही अंतिम रूप दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा, मंदिर पर्यटन और इको-पर्यटन दोनों ही राज्य की आर्थिक वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण हैं। इन पहलों से राज्य के मूल्यों में वृद्धि होगी और राजस्व में भी वृद्धि होगी।

मंत्री ने प्राणी उद्यान के चार पशुओं को गोद लिया

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और देवदया धर्मार्थ विभाग मंत्री कोंडा सुरेखा ने आज हनमाकोंडा काकतीय प्राणी उद्यान के नीलगाय, सांभर हिरण, चौसिंगा और जंगली भैंसा में से एक-एक को गोद लिया। इसके लिए काकतीय चिड़ियाघर पार्क सहायक क्यूरेटर मयूरी ने मंत्री कोंडा सुरेखा के रामनगर स्थित आवास पर आकर जंगली जानवरों को गोद लेने की प्रक्रिया पूरी की। प्रत्येक जंगली जानवर के भोजन एवं देखभाल के लिए प्रति वर्ष चारों वन्य प्राणियों के लिए 50-50 हजार रुपये मंत्री सुरेखा ने दो लाख का भुगतान ऑनलाइन किया। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री सुरेखा ने पक्षी प्रेमियों और पशु प्रेमियों से चिड़ियाघर में जंगली जानवरों को गोद लेने के लिए आगे आने का आह्वान किया। मंत्री सुरेखा के मुताबिक, व्यक्ति, संगठन और एसोसिएशन छोटे पक्षियों, कछुओं से लेकर बाघों तक को तीन महीने, छह महीने और एक साल के लिए गोद ले सकते हैं और उनकी देखभाल कर सकते हैं। मंत्री सुरेखा ने स्पष्ट किया कि वन विभाग पशु प्रेमियों को वन अधिकारियों से संपर्क करने और जंगली जानवरों को गोद लेने के दिशानिर्देशों का पालन करने और उनकी इच्छा के अनुसार जानवरों को गोद लेने की सुविधा प्रदान कर रहा है। मंत्री सुरेखा ने वन अधिकारियों को लोगों को जंगली जानवरों को गोद लेने के लिए किए गए भुगतान पर आयकर छूट और अन्य लाभों के बारे में शिक्षित करने की सलाह दी।

छात्रों के लिए एक दिवसीय अंतरिक्ष एवं रक्षा प्रदर्शनी

मंचेरियल, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा मंगलवार को श्री उषोदय हाई स्कूल के परिसर में आयोजित एक दिवसीय अंतरिक्ष एवं रक्षा प्रदर्शनी को छात्रों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली। स्थानीय विधायक के प्रेमसागर राव ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया, जबकि भारतीय वैमानिकी सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. जी सतीश रेड्डी ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

निजी और सरकारी दोनों स्कूलों के लगभग 5,000 छात्र एक्सपो देखने के लिए स्कूल पहुंचे। उन्होंने दोनों राष्ट्रीय संगठनों के वैज्ञानिकों और अधिकारियों से बातचीत करके इसरो द्वारा प्रक्षेपित विभिन्न उपग्रहों और डीआरडीओ द्वारा विकसित रॉकेटों के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि वे उपग्रहों और रॉकेटों के बारे में आसानी से जान सकते हैं। वे परिवहन के विभिन्न साधनों का उपयोग करके कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। सतीश ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रदर्शनी से छात्रों को इसरो की गतिविधियों को आसानी से समझने में मदद मिलेगी। उन्होंने इस आयोजन के लिए स्कूल प्रबंधन की सराहना की। प्रदर्शनी के दौरान भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा लिखी गई पुस्तकों की भी प्रदर्शनी लगाई गई। इन्हें गरीब छात्रों को दिया गया। यह प्रदर्शनी इसरो और डीआरडीओ द्वारा कलाम इंस्टीट्यूट ऑफ यूथ एक्सीलेंस और यार्लागड्डा अभिराम मेमोरियल ग्राम सभा के सहयोग से संयुक्त रूप से आयोजित की गई थी। श्री उशोदया हाई स्कूल के संवाददाता यारलागड्डा बालाजी, डीईओ एस यदागिरि, टीआरएसएमए के राज्य अध्यक्ष वाई शेखर राव, जिलाध्यक्ष आर विष्णुवर्धन राव और अन्य उपस्थित थे।

नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले चार गिरफ्तार

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी गड्डापोल्ला पवन कुमार, बोगा रेवंत, बापतु राजीव रेड्डी और सक्किनाला सुधीर ने प्रतिष्ठित सॉफ्टवेयर कंपनियों में नौकरी दिलाने का वादा करके 13 नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों से 26.25 लाख रुपये की ठगी की। कंपनियों के नाम पर फर्जी ऑफर लेटर जारी किए। विश्वसनीय सूचना के आधार पर, हैदराबाद शहर कमिश्नर टास्क फोर्स, नॉर्थ जोन टीम के अधिकारियों ने मारेडपल्ली पुलिस के साथ मिलकर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी बोगा रेवंत रियल एस्टेट में सेल्स एग्जीक्यूटिव है। वर्ष 2024 में जब रेवंत चकुछ महीनों के लिए बेरोजगार था, उसी दौरान पवन कुमार ने उसे एच.आर. मैनेजर के रूप में काम करने और फोन के माध्यम से नौकरी के इच्छुक लोगों को मनाने का लालच दिया। उसे पवन कुमार से प्रत्येक उम्मीदवार के लिए 10 हजार रुपये मिले थे। हैदराबाद शहर कमिश्नर टास्क फोर्स डीसीपी वी.एस.सुधींद्र ने बताया कि आरोपी सक्किनाला सुधीर को जॉब कंसल्टेंसी यानी कैंपस मार्ग में काम करने का अनुभव है। वह फ्रीलांसर के तौर पर भी काम करता था। वह नौकरी के इच्छुक लोगों के बायोडाटा इकट्ठा करता था और उसे पवन कुमार को भेजता था। प्रत्येक उम्मीदवार के लिए उसे पवन कुमार से 10 हजार रुपये मिलते थे। आरोपी गड्डापोल्ला पवन कुमार रेवंत के संपर्क में आया जो एक रियल एस्टेट फर्म में सेल्स एग्जीक्यूटिव है। पवन कुमार सुधीर को लंबे समय से जानता है और उसने बताया कि सुधीर ने राजीव रेड्डी को पवन कुमार से मिलवाया था।

सभी आरोपी एक-दूसरे से उन उम्मीदवारों के बारे में जानकारी साझा करते थे जो पिछले दरवाजे से नौकरी पाने की कोशिश करते हैं। अगर कोई जरूरतमंद उम्मीदवार नौकरी के लिए पवन से संपर्क करता है, तो वह उनके सर्टिफिकेट की प्रतियां, शुरुआती रकम इकट्ठा करता था और उसके बाद ऐसे उम्मीदवारों को रेवंत के पास भेजता था जो उस सॉफ्टवेयर कंपनी के एचआर मैनेजर की तरह काम करता था जिसमें उम्मीदवार आवेदन कर रहा होता है। फिर वह उम्मीदवारों को उस नौकरी के बारे में जानकारी देता था और फोन पर उनका इंटरव्यू भी लेता था। सुधीर नौकरी के इच्छुक लोगों का बायोडाटा पवन को भी देता है जिसके लिए पवन उसे रकम देता है।

पवन कुमार आगे राजीव रेड्डी को विभिन्न कंपनियों के नामों पर फर्जी मेल आईडी तैयार करने और जरूरतमंद नौकरी के इच्छुक लोगों को भेजने का निर्देश देता है, जिन्होंने आवेदन किया था और पैसे का भुगतान करने पर रेवंत द्वारा मंजूरी दे दी गई थी। इसके अलावा पवन कुमार अपने सेल फोन का उपयोग करके फर्जी नौकरी पत्र भी बनाता है और नौकरी के इच्छुक लोगों को भेजता है। पवन कुमार आमतौर पर अपने अपराध भागीदारों राजीव रेड्डी, रेवंत और सुधीर को प्रत्येक उम्मीदवार के लिए 10 हजार रुपये का भुगतान करता है। आरोपी बापतु राजीव रेड्डी नरसारावपेट, गुंटूर का मूल निवासी है, पहले हैदराबाद शहर में काम करता था। आरोपी पवन कुमार के साथ परिचित होने के कारण एक वेबसाइट का उपयोग करके वह पवन कुमार के निर्देशानुसार नौकरी के इच्छुक लोगों को झूठे मेल भेजता था। इन्हें देखकर, नौकरी के इच्छुक लोगों को लगता है कि वे मेल एमएनसी कंपनियों से प्राप्त हुए हैं जिनमें उन्होंने आवेदन किया था। चारों आरोपियों ने नौकरी के लिए इच्छुक 13 लोगों से धोखाधड़ी की और अवैध रूप से 26.25 लाख रुपये कमाए। विश्वसनीय सूचना पर पुलिस ने चार आरोपियों को पकड़ा और 5.67 लाख रुपये जब्त किए। गिरफ्तारी का काम टास्क फोर्स नॉर्थ जोन के पुलिस इंस्पेक्टर के.सैदुलु और मारेडपल्ली पीएस के पुलिस इंस्पेक्टर एन.वेंकटेश, सीसी श्रीनिवासुलु दासु, नॉर्थ जोन टास्क फोर्स के पी. ज्ञानदीप. सी.राघवेंद्र रेड्डी, मेरडपल्ली पीएस के एसआई एम.लक्ष्मीनारायण और टास्क फोर्स नॉर्थ जोन की टीम ने किया।

अधिकारी ने किया असंसदीय भाषा का प्रयोग

इंदिराम्मा इंडुलु सूची से नाम गायब होने पर व्यक्ति ने उठाया था सवाल

जोगुलाम्बा गदवाल, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उंडावल्ली मंडल के निवासी (जो शिव दीक्षा का पालन कर रहे हैं) से इंदिराम्मा इंडुलु लाभार्थी सूची से उनके गायब नाम के बारे में पूछताछ करने पर एक अधिकारी द्वारा दुर्व्यवहार किया गया था। मंडल परिषद विकास अधिकारी ने गांव में एक बैठक की। बैठक के दौरान एक निवासी ने कहा कि वह कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू की गई सभी 4 योजनाओं के लिए पात्र है। हालांकि, सर्वेक्षण के दौरान अधिकारी उसका नाम लाभार्थियों की सूची में शामिल करने में विफल रहे। उन्होंने बैठक में देरी से आने के लिए एमपीडीओ पर भी सवाल उठाया। रिपोर्ट के अनुसार, निवासी के सवालों से नाराज अधिकारी ने असंसदीय भाषा में उनके साथ दुर्व्यवहार किया।

उदमालगिड्डा गांव में मृत पाया गया तेंदुआ

नारायणपेट, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार सुबह यहां दमरगिड्डा मंडल के उदमालगिड्डा गांव की पहाड़ियों में एक तेंदुआ मृत पाया गया। मवेशी पाल रहे चरवाहों ने तेंदुए के शव को देखा और तुरंत वन विभाग को सूचित किया। अधिकारियों की एक टीम मौके पर पहुंची और देखा कि तेंदुआ दो बड़े पत्थरों के बीच फंसा हुआ था। उनकी प्रारंभिक जांच के अनुसार, तेंदुआ दो दिन पहले मर गया होगा। उन्होंने किसी भी गड़बड़ी की संभावना से इनकार किया और कहा कि पोस्टमार्टम के बाद शव के नमूने आगे की जांच के लिए सीसीएमबी, हैदराबाद भेजे जाएंगे।

PUBLIC NOTICE

The General public is hereby informed that our clients 1. Sri MUKESH AGARWAL S/o Late Sri Trilok Chand Agarwal 2. Smt SARITA AGARWAL W/o Sri Mukesh Agarwal 3. Sri MOHIT AGARWAL S/o Sri Mukesh Agarwal 4. Sri AMIT AGARWAL S/o Sri Mukesh Agarwal All the above are R/o H.No. 4-1-1070/1071/1 and 2, 2nd Floor, Brijwasi Niwas, Tilak Road, Hyderabad, T.G. are jointly entered into an agreement of sale on dated 27-12-2024 to Purchase the House property bearing Municipal No. 4-1-639, admeasuring 289 Sq.Yards or 241 Sq.Mtrs situated at Troop Bazar, Hyderabad, T.G. and bounded by NORTH : Portion of H.No.4-1-369, Belonging to Sri Syed Khaja Hussamuddin, SOUTH : Public Road, EAST : Portion of H.No.4-1-639, Belonging to Sri Syed Khaja Hussamuddin, WEST : Neighbour's House, from 1. Sri Md Abdul Gaffar S/o Late Sri M.A.Waheed 2. Sri Md Abdul Jabbar S/o Late Sri M.A.Waheed 3. Sri Md Abdul Rasheed S/o Late Sri M.A.Waheed 4. Sayeedunnisa Shammen W/o Mir Khaiser Ali Khan Rep by her Legal Heirs a) Smt FATIMA IRAM b) Smt KAUSAR TAJ 5. Smt Mujeebunnisa Begum W/o Dr. S.M.Ahmed 6. Smt Zaibunnisa W/o Sri Mohammed Kutubuddin all the above sellers are Legal Heirs of BASHEERUNNISA BEGUM W/o Late M.A.Waheed and paid substantial amount towards earnest money as a part of sale consideration.

Any person/s having any right, claim, title or interest of any nature whatsoever may contact the undersigned with the relevant documents within FIVE DAYS from this date failing which our clients shall conclude the sale transaction and any objections thereafter shall be deemed to have been waived and shall not be entertained.

M/S M.S.REDDY LAW FIRM
METTU SRINIVAS REDDY
METTU BHASKER
Advocates
5-1-574/ABCD, Bank Street, Koti, Troop Bazar, Hyderabad.T.G.
Cell No. 8328574800,9948093330.

CHANGE OF NAME

I, DAVALA AJAY KUMAR, Son of Army No : JC284606W, Rank: SUB (DMT), Name: CHANDRAYYA DAVALA residing at Gangadharapeta (V), Polavaram (PO), Tekkali (M), Srikakulam District, Andhra Pradesh-532201 have Changed my name from DAYALA AJAYA KUMAR to DAVALA AJAY KUMAR and my correct Date of Birth is 19-11-2004. Vide affidavit dated 27-01-2025 sworn before notary at Tekkali.

Change of Date of Birth

I, Service No. JC - 845907F Nb Sub / Clk (SD) Khageswar Sahu, do hereby state that my wife named Puspanjali Sahu her date of birth is 06.04.1980. Due to oversight my wife date of birth has been recorded as 06.04.1981 in my Army Service Records and now it has been absolute necessary to correction my wife's date of birth 06.04.1980 instead of 06.04.1981 in my Army Records

अलेरिया एआई से राजस्व संग्रह में वृद्धि : मंत्री श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने 'अलेरिया एआई' तकनीक की क्षमताओं में गहरी रुचि व्यक्त की, जो राज्य के कर राजस्व को बढ़ाने और राजस्व हानि को कम करने का उद्देश्य रखती है। मंत्री ने मंगलवार को सचिवालय में अपने कार्यालय में अलेरिया एआई के प्रतिनिधियों द्वारा दी गई प्रस्तुति की समीक्षा की। प्रतिनिधियों ने समझाया कि इस ऑफलाइन टूल को सरकारी विभागों के साथ एकीकृत करने से वर्तमान में हो रहे 30 प्रतिशत राजस्व हानि को वापस पाया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि अलेरिया एआई विभिन्न योजनाओं के तहत केवल पात्र लाभार्थियों को ही लाभ सुनिश्चित करके पारदर्शिता और दक्षता को बढ़ावा दे सकता है। फ्रांस और यूएई में मुख्यालय रखने वाली अलेरिया एआई ने भारत में अपनी तकनीक का विपणन करने के लिए आईबीटी इनोवेशन और इनोलॉजिक टेक्नोलॉजीज को अधिकृत किया है। मंत्री श्रीधर बाबू से मिलने वाले प्रतिनिधिमंडल में आईबीटी के सीईओ मसूर अली खान, अलेरिया के सीईओ एरिक लियांड्री और इनोलॉजिक के सीईओ शिवा डोंडापति सहित अन्य शामिल थे।

राजेंद्रनगर में दुर्घटना में 3 नाबालिग लड़कों की मौत

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राजेंद्रनगर के पास आरामघर फ्लाईओवर पर मंगलवार को एक बाइक के बीच में जा टकराने से 3 लोगों की मौत हो गई।

माना जा रहा है कि तेज गति और लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण यह हादसा हुआ। जिन पीड़ितों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है वे नाबालिग लड़के हैं। जानकारी के अनुसार, यह घटना रात करीब दो बजे हुई जब तीनों लोग फ्लाईओवर से बहादुरपुरा से आरामघर की ओर जा रहे थे। आरामघर फ्लाईओवर पर पहुंचते ही बाइक चालक ने कथित तौर पर बाइक पर से नियंत्रण खो दिया और बाइक सड़क के बीच में जा टकराई। तीनों गिर गए और उन्हें कई गंभीर चोटें आईं। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। फ्लाईओवर पर मौजूद अन्य वाहन चालकों ने पुलिस को सूचना दी। राजेंद्रनगर पुलिस जांच कर रही है।

नगरपालिका कस्बों को लाभ देने पर करे विचार

डबल बेंच ने मुख्य सचिव को दिया निर्देश

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल और न्यायमूर्ति रेणुका यारा की दो-न्यायाधीशों वाली पीठ ने एक जनहित याचिका मामले पर सुनवाई करते हुए तेलंगाना के मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि वे राज्य भर के नगरपालिका शहरों में इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा का लाभ बढ़ाने के लिए गाविनोला श्रीनिवास के अभ्यावेदन पर विचार करें और उचित कार्रवाई करें।

जनहित याचिका का मामला गाविनोला श्रीनिवास द्वारा दायर किया गया था, जिसमें राज्य, नगरपालिका और पंचायत अधिकारियों की कार्रवाई को चुनौती दी गई थी, जिसमें 10.01.2025 के सरकारी आदेश 42 के तहत नगरपालिका क्षेत्रों में शुरू की गई इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा योजना का लाभ नहीं दिया गया था। यह योजना गांवों में कृषि पर निर्भर भूमिहीन कृषि श्रमिकों को 12,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करती है। यह धनराशि दो किस्तों में वितरित की गई, जिसमें प्रत्येक किस्त में 6,000 रुपये प्रति वर्ष दिए गए।

याचिकाकर्ता के वकील प्रभाकर चिक्कुडू ने तर्क दिया कि यह योजना राज्य भर के गांवों में रहने वाले मजदूरों के संबंध में लागू की जा रही है, लेकिन राज्य भर के 129 नगरपालिका शहरों में इसे लागू नहीं किया जा रहा है। वकील ने इस योजना को सभी कृषि मजदूरों पर समान रूप से लागू करने की मांग की। यह देखते हुए कि यह योजना पंचायत राज विभाग द्वारा जारी और संचालित की गई थी, पीठ ने याचिकाकर्ता को राज्य के मुख्य सचिव और नगर प्रशासन शहरी विकास विभाग के मुख्य सचिव को योजना में नगरपालिका क्षेत्रों को शामिल करने के लिए एक प्रतिनिधित्व करने के लिए स्वतंत्र छोड़ दिया और तदनुसार मामले का निपटारा किया।

జాతీయ భారతీయ వైద్య పరంపర సంస్థ
राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान
(केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)
रेवेन्यू बोर्ड कॉलोनी, गड्डिअन्नारम, हैदराबाद-500 036, तेलंगाना, भारत
National Institute of Indian Medical Heritage
(Central Council for Research in Ayurvedic Sciences, Ministry of Ayush, Govt. of India)
Revenue Board Colony, Gaddiannaram, Hyderabad - 500 036, Telangana, INDIA
150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

अधिसूचना. 02/2025

इस संस्थान में उपलब्ध परियोजनाएँ सलाहकार (मेडिकल रिकॉर्ड्स) -01 और जेआरएफ (मेडिकल रिकॉर्ड्स) -01 पद के लिए आवेदन का निमंत्रण है। पूर्ण विवरण इस वेबसाइट http://niimh.nic.in या http://ccras.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है। किसी भी स्पष्टीकरण के लिए सभी कार्य दिवसों पर मोबाइल नंबर 9493627388 पर संपर्क किया जा सकता है।

प्रभारी सहायक निदेशक

भेड़ विक्रेताओं के लंबित बिलों को लेकर कलेक्टर को नोटिस

हैदराबाद, 28 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एनवी श्रवण कुमार ने भेड़ विक्रेताओं को लंबित बिल जारी करने के संबंध में अदालती आदेशों का उल्लंघन करने के लिए नलगोंडा जिला कलेक्टर को फॉर्म-1 नोटिस जारी किया है। इन किसानों ने भेड़ों की संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य की भेड़ वितरण योजना के तहत तेलंगाना राज्य भेड़ एवं बकरी विकास सहकारी संघ (टीएसएसजीडीसीएफ) को पशुधन की आपूर्ति की थी। अपने संविदागत दायित्वों को पूरा करने और भुगतान के लिए आवेदन प्रस्तुत करने के बावजूद, आपूर्तिकर्ताओं को देरी का सामना करना पड़ा।

कई रिमाइंडर और आरटीआई आवेदनों से पता चला कि पशुपालन विभाग ने लंबित बिलों का भुगतान करने की जिम्मेदारी स्वीकार की थी, लेकिन भुगतान की प्रक्रिया नहीं की गई। इसके चलते किसानों ने हस्तक्षेप के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। इससे पहले जस्टिस श्रवण कुमार ने आदेश पारित करते हुए अधिकारियों को लंबित भुगतान जारी करने का निर्देश दिया था। हालांकि, राज्य सरकार की ओर से छह सप्ताह के भीतर भुगतान का आश्वासन दिए जाने के बावजूद बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया, जिसके कारण अवमानना याचिका दायर की गई। अदालत ने गैर-अनुपालन को गंभीरता से लिया और नलगोंडा जिला कलेक्टर और पशुपालन विभाग दोनों को फॉर्म-1 नोटिस जारी किया। मामले को अब आगे की सुनवाई के लिए पोस्ट किया गया है।

पूर्व तट रेलवे

(1) सूचना सं.: eT-West-WAT-02-2025
दिनांक: 22.01.2025
कार्य का नाम : पूर्व तट रेलवे/वाल्टियर मण्डल के सहायक मण्डल अभियन्ता/जगदलपुर उप-मण्डल के अधीन मालिगुड़ा (EX) से आम्बागाँव (IN) के बीच में सीनियर सेक्शन इंजीनियर (P-WAY)/ जयपुर के अधीन 30-09-2025 तक समाप्त होने वाली समयावधि के लिए P-WAY जोनल ठेका कार्य।
विज्ञापित मूल्य : ₹ 1,08,77,096.44, EMD : ₹ 2,04,400/-

(2) सूचना सं.: eT-West-WAT-03-2025
दिनांक: 22.01.2025
कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के KK-II लाइन में सहायक मण्डल अभियन्ता/जगदलपुर के अधिकार क्षेत्र के अधीन मालिगुड़ा-कोटपार रोड स्टेशन के बीच कि.मी. 221.08 से कि.मी. 263.432 तक (पैचों में) 21.546 कि.मी. लम्बाई के लिए नए इलास्टिक फास्टनिंग द्वारा मौजूदा 60 कि.ग्रा. रेल एवं PSC स्लीपर का थ्रू फास्टनिंग नवीकरण।
विज्ञापित मूल्य : ₹ 41,48,460.50, EMD : ₹ 83,000/-

कार्य पूरा होने की अवधि : समाप्ति अवधी 30.09.2025 (क्रम सं. 1 के लिए) एवं 06 (छह) महीने (क्रम सं. 2 के लिए)।
निविदा बंद होने की तिथि व समय : 13.02.2025 को 1500 बजे (दोनों निविदाओं के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक / कूरियर / फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुन: अवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर
PR-923/P/24-25

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.